kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-151 ❐ बुधवार, 01 जुलाई 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

सड़क दुर्घटनाओं में विश्व में सबसे अधिक लोगों की मौत भारत में होती है, जो बड़ी चिंता का विषय है। इसके मद्देनजर सरकार ने इस मसले को गंभीरता से लेते हुए अनेक उपाय किये हैं। नितिन गडकरी

शाह ने एफसीआरए 2.0 पोर्टल तथा ई- ओसीआई कार्ड का शुभारंभ किया 11

पंजाब में एक हजार पदों पर होगी लेक्चरर भर्तियां 12

संक्षेप

जीएसटी विवाद में अपील दाखिल करने की समयसीमा एक माह बढ़ी

नई दिल्ली। जीएसटी से जुड़े विवादों में राहत देते हुए केंद्र सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि एक महीने बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दी है। पहले यह समयसीमा 30 जून तक थी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जीएसटीएटी पोर्टल पर लगातार बढ़ते दबाव और तकनीकी दिक्कतों की शिकायतों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। पिछले 15 दिनों में ही करीब 30,000 अपीलें दाखिल की गईं, जबकि एक दिन में सबसे अधिक 5,500 अपीलें दर्ज हुई। इसके कारण कई करदाताओं और पेशेवरों को अपील दाखिल करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। सरकार ने करदाताओं से अपील की है कि वे अंतिम समय तक इंतजार न करें और समय रहते अपनी अपील दाखिल कर दें, ताकि पोर्टल पर अनावश्यक दबाव न बढ़े,

भारत ने यूनान में यूपीआई सेवा शुरू की

नई दिल्ली। भारत ने यूनान में यूपीआई सेवा शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि यह भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मंत्री आधिकारिक यात्रा पर यूनान की राजधानी एथेंस में हैं। उन्होंने बताया कि अब यूनान, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका और कंबोडिया सहित 10 देशों में यूपीआई से लेनदेन किया जा रहा है। इससे भारतीय यात्री परिचित डिजिटल मंचों के माध्यम से विदेशों में भी आसानी से भुगतान कर पा रहे हैं। भारत ने फ्रांस के नीस शहर स्थित प्रसिद्ध डिपार्टमेंटल स्टोर गैलेरी लाफायेत में कुछ सप्ताह पहले यूपीआई सेवा शुरू की थी। इससे पहले वर्ष 2024 में पेरिस स्थित एफिल टावर पर भी यूपीआई की शुरुआत की गई थी।

न्यायिक समीक्षा संविधान के प्रति जिम्मेदारी है : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक समीक्षा अदालत की सर्वोच्चता नहीं, बल्कि संविधान के प्रति जिम्मेदारी है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जब संवैधानिक संस्थाएं अपनी निर्धारित सीमाओं के भीतर काम करने में विफल हों, तब कानून का शासन कायम रहे। मुख्य न्यायाधीश ने सोमवार को स्टॉकहोम में 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस' (आईडीईए) के सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन का विषय 'कानून के शासन की रक्षा भारत और स्वीडन के अनुभव' था। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि न्यायिक समीक्षा की यह व्यापक शक्ति भारत के संवैधानिक लोकतंत्र की नींव है।

'रामभक्तों पर लाठी-गोली चलाने वाले कर रहे आस्था की वकालत'

जनता समझ चुकी है इन कालनेमियों का झूठ व दोहरा चरित्र : योगी

एजेंसी

- ❐ रामपुर में मिलक एवं बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र में 700 करोड़ से अधिक लागत की 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने
- ❐ तीर्थस्थलों के विकास से चिढ़ी सपा-कांग्रेस कर रहीं जनता को गुमराह
- ❐ सपा शासन में अवैध कब्जों व प्रताड़ना के काम आता था रामपुर का चाकू
- ❐ बिलासपुर की रुद्रविलास चीनी मिल का होगा पुनरुद्धार व विस्तारीकरण

रामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्था व विरासत के अपमान पर विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग 2017 से पहले कांवड़ यात्रा रोकने, त्योहारों पर बंदिशें लगाने और 'जय श्रीराम' बोलने पर लाठी-गोली चलवाते थे, आज वे अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख आस्था की वकालत कर रहे हैं। जो कांग्रेस प्रभु श्रीराम व श्रीकृष्ण के अस्तित्व को ही नकार चुकी थी, वह भी 'राम सबके हैं' कहकर अयोध्या जाने के लिए मचल रही है। उन्होंने ऐसे लोगों की तुलना 'कालनेमी' के छल-कपट से करते हुए कहा कि जनता इनके झूठ व दोहरे चरित्र को अच्छी तरह समझ चुकी है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को रामपुर जनपद के मिलक व बिलासपुर विधानसभा क्षेत्रों की ?700 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इंटरमीडिएट/हाईस्कूल परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों को लैपटॉप और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को चेक वितरित किए। साथ ही मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के पात्र परिजनों को अनुदान राशि और मुख्यमंत्री सामाजिक विकास में विशेष योगदान देने वाले व्यापारियों का सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस व सपा शासनकाल अन्याय व अराजकता का प्रतीक रहा है। 2017 से पहले सपा की निरंकुश सत्ता में रामपुर के गरीबों और बाल्मीकि समुदाय की जमीनों पर जबरन कब्जा किया जाता था और उनकी आवाज को दबा दिया जाता था। विकास केवल सैफई व रामपुर के दो परिवारों तक सीमित था, जबकि बाकी जनता को विकास से वंचित रखा जाता था। बिजली देने में भी 'पिक एंड चूज' की नीति अपनाई जाती थी, जिससे सैफई में बिजली आती थी लेकिन पीलीभीत व रामपुर जैसे क्षेत्र अंधेरे में रहते थे। जनता जनार्दन ने इस अन्यायी सत्ता को पलट कर पूरे राज्य में संदेश दिया। डबल इंजन सरकार में 'पिक एंड चूज' नहीं होता। बिजली सभी 75 जनपदों में आएगी। जहां भी आवश्यकता थी, इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई दिए। अब कोई विकास नहीं रोक सकता, नौजवान के भविष्य से खिलवाड़ नहीं कर सकता, बहन-बेटी का अपमान नहीं कर सकता। सीएम योगी ने कहा कि सपा शासन में भ्रष्टाचार के चलते उद्योग बंद होते गए। अन्नदाता किसान हताश होकर आत्महत्या के लिए मजबूर हो गया। न तो गरीब कल्याण के लिए कोई योजना थी और न विकास कार्यों के लिए धन। युवाओं के भविष्य से जमकर खिलवाड़ किया गया। अराजकता का

● शेष पेज 11 पर

प्रभु श्रीराम जानते हैं कौन सही और कौन बुरा

सीएम योगी ने कहा कि देखिए रामभक्तों पर लाठी-गोली चलाने वाले रामभक्ति की दुहाई दे रहे हैं, वकालत कर रहे हैं। यह रामभक्तों की, आपके वोटबैंक की ताकत है कि ये पार्टियां आपकी पिछलग्गू बन रही हैं। उन्हें अपने पापों, कर्मों पर पश्चाताप भी होता होगा। लेकिन, प्रभु श्रीराम तो जग नियंता हैं, ब्रह्मांड के स्वामी हैं। उन्हें पता है कि कौन सही है और कौन बुरा। दरअसल, सपा-कांग्रेस को चिढ़ यह है कि अयोध्याधाम, काशी-विश्वनाथ धाम, मां विंध्यवासिनी धाम, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज धाम, नैमिषारण्य, शुक्रतीर्थ इतने सुंदर कैसे हो गए। वे इसे रोकना चाहते थे, नहीं कर सके तो चिढ़ गए। कुछ नहीं मिला तो झूठ का सहारा लेकर जनता को गुमराह करने लगे।

आर्थिक विकास में क्षेत्रीय उद्योगों की भागीदारी बढ़े : राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विकसित भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध, प्रौद्योगिकी में सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त देश का संकल्प बताते हुए क्षेत्रीय उद्योगों से इस यात्रा में भागीदार बनने का आह्वान किया है।

श्री सिंह ने मंगलवार को वडोदरा में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान उद्योगपतियों, उद्यमियों, युवा नवोन्मेषकों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में क्षेत्रीय उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ''विकसित भारत सिर्फ़ आर्थिक विकास का लक्ष्य नहीं है, बल्कि आर्थिक रूप से समृद्ध, तकनीकी रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त देश बनाने का संकल्प है और क्षेत्रीय उद्योगों को इस यात्रा में भागीदार बनना चाहिए जिससे क्षेत्रीय ताकतों को राष्ट्रीय क्षमताओं में, स्थानीय नवाचारों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और औद्योगिक विकास को रणनीतिक ताकत में बदला जा सके। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल , केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह और गुजरात सरकार में महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. मनीषा वकील भी मौजूद थीं। रक्षा मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि तेज़ी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, भारत की आत्मनिर्भरता, तकनीकी क्षमता और सामूहिक संकल्प आने वाले दशकों में वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका तय करेगा। उन्होंने कहा, ''इतिहास हमें सिखाता है कि महान देश तीन ज़रूरी स्तंभों पर खड़े होते हैं: आर्थिक ताकत, तकनीकी कौशल, और राष्ट्रीय सुरक्षा ।आर्थिक खुशहाली और टेक्नोलॉजी में तरक्की से देश की सुरक्षा मज़बूत होती है, जबकि सुरक्षित देश वह स्थिरता देता है जिससे उद्योग और नवाचार फलते-फूलते हैं।'' उन्होंने सुरक्षित सीमा और मज़बूत अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने के लिए बेहतर सहयोग की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

श्री सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र का विकास सिर्फ़ हथियारों और प्रौद्योगिकी तक ही सीमित नहीं है, यह एक बड़े आर्थिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि भारत तेज़ी से विनिर्माण और निर्यात में एक अहम देश

● शेष पेज 11 पर

विधायक कमाल अख्तर का सपा के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुरादाबाद के विधायक कमाल अख्तर ने विधानसभा में समाजवादी पार्टी के दल के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा के साथ विवाद सामने आने के बाद आया है। हालांकि इस्तीफ़े के कारणों पर पार्टी की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

विवाद को सुलझाने के लिए हाल ही में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में दोनों पक्षों के साथ बैठक भी की थी। माना जा रहा था कि मामला शांत हो गया है, लेकिन अब कमाल अख्तर के इस्तीफ़े ने अटकलों को फिर हवा दे दी है।कमाल अख्तर ने सोशल मीडिया पर लिखा- माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी का जो आदेश मिला है उसका हमेशा पालन किया है, तथा जो भी आदेश मिलेगा, उसका सदैव पालन करता रहूंगा।

बता दें कि जुलाई 2024 में मनोज कुमार पांडे के मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा देने के बाद कमाल अख्तर को सपा ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी।वर्तमान में मनोज कुमार पांडे प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। कमाल अख्तर और रुचि वीरा के रिश्तों में खटास लोकसभा चुनाव 2024 से ही चली आ रही है। लेकिन, अभी तक मामला अंदरखाने चल रहा था। लेकिन ये कलह सतह पर उस वक्त आ गई, जब मुरादाबाद में 14 जून को पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक)

● शेष पेज 11 पर

नीट पुनर्परीक्षा पर संसदीय समिति को जानकारी देंगे अधिकारी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के शीर्ष अधिकारी नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा से मिले अनुभवों और एनटीए को मजबूत बनाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में संसद की एक समिति को जानकारी देंगे। सूत्रों ने बताया कि के. राधाकृष्णन भी शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति को एनटीए को सुदृढ़ बनाने के लिए किए गए सुधारों के बारे में अवगत कराएंगे। राधाकृष्णन सरकार द्वारा गठित उस उच्च स्तरीय संचालन समिति के अध्यक्ष भी हैं, जिसे एनटीए संबंधी सिफारिशों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए बनाया गया है। यह समिति एक जुलाई को होने वाली अपनी बैठक में नीट-यूजी पुनर्परीक्षा प्रक्रिया से मिले अनुभवों की समीक्षा भी करेगी और एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह 21 जून को आयोजित पुनर्परीक्षा के परिणामों के बारे में समिति के सदस्यों को जानकारी देंगे। बैठक के दौरान उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी को भी संसदीय समिति के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है।

उत्तर प्रदेश में मानसून ने दी दस्तक कई जिलों में बारिश ने दी राहत

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने के साथ ही उत्तर प्रदेश में वर्षा की गतिविधियों ने रफ्तार पकड़ ली है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में वर्षा की गतिविधियों में और तेजी आने की संभावना है।

मौसम विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बरेली जिले के बहेड़ी में सर्वाधिक 157 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा ललितपुर के तालबेहट में 106 मिमी, बरेली के नवाबगंज में 40 मिमी, रामपुर के बिलासपुर में 33 मिमी, शाहजहांपुर के नरौरा बुलंदशहर में 32.2 मिमी, ललितपुर में 25.8 मिमी तथा मिलक (रामपुर) और शाहजहांपुर वेधशाला में 24.2-24.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में निगहासन (खीरी) में 96.4 मिमी, मोहम्मदी (खीरी) में 86.4 मिमी, पलियाकलां (खीरी) में 69.4 मिमी, अयोध्या वेधशाला में 69 मिमी, टांडा (अंबेडकरनगर) में 68 मिमी तथा गोंडा और मनकापुर में 64-64 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा खलीलपुर (संतकबीरनगर) में 55.8 मिमी, भिनगा में 48.6 मिमी, हरदोई वेधशाला में 47.2 मिमी तथा धनघटा में 42 मिमी वर्षा हुई।

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं और अगले दो से तीन दिनों के दौरान प्रदेश के शेष हिस्सों में भी इसके सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा का सिलसिला जारी रहने तथा कहीं-कहीं भारी वर्षा होने के आसार हैं। इस बीच, मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)

● शेष पेज 11 पर

जनरल धीरज सेठ ने नये सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नयी दिल्ली। जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को 31 वें सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें जनरल उपेंद्र द्विवेदी के स्थान पर यह जिम्मेदारी दी गयी है जो चार दशक से भी लंबी सेवा के बाद आज सेवानिवृत हो गये। जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में उन्हें आर्म्ड कोर में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के शानदार मिलिट्री करियर के दौरान उन्हें संचालन, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में कार्य का व्यापक अनुभव है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्ध क्षमता और सेना में सुधारों में अहम योगदान दिया है। जनरल ऑफिसर ने अलग-अलग संचालन माहौल में अनेक पदों पर रहते हुए कमान संभाली है। वह रेगिस्तानी इलाके में एक आर्म्ड रेजिमेंट, पश्चिमी थिएटर में आर्म्ड ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद-विरोधी फोर्स की कमान संभालना चुके हैं। लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर, उन्होंने भारतीय सेना के प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक, सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के तौर पर काम किया और अहम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मिलिट्री कार्यक्रमों में औपचारिक जिम्मेदारियों को संभाला। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नति के बाद अधिकारी ने दक्षिण पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान की

● शेष पेज 11 पर

सुशासन की दिशा में योगी सरकार का एक और कदम, गांव में ही उपलब्ध होंगी राजस्व सेवाएं

ग्राम सचिवालय में आज से बैठेंगे लेखपाल

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

सहूलियत

- ❐ अब ग्रामीणों को नहीं लगाने पड़ेंगे तहसील के चक्कर
- ❐ सीएम योगी की मंशा के अनुरूप उपस्थिति का तैयार होगा रोस्टर, आय-जाति- निवास प्रमाणपत्र व खतौनी आदि के लिए होगा त्वरित निस्तारण
- ❐ राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को जारी किए निर्देश, लेखपालों की नियमित उपस्थिति होगी सुनिश्चित
- ❐ मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर ग्राम सचिवालय बनेंगे 'वन स्टॉप सर्विस सेंटर', ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

लखनऊ। योगी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को राजस्व संबंधी सेवाएं अधिक सुगम और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अब प्रत्येक जनपद में लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इसको लेकर राजस्व परिषद की ओर से सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। पत्र में रोस्टर तैयार कर 1 जुलाई से नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्व परिषद की आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लगातार प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवाओं को गांव स्तर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्रत्येक जनपद में लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में पहले से स्थापित ग्राम सचिवालयों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की सेवाओं को ग्रामीणों तक एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। पंचायतीराज विभाग के पूर्व आदेशों के अनुरूप ग्राम सचिवालयों में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। अब इसी व्यवस्था को और प्रभावी बनाते हुए लेखपालों की नियमित उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण हो सके। बता दें कि ग्राम सचिवालयों के माध्यम से पंचायत सहायकों द्वारा संचालित ऑनलाइन सेवाओं में राजस्व विभाग की कई महत्वपूर्ण सेवाएं शामिल हैं। इनमें आय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, हैसियत प्रमाणपत्र, खतौनी की नकल सहित लगभग दस प्रमुख सेवाएं शामिल हैं। इन सेवाओं के समयबद्ध निस्तारण में लेखपाल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में ग्राम सचिवालय में उनकी नियमित उपलब्धता से ग्रामीणों को तहसील के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता काफी हद तक कम होगी। राजस्व परिषद ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि लेखपाल केवल प्रमाण पत्रों से जुड़े कार्य ही नहीं करते, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूत कड़ी के रूप में भी कार्य करते हैं। तहसील दिवस, थाना दिवस, वरासत, स्वामित्व योजना, किसान सम्मान निधि, राहत एवं पुनर्वास, आपदा प्रबंधन, भूमि विवादों का निस्तारण, कृषि गणना, जनगणना, फसल गिरदावरी, प्राकृतिक आपदाओं की रिपोर्ट, अवैध कब्जों की जांच, खनन संबंधी सत्यापन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े सत्यापन तथा धान-गेहूं क्रय केंद्रों के सत्यापन जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्व भी लेखपाल निभाते हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में भी लेखपालों की रिपोर्ट और सत्यापन की आवश्यकता पड़ती है। वहीं ग्राम पंचायत स्तर पर लेखपालों के बैठने के लिए कोई

● शेष पेज 11 पर

तीन को चुनावी रणनीति पर चर्चा करेगी भाजपा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को तेज करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन और चार जुलाई को लखनऊ में दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक बुलायी है जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष शामिल होंगे।

बैठक में प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठनात्मक मजबूती और राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश की भूमिका बढ़ाने आदि विषयों पर व्यापक मंथन होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश से दो राष्ट्रीय महामंत्री, तीन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समेत करीब 10 नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में भी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व बढ़ने की चर्चा है। वर्तमान में राष्ट्रीय संगठन में उत्तर प्रदेश से राधा मोहन दास अग्रवाल और अरुण सिंह राष्ट्रीय महामंत्री हैं, जबकि लक्ष्मीकांत

वाजपेयी, रेखा वर्मा और तारिक मंसूर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। इसके अलावा सुरेंद्र नागर राष्ट्रीय मंत्री और राजेश अग्रवाल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस बार संगठन में युवा और सक्रिय चेहरों को आगे लाने की रणनीति पर विचार हो रहा है। संभावित दावेदारों में डॉ. महेंद्र सिंह, हरीश द्विवेदी, अमरपाल मौर्य, विनोद सोनकर, पंकज सिंह, श्रीकांत शर्मा, अश्वनी त्यागी, अशोक कटारिया, गोविंद नारायण शुक्ला और संतोष सिंह के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं।

बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव के लिए विस्तृत रणनीति पर चर्चा होगी। विशेष रूप से अवध, गोरखपुर, कानपुर सहित उन विधानसभा क्षेत्रों पर फोकस रहेगा, जहां भाजपा को पिछले चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। पार्टी पहले ही प्रत्येक हारी हुई विधानसभा सीट पर प्रभारी नियुक्त करने का निर्णय ले चुकी है और अब उसके क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से जमीनी फीडबैक लेने के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों से भी मुलाकात कर सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा के प्रदर्शन में आई गिरावट के बाद पार्टी ने राज्य को संगठनात्मक और राजनीतिक दृष्टि से सर्वोच्च प्राथमिकता देने का फैसला किया है। लखनऊ की यह दो दिवसीय बैठक इसी रणनीति का अहम हिस्सा मानी जा रही है।

हालांकि, राष्ट्रीय संगठन में नियुक्तियों और केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अभी पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है और अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हीरो बाजपेई ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दौरे को लेकर तैयारियां चल रही हैं। आगामी बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

विधानसभा चुनाव से पहले हारी सीटों पर फोकस करेगी भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के तहत सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2022 के चुनाव में हाथ न लगने वाली सीटों पर अपनी पैठ को मजबूत करने की कवायद शुरु कर दी है। पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने हाल ही में पदाधिकारियों के साथ बैठक कर हारी सीटों की रणनीति बनाई है। बैठक में तय हुआ कि हारी हुई सीटों पर विधानसभावार प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे। ये प्रभारी अपने विधानसभा क्षेत्र में जाकर जिला, मंडल और बूथ स्तर तक के संगठन, स्थानीय मुद्दों और मतदान की रणनीति पर फीडबैक जुटाएंगे। जरूरत के मुताबिक संगठन को मजबूत करने की कार्रवाई भी कराएंगे। क्षेत्रीय पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपनी हारी हुई सीटों को जीत में बदलने के लिए जनता के बीच सक्रिय रहें और उनके मुद्दे सुलझाएं। बैठक में अवध, गोरखपुर और कानपुर क्षेत्र की हारी सीटों पर खास चर्चा हुई। तीनों क्षेत्रों के पदाधिकारी भी शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जुलाई के पहले सप्ताह में दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ आएंगे। सूत्रों के मुताबिक वह तीन व चार जुलाई को लखनऊ में रहकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन के कामकाज का जायजा लेंगे। तैयारियों के बीच उनका दौरा अहम माना जा रहा है। इस दौरान वह पार्टी संगठन के नेताओं और आनुषांगिक संगठनों के साथ अलग-अलग बैठक करेंगे। योगी आदित्यनाथ और आरएसएस के पदाधिकारियों से भी मुलाकात संभव है। वह नई टीम के अलावा क्षेत्रीय टीम से भी विचार-विमर्श करेंगे। 2024 लोकसभा चुनाव में यूपी में सीटें घटने के बाद भाजपा ने ग्राउंड लेवल पर फोकस बढ़ाया है। हारी सीटों पर माइक्रो-मैनेजमेंट के जरिए 2027 में वापसी की तैयारी है।

दिनेश चंद्र खरे बने कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष

लखनऊ । अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (7235-भारत) ने दिनेश चंद्र खरे को महासभा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। लंबे समय से सनातन समाज व कायस्थ समाज के बीच बढ़-चढ़कर काम करने के चलते पूरे देश में कायस्थ समाज को एकजुट करने व वर्तमान परिवेश में कायस्थ समाज की बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी के लिए उनका चयन किया गया है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली/टेंडर/12/2026-27
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर आई.पी.आई.एस. (ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, यात्री सुविधा उपकरण) और जी.पी.एस. घड़ियों को लगाना और उनकी व्यवस्था का कार्य।
अनुमानित लागत	रु.1,55,00,745.62/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु.3,10,000.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	14.07.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

• ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
• समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
• मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
• निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेंमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106-टेली/टेंडर/12/2026-27 दिनांक : 23.06.2026 2237/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रो. रामगोपाल यादव कर्म एवं मर्यादा के संगम हैं : नरेंद्र सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। समाजवादी विचारक, राज्यसभा सांसद एवं समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के 80वें जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार को प्रयागराज संगम तट पर भव्य आयोजन किया गया।

पार्टी के प्रदेश सचिव नरेंद्र सिंह ने श्री रामानंद मठ के यज्ञशाला में योगिराज श्री रमेश जी महाराज के मार्गदर्शन में विद्वान आचार्यों के मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ-हवन कराया। इसके पश्चात संगम तट पर साधु-संतों एवं जरूरतमंदों को वस्त्र तथा फल वितरित कर अपने नेता के उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु होने की कामना की गई।

आयोजक सपा नेता नरेंद्र सिंह ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उपस्थित सभी साधु-सन्यासियों एवं आमजनों से प्रो. रामगोपाल

यादव के उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा, ''प्रो. रामगोपाल यादव राजनीतिक संत हैं। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में वाणी एवं व्यवहार के संयम का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। सबके प्रति संवेदनशील होना प्रो. साहब की सहजता है।''

नरेंद्र सिंह ने आगे कहा कि ''प्रो. रामगोपाल यादव कर्म एवं मर्यादा के संगम हैं। उनका मानना है कि राजनीतिक व्यक्ति को शांत स्वभाव का होना चाहिए तथा हमेशा जन कल्याण के लिए सचेष्ट एवं सक्रिय रहना चाहिए।'' इस अवसर पर आगमाचार्य 1008 योगिराज श्री रमेश जी महाराज, श्री महंत बृज भूषण दास, महंत लक्ष्मण दास, प्रवक्ता दान बहादुर सिंह मधुर, महंत रामदास, हिमांशु सिंह, पीयूष सिंह, बृज किशोर, भरत महाराज, पप्पू पंडित, आरएन यादव, सचिन श्रीवास्तव, संत बक्स सिंह, रामकुमार, सुरेश दास, रामू सैनी सहित सैकड़ों की संख्या में साधु-संत एवं राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपीटीईटी-2026: निष्पक्ष और शुचितापूर्ण हो परीक्षा, हर अभ्यर्थी को मिले सुरक्षित माहौल: योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)-2026 को पूरी पारदर्शिता, शुचिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी है, इसलिए प्रत्येक अभ्यर्थी को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और तनावमुक्त परीक्षा वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री मंगलवार को दो से चार जुलाई तक आयोजित होने वाली परीक्षा की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अन्य राज्यों से आने वाले अभ्यर्थियों के लिए रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और प्रमुख यातायात केंद्रों पर सहायता व्यवस्था, अतिरिक्त परिवहन, सुरक्षा तथा आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बिजली, चिकित्सा, अग्निशमन और छायादार प्रतीक्षास्थल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को परीक्षा से एक दिन पहले तैयारियों का पूर्वाभ्यास कराने तथा कंट्रोल रूम पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने सेवारत शिक्षकों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को उनके लिए अलग शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्रता सुनिश्चित करने के लिए कार्यरत शिक्षकों को पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने परीक्षा ड्यूटी में केवल स्वच्छ छवि वाले अधिकारियों की तैनाती, गोपनीय सामग्री की सुरक्षित निगरानी तथा सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	रेनोवेशन वर्क ऑफ ए.सी.आर.ए. एंड नॉन - ए.सी.आर.ए. एंड ओसीवी कोचेस ऐट कैरिज वर्कशॉप आलमबाग।		
कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ		
अनुमानित लागत	₹3,69,55,541.24 मात्र	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
बिड सिक्युरिटी	₹7,39,100/- मात्र	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष
निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनाँक 20.07.2026 समय 15:00 बजे तक		
प्रमाण पत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ ANNEXURE-A(a) (यदि Partnership/ HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।		
खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।		
कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तो सहित		
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है।	वेबसाइट: www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।		

निविदा सूचना सं. 2026-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू ईनिविदा-18 दिनाँक: 27.06.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2228/2026

कार्तिकेय प्रताप सिंह ने राज्य स्तरीय शूटिंग में जीता गोल्ड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। कोरांव तहसील क्षेत्र के डइया राजपरिवार के वंशज कार्तिकेय प्रताप सिंह ने राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। कार्तिकेय पूर्व प्रधानमंत्री स्व. विश्वनाथ प्रताप सिंह के प्रपौत्र हैं।

कार्तिकेय प्रताप सिंह पुत्र कुंवर दिवाकर प्रताप सिंह उर्फ कृष्ण भइया ने डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज, दिल्ली में आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग (शॉट गन) प्रतियोगिता के S-107 Trap Youth Men (गट) वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर यह शानदार उपलब्धि हासिल की है। कार्तिकेय की इस सफलता पर उनके पिता कुंवर दिवाकर प्रताप सिंह ने बताया कि ''यह उपलब्धि कार्तिकेय की कठिन मेहनत, अनुशासन, निरंतर अभ्यास एवं लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का परिणाम है। उसने दिन-रात एक कर तैयारी की थी।'' इस उपलब्धि से डइया

राजपरिवार, शुभचिंतकों एवं पूरे कोरांव क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। ज्ञात हो कि कार्तिकेय के पिता कुंवर दिवाकर प्रताप सिंह प्रयागराज में सामाजिक रूप से काफी सक्रिय रहते हैं और भाजपा नेता भी हैं। परिवारजनों ने कहा कि कार्तिकेय की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि कार्तिकेय भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर समस्त परिवार, मित्रगण एवं शुभचिंतकों द्वारा कार्तिकेय प्रताप सिंह को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

सेवानिवृत्त कार्मिकों को दी भावभीनी विदाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। पुलिस कार्यालय, कमिश्नरेट वाराणसी में आज सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के सम्मान में एक गरिमामय एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री मोहित अग्रवाल ने सभी सेवानिवृत्त कार्मिकों को उनके दीर्घ, उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाकाल के लिए सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी।

समारोह के दौरान उप निरीक्षक जंग बहादुर यादव (ज्ञानवापी सुरक्षा), उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार सिंह (पुलिस लाइन), उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह (न्यायालय सुरक्षा), उप निरीक्षक शशि कुमार कुँवर (अभिसूचना शाखा), मुख्य आरक्षी प्रद्युम्न प्रसाद (अभिसूचना शाखा), मुख्य आरक्षी सुमन कुमार सिंह (न्यायालय सुरक्षा), स्वीपर सीता देवी (पुलिस लाइन) तथा अर्दली प्यून उमेश चन्द्र पाण्डेय

(पुलिस लाइन) को स्मृति चिन्ह एवं फोटो फ्रेम भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी सेवानिवृत्त कार्मिकों ने अपने सेवाकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन एवं जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण का परिचय दिया है। उनकी निष्ठापूर्ण सेवाओं ने विभाग की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इन सभी का कार्य एवं समर्पण पुलिस विभाग के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। समारोह के अंत में सभी सेवानिवृत्त कार्मिकों के स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

न्यायालय का नामः न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी।

क्षेत्राधिकारः बाराबंकी, उत्तर प्रदेश।

सार्वजनिक सूचना (न्यायिक विज्ञप्ति)

विषयः- विचाराधीन वाद पत्रावली की कार्यवाही की सूचना एवं सम्मन / नोटिस के प्रकाशन के सम्बन्ध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रभारी निरीक्षक थाना जहाँगीराबाद, बाराबंकी के रिपोर्ट के आधार पर न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी पर प्रतिवादी संजय सिंह सिंघला पुत्र स्व0 पुरूषोत्तम दास सिंघला नि0 म0नं0 624वी/ 159 विजईपुर विशेष खण्ड-2 गोमती नगर लखनऊ के विरूद्ध धारा 14 (1) अधिनियमः गिरोह बन्द एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार वाद विचाराधीन है-

क्र.	वाद संख्या/वर्ष	वाद में संदर्भित सम्पत्ति का विवरण
1	डी0 202204120001722	ग्राम गदिया परगना देवा तहसील नवाबगंज जनपद बाराबंकी स्थित भूमि खाता संख्या 608 गाटा संख्या 2708 रकबा 0.7504 हे0
2	डी0 202204120002597	दुकान नं0 14 व 16 स्थित के0डी0टी0प्लाजा रामराम बैंक चौराहा अलीगंज लखनऊ।
3	डी0 202204120001748	गाट संख्या 236 में रजि0 संख्या 13621/10.10.2011 क्षे0 381.04 वर्गमीटर व रजि0 सं0 14613/18.08.2012 क्षे0 259.293 वर्गमीटर व रजि0 संख्या 12937/21.08.2012 क्षे0 461.152 वर्गमीटर स्थित ग्राम विजईपुर शहर लखनऊ
4	डी0 202204120001746	गाटा संख्या 236 मि0 रकबा 0.0250 हे0 व गाटा संख्या 236 मि0 रकबा 0.0900 हे0 व गाटा संख्या 327 रकबा 0.1310हे0 व गाटा संख्या 287/2मि0 रकबा 0.2810हे0 व गाटा संख्या 288मि0 रकबा 0.5980 हे0 व गाटा संख्या 284 मि0 रकबा 0.0012हे0 व गाटा संख्या 285/1 मि0 रकबा 0.0720हे0, गाटा संख्या 285/2 मि0 रकबा 0.1640हे0, 286 मि0 रकबा 0.1010 हे0, गाटा संख्या 291मि0 रकबा 0.0410हे0, गाटा संख्या 292 मि0 रकबा 0.0410हे0 कुल 11 किता कुल रकबा 1.5452हे0 स्थित ग्राम भूहेरा परगना देवा तहसील नवाबगंज जनपद बाराबंकी
5	डी0 202204120003282	गाटा संख्या 156 अ व गाटा संख्या 156ब रकबा 1006.9865 वर्गमीटर स्थित ग्राम हांसेमऊ तह0 व परगना व जिला लखनऊ
6	डी0 202304120001315	गाटा संख्या 930स रकबा 1.4112हे0 का आंशिक भाग रकबा 185.87 वर्ग मीटर स्थित ग्राम भरवारा तहसील सदर जनपद लखनऊ।

अतएव प्रश्नगत विचाराधीन वाद में कुर्क की गयी सम्पत्तियों के विधिसंगत निस्तारण/नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही संचालित करने हेतु सूचित किया जाता है कि वाद में संदर्भित उपरोक्त सम्पत्तियों के संदर्भ में यदि आपको कुछ कहना है / अभ्यावेदन प्रस्तुत करना है तो नियत तिथि 16-07-2026 दिन वृहस्पतिवार के पूर्वाह्न 10:00 बजे न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि नियत तिथि पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं, तो वाद की कार्यवाही आपके अनुपस्थिति में एकपक्षीय (Ex-parte) के रूप में आगे बढाई जाएगी और अंतिम निर्णय पारित कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, वाद से सम्बंधित विस्तृत विवरण न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी में पत्रावली देखकर किया जा सकता है।

दिनांकः 29 जून, 2026

स्थानः न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट, बाराबंकी। हस्ताक्षर / मुहर

29 रेल कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक दी गई विदाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन की अध्यक्षता में मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाराणसी के प्रेमचंद सभागार में सेवानिवृत्त होने वाले विभिन्न विभागों के 02 अधिकारियों एवं 27 कर्मचारियों सहित कुल 29 रेल कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके समापक देयों का भुगतान किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अभिनव कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री राजेश कुमार सहित लेखा एवं कार्मिक विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी भी कर्मचारी के दीर्घ, समर्पित एवं सफल सेवाकाल का गौरवपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी कार्यकुशलता, निष्ठा और सकारात्मक दृष्टिकोण से वाराणसी

मंडल की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विशेष रूप से जनसम्पर्क अधिकारी श्री अशोक कुमार के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जनसम्पर्क अधिकारी की भूमिका केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं होती, बल्कि रेलवे और समाज के बीच विश्वास का सेतु बनाने की भी होती है। श्री अशोक कुमार ने अपने पूरे सेवाकाल में मीडिया के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करते हुए रेलवे की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं यात्री सुविधाओं को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनका धैर्य, संतुलित दृष्टिकोण एवं त्वरित निर्णय क्षमता सदैव प्रेरणादायी रही। उनकी कार्यनिष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन तथा टीम भावना ने सहकर्मियों के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा मेडल, पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ), मेडिकल कार्ड प्रदान कर पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सक्रिय जीवन की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने अनुभवों का लाभ परिवार, समाज एवं राष्ट्रहित में आगे भी देते रहें। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री राजेश कुमार ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने अनुभव, ऊर्जा एवं सकारात्मक सोच के साथ जीवन के इस नए चरण को भी सफल एवं आनंदमय बनाएंगे। उन्होंने वाराणसी मंडल रेल परिवार की ओर से सभी के अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि वाराणसी मंडल के कार्मिक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों से सेवानिवृत्ति के दिन ही रिक्त हुए पदों पर वरीयता क्रम के अनुसार 18 कर्मचारियों को पदोन्नति पत्र प्रदान किए गए। यह पदोन्नति पत्र सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हाथों वितरित कर कार्यक्रम को और भी भावनात्मक एवं प्रेरणादायी बनाया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद खैराबाद (सीतापुर)

पत्रांक-390/ न0पा0प0 खैराबाद दिनांक 29.06.2026

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन

नगर पालिका परिषद खैराबाद द्वारा निम्नलिखित सामग्री हेतु रजिस्टर्ड फर्मों /ठेकेदारों से मोहर बंद निविदायें पालिका में रखे टेण्टर बाक्स में दिनांक 10.07.2025 को दोपहर 02:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते है। जो उसी दिन फर्मदाताओं के समक्ष 04:00 बजे सायं सक्षम अधिकारी के द्वारा खोले जायेंगे। टेण्डर फार्म दिनांक 09.07.2025 को पालिका में निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। सर्शत एवं निर्धारित समय उपरान्त प्राप्त निविदाओं पर विचार करना सम्भव न होगा। निविदा के साथ निर्धारित जमानत राशि नकद के रूप में पालिका में जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा के स्वीकृत/अस्वीकृत /निरस्त करने का अधिकार सक्षम नगर पालिका परिषद खैराबाद में निहित है। विस्तृत विवरण किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। अन्य शर्ते कार्यालय दिवस में सम्बन्धित पटल पर देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	जमानत धनराशि	एक कुन्टल का मूल्य	निविदा मूल्य	आपूर्ति का समय
1. 2. 3.	भूसा हराचारा दाना/चोकर	20000.00		500	नियम एवं शर्त के अनुसार

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद खैराबाद
सीतापुर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद खैराबाद
सीतापुर

किराए के मकान में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

महिंगवा क्षेत्र के पहाड़पुर गांव की घटना, पुलिस ने दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ। महिंगवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में मंगलवार सुबह किराए के मकान में रह रहे एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

सीतापुर जनपद के अटरिया थाना क्षेत्र स्थित लम्बापुरवा गांव निवासी बबलू (30) महिंगवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में अमर सिंह यादव के मकान में पत्नी सरिता के साथ किराये पर रहकर मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह उसने कमरे में लगे छल्ले से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं

मृतक फाइल फोटो

खुलने पर परिजनों और आसपास के लोगों को आशंका हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची, जहां बबलू का शव फंदे से लटका मिला।

मृतक की पत्नी सरिता ने बताया कि वह और उसके पति सोमवार को अपने पैतृक गांव लम्बापुरवा गए थे। मंगलवार सुबह दोनों वापस पहाड़पुर लौटे थे। इसके बाद वह नमकीन फैक्ट्री में ड्यूटी करने चली गई, जबकि बबलू घर पर ही था। इसी दौरान उसने यह कदम उठा लिया।सरिता के अनुसार, सोमवार को परिवार में किसी बात को लेकर बबलू का विवाद हुआ था, जिसके बाद वह मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। दंपती के दो बच्चे हैं। छह वर्षीय बेटी छनछन और तीन वर्षीय पुत्र अंश फिलहाल पैतृक गांव में बड़े भाई संतोष के पास रह रहे हैं।महिंगवा थाना प्रभारी राधेश्याम मौर्य ने बताया कि मृतक के पिता मथुरा की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा में सुधा लाने के लिए प्रतिबद्ध : पार्थ सारथी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'टीएलपीएस रिपोर्ट-2025' का विमोचन किया और इस अवसर पर 'पॉलिसी टू प्रैक्टिस' संवाद में शिक्षकों के साथ सीधे बातचीत की गई।

इस अवसर पर पार्थ सारथी सेन शर्मा ने स्कूल चलो अभियान, नियमित उपस्थिति, कैच-अप लर्निंग, निपुण लक्ष्य और प्रभावी शिक्षण पर स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा सुधार केवल नीतियां बनाने से संभव नहीं होगा, बल्कि प्रत्येक शिक्षक द्वारा कक्षा-कक्ष में अपनाई जाने वाली शिक्षण पद्धति से वास्तविक परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण आधार बच्चों का जुड़ाव है। शिक्षकों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार नवाचार अपनाते हुए प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचानी होगी। एक जुलाई से शुरू हो रहे स्कूल चलो अभियान में तीन साल से अधिक उम्र के किसी भी बच्चे को बाल वाटिका से बाहर नहीं रहना चाहिए और छह साल से अधिक उम्र के किसी भी बच्चे को स्कूल से बाहर नहीं रहना चाहिए। कक्षा 05 से 06, 08 से 09 और 10 से 11 में नामांकन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित शिक्षकों को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बच्चों की नियमित उपस्थिति आवश्यक है। यदि कोई बच्चा लगातार अनुपस्थित रहता है, तो उसके माता-पिता से संपर्क करके उसे स्कूल से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। सत्र की शुरुआत से ही कैच-अप लर्निंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि सीखने में अंतर वाले बच्चों को अतिरिक्त शैक्षणिक सहायता मिल सके। निपुण उत्तर प्रदेश का दायरा अब कक्षा 01 और 02 से बढ़ाकर कक्षा 03 से 05 तक किया जा रहा है। शिक्षकों को निपुण लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करनी चाहिए, परिणामों का विश्लेषण करना चाहिए और उन्हें अभिभावकों के साथ साझा करना चाहिए। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण परख के निष्कर्षों के अनुसार, लेखन कौशल में सुधार की व्यापक आवश्यकता है। शिक्षकों को प्रतिदिन स्वतंत्र पठन और स्वतंत्र लेखन को बढ़ावा देना चाहिए। बच्चों को अपने विचार स्वतंत्र रूप से लिखने का अवसर दिया जाना चाहिए, जिससे उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच का विकास हो सके। होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए और अभिभावकों के साथ नियमित रूप से जानकारी साझा की जानी चाहिए। विद्यालय प्रबंधन समिति और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी शिक्षा सुधार का महत्वपूर्ण आधार है। शिक्षक संकुल बैठकों को अनुभव साझा करने का मंच बनाया जाना चाहिए, जहां शिक्षक अपनी सफल शिक्षण विधियां, नवाचार और व्यावहारिक अनुभव साझा कर सकें। 15 जून को जारी विभागीय पत्र में उल्लिखित दस प्रमुख शिक्षण बिंदुओं पर प्रत्येक शिक्षक संकुल बैठक में विस्तार से चर्चा की जानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पैनल चर्चा में कक्षा-कक्षीय शिक्षण को मजबूत बनाने, दस प्रभावी शिक्षण अभ्यासों, सहायक पर्यवेक्षण, निपुण सूची एवं तालिका के प्रभावी उपयोग तथा मध्य स्तरीय शैक्षणिक नेतृत्व की भूमिका पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों ने विद्यालयों में किए गए नवाचारों, पठन अभियान तथा निपुण कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के अनुभव भी साझा किए।

जन्मदिन पर जरूरतमंदों के बीच बांटी खुशियां

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी अब्दुल वहीद ने अपना 52वां जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने केजीएमयू में भर्ती मरीजों के तीमारदारों एवं बच्चों के बीच भोजन, फल और उपहार वितरित किए। अब्दुल वहीद ने बताया कि उन्होंने रैन बसेरे के लिए एक बड़ा वाटर कूलर भेंट किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 52 पौधे लगाने का संकल्प लिया।

धारदार हथियार से हमला, मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कटे भीट स्थित एक गिट्टी प्लांट पर सोमवार दोपहर चालक और कंडक्टर के साथ पुरानी रंजिश को लेकर हमला कर दिया जिसमें ड्राइवर को गंभीर चोटें आई कंडक्टर बचाने आया उसको भी मारपीट कर घायल कर दिया। वही पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक मोहनलालगंज के टिकरा कल्ली पूरब गांव निवासी श्यामलाल पुत्र श्रीराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार दोपहर वह अपने कंडक्टर सूरज पुत्र राम आसरे के साथ कटे भीट स्थित गिट्टी प्लांट पर वाहन खाली कर रहा था। इसी दौरान अनस, अंश कुशवाहा तथा उनके अन्य साथी दो वाहनों से मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया।आरोप है कि हमलावरों के हाथों में बांका और लोहे की रॉड थी। हमले में श्यामलाल के दाहिने हाथ में गहरा कट लग गया, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे कंडक्टर सूरज को भी गंभीर चोटें आईं। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।पीड़ित की तहरीर के आधार पर मोहनलालगंज पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।इंस्पेक्टर मोहनलालगंज ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है और जल्द ही आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डिलीवरी कर्मियों पर मारपीट और जानलेवा हमले का आरोप

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी के चिनहट कोतवाली क्षेत्र में एक ऑनलाइन फूड डिलीवरी को लेकर विवाद के बाद ब्लिंकिट के डिलीवरी कर्मियों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरिनगर कॉलोनी, सेमरा निवासी चंद्रशेखर मौर्य के अनुसार, रात करीब 8:45 बजे उन्होंने ऑनलाइन ऑर्डर किया था। आरोप है कि डिलीवरी नहीं होने के बावजूद ऑर्डर को डिलीवर मार्क कर दिया गया। शिकायत के लिए जब वह नजदीकी ब्लिंकिट स्टोर पहुंचे तो वहां मौजूद स्टोर मैनेजर ने उनकी आईडी ब्लॉक कर दी। पीड़ित का आरोप है कि इसी दौरान डिलीवरी पार्टनर दीपक राजपूत, सुनील और उनके साथ आए करीब दस अन्य लोगों ने उनके तथा उनके भाई के साथ मारपीट की। आरोपियों ने कथित रूप से जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि वे उनके घर का पता जानते हैं और उन्हें नहीं छोड़ेंगे। किसी तरह वहां से भागकर दोनों ने अपनी जान बचाई। पीड़ित ने मामले की सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सीलिंग-नोटिस के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : लखनऊ व्यापार मंडल

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अलीगंज में हुए अग्निकांड के बाद विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे जांच एवं कार्रवाई अभियान के बीच व्यापारियों में बढ़ते असंतोष को लेकर मंगलवार को लखनऊ व्यापार मंडल ने व्यापार भवन, लाटूश रोड स्थित कार्यालय में प्रेस वार्ता की। संगठन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सीलिंग और नोटिस का डर दिखाकर व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र और प्रमुख वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए), आवास विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की कार्रवाई से व्यापारियों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। सुरक्षा मानकों के पालन के नाम पर यदि एकतरफा कार्रवाई की जाएगी तो इसका संगठन पुरजोर विरोध करेगा। उपस्थित व्यापारियों ने एक स्वर में कहा कि यदि एकतरफा कार्रवाई नहीं रुकी तो लखनऊ व्यापार मंडल आंदोलन के लिए बाध्य होगा एवं आवश्यकता पड़ने पर व्यापारी अपनी दुकानें बंद कर चाबियां प्रशासन को सौंपते हुए सड़क पर धरना देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

फर्जी बैनामों के जरिए करोड़ों की जमीन हड़पने की साजिश का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ कई लोग नामजद, उच्चस्तरीय जांच की मांग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन के कथित फर्जीवाड़े का एक गंभीर मामला सामने आया है। प्रसादी सेवा संस्थान की अध्यक्ष रेनू रावत ने मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव, राजस्व परिषद, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस महानिदेशक, पुलिस आयुक्त सहित कई उच्चाधिकारियों को विस्तृत प्रार्थना पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि ग्राम पारा, परगना एवं तहसील लखनऊ स्थित खाता संख्या-568 (रकबा 0.582 हेक्टेयर), खाता संख्या-569 (रकबा 0.392 हेक्टेयर) तथा खाता संख्या-570 (रकबा 0.354 हेक्टेयर) की करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि को सुनियोजित तरीके से फर्जी दस्तावेज तैयार कर कई बार बैनामा कर कब्जाने का प्रयास किया गया। शिकायत के अनुसार, उक्त भूमि से संबंधित अभिलेखों के आधार पर वर्ष 2002 में एक बैनामा किया गया था। इसके बाद कथित रूप से फर्जी फोटो, जाली अंगूठे के निशान और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर उसी भूमि के कई और बैनामे करा दिए गए। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि अनुसूचित जाति की भूमि का हस्तांतरण बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के किया गया, जिससे पूरा बैनामा अवैध एवं शून्य हो जाता है। शिकायतकर्ता का दावा है। कि फोरेंसिक जांच में बैनामे पर लगी फोटो और अंगूठे के निशानों में गंभीर विसंगतियां सामने आईं तथा दस्तावेजों में वास्तविक व्यक्तियों की पहचान छिपाकर फर्जीवाड़ा किया गया। शिकायत में राजेन्द्र कुमार सहित कई लोगों को नामजद करते हुए आरोप लगाया गया है। कि इन लोगों ने मिलकर एक संगठित गिरोह बनाकर जमीन को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर अलग-अलग व्यक्तियों के नाम बार-बार बैनामे कराए, ताकि पूरे फर्जीवाड़े को वैध रूप दिया जा सके। प्रार्थना पत्र में ये भी उल्लेख है। कि 18 फरवरी 2026 को मीरा देवी पत्नी नरेंद्र सिंह, राहुल पुत्र नरेंद्र सिंह, आकाश पुत्र नरेंद्र सिंह, विष्णु देवी सहित अन्य लोगों के पक्ष में अलग-अलग बैनामे कराए गए। शिकायतकर्ता का आरोप है। कि उपनिबंधक कार्यालय में विभिन्न बही, जिल्द एवं क्रमांक पर कई बैनामे दर्ज किए गए, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। रेनू रावत ने पूरे मामले की एसआईटी अथवा किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने, सभी कथित फर्जी बैनामों को निरस्त करने, दोषियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी करने तथा शिकायतकर्ता एवं गवाहों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

लखनऊ मंडल के 67 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के 67 रेल कर्मचारी मंगलवार को अपनी समर्पित रेल सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गये । इस अवसर पर मंडल कार्यालय के सभागार में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी को समापक भुगतान प्रपत्र प्रदान किए गए।

शुभारंभ मंडल कार्मिक अधिकारी रमेश चंद्र बैरवा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वागत से किया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अरिमा भट्टनागर ने सभी कर्मचारियों को समापक भुगतान प्रपत्र प्रदान किए एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों की निष्ठापूर्ण सेवाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना की।

विपक्ष राम के अस्तित्व पर सवाल उठाता था, अब श्रद्धा में सेंध लगा रहा है: शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफ़ेरी के आरोपों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि चढ़ावे पर सवाल उठाने वाले वही लोग हैं जो राम के अस्तित्व को चुनौती देते थे और राम मंदिर आंदोलन से दूर रहे थे। दिनेश शर्मा ने कहा कि ये वे लोग हैं जो राम मंदिर आंदोलन में शामिल नहीं हुए थे। इनका आंदोलन से कोई संबंध नहीं रहा। श्रद्धा में इनका कोई योगदान नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि ''राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कम करने के लिए'' ऐसे बयान दे रहा है। भाजपा सांसद ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा, ''कांग्रेस के शीर्ष नेता आज तक वहां नहीं गए हैं। इनके मन में श्रद्धा का तर्पण करने की साजिश है।'' उनका इशारा राहुल गांधी और सोनिया गांधी के अब तक अयोध्या न जाने की तरफ था। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत विपक्षी नेता राम मंदिर ट्रस्ट के चढ़ावे में गड़बड़ी का आरोप लगा रहे हैं। अजय राय को पुलिस हिरासत में लेने के बाद उनकी पत्नी रीना राय ने भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी मामले में पारदर्शिता की मांग की थी। अब भाजपा ने मोर्चा संभालते हुए इसे ''राम विरोधी मानसिकता'' करार दिया है। दिनेश शर्मा का बयान विपक्ष के आरोपों पर भाजपा का अब तक का सबसे आक्रामक जवाब माना जा रहा है। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि चढ़ावे का पूरा हिसाब-किताब पारदर्शी तरीके से रखा जा रहा है और ऑडिट भी होता है। ट्रस्ट ने आरोपों को ''राजनीति से प्रेरित'' बताया है।

अखिलेश के जन्मदिन पर पीडीए महिला सम्मान समारोह आयोजित

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार को उत्तर विधानसभा क्षेत्र में जानकीपुरम स्थित मनसा लॉन में पीडीए महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया एवं क्षेत्र की जरूरतमंद महिलाओं में साड़ियां वितरित की गई। समारोह में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने अखिलेश यादव के जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में सामाजिक न्याय, महिला सम्मान और पीडीए की अवधारणा को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम की प्रभारी एवं उत्तर विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला ने कहा कि महिलाओं का सम्मान किसी भी समाज की सबसे बड़ी पहचान है। समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, सम्मानित महिलाओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अखिलेश यादव के जन्मदिन की खुशियां मनाईं। इस दौरान ललित तिवारी, शैलेंद्र वर्मा, दिनेश यादव, मो हमजा व जगलाल यादव मौजूद थे।

ई-रिक्शा सवार महिलाओं से चेन लूटने वाला गिरोह गिरफ्तार

पुलिस नें तीन महिलाओं के कब्जे से सोने की चेन की बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मलिहाबाद/लखनऊ। मलिहाबाद पुलिस ने ई-रिक्शा में सफर कर रही महिलाओं को निशाना बनाकर सोने की चेन लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन महिला अभियुक्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 10 ग्राम वजन की लूटी गई सोने की चेन बरामद की है। पुलिस के अनुसार 28 जून को पीड़िता संगीता यादव ने थाना मलिहाबाद में तहरीर देकर बताया था कि वह ई-रिक्शा से यात्रा कर रही थीं। इसी दौरान साथ बैठी तीन महिलाओं ने बातचीत में उलझाकर उनके गले से सोने की चेन काट ली और मौके से फरार हो गईं। पीड़िता की शिकायत पर थाना मलिहाबाद में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार संदिग्धों की तलाश में जुटी थी। मंगलवार को बड़ी गढ़ी मोड़, मोहन तिराहा के पास चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर तीनों महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपित महिलाओं ने वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि वे ई-रिक्शा में महिलाओं को निशाना बनाकर पहले बातचीत में उलझाती थीं और मौका मिलते ही उनके गले से चेन काट लेती थीं। वारदात के बाद पहचान छिपाने के लिए कपड़े बदलकर मजदूर के वेश में निकल जाती थीं। गिरफ्तार अभियुक्ताओं की पहचान भुल्ली देवी (50), निर्मा देवी (30) तथा संजू उर्फ राजकुमारी (30) के रूप में हुई है। तीनों संतकबीर नगर जिले की रहने वाली हैं और

मजदूरी का काम करती हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से एक पीली धातु की सोने की चेन लगभग 10 ग्राम बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्ताओं के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

घर के बाहर खड़ी कार में धमाके के साथ लगी आग, युवक ने जताई साज़िश की आशंका

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दुबग्गा, लखनऊ। कोतवाली क्षेत्र के बाजनगर (अमेठिया सलेमपुर) में घर के बाहर खड़ी एक मारुति ईको कार में देर रात अचानक धमाके के साथ भीषण आग लग गई। इस हादसे में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पीड़ित युवक ने इसे सुनियोजित साज़िश बताते हुए पुलिस से एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बाजनगर निवासी मो. जैद ने बताया कि उन्होंने 7 जून की रात करीब 9 बजे अपनी ईको कार (ठ्घ्32 द्दह्ठ 6525) घर के गेट के पास खड़ी की थी। रात करीब 2 बजे अचानक तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। बाहर निकलकर देखा तो कार धू-धू कर जल रही थी। ग्रामीणों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह जल चुका था।

पीड़ित का कहना है कि इससे पहले भी उनकी एक गाड़ी संदिग्ध परिस्थितियों में जल चुकी थी। उस समय उन्होंने इसे शॉर्ट सर्किट मानकर किसी पर संदेह नहीं किया, लेकिन दूसरी घटना के बाद उन्हें विश्वास हो गया कि उनकी गाड़ियों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उनका दावा है कि इस बार कार पर पेट्रोल डालकर आग लगाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के दौरान पड़ोसियों के विरोध और शोर मचाने पर कुछ लोग मौके से भागते हुए दिखाई दिए। पीड़ित ने अपनी तहरीर और बयान में कई लोगों के नाम दर्ज कराते हुए कुछ दबंग ठेकेदारों पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है।

मो. जैद का यह भी आरोप है कि पहली घटना के समय पुलिस ने उनकी शिकायत पर न तो मुकदमा दर्ज किया और न ही कोई प्रभावी कार्रवाई की। उनका कहना है कि दूसरी घटना के बाद भी कई दिनों तक उन्हें थाने के चक्कर लगवाए गए और मामला दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उन्होंने न्याय की मांग को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (सीएम पोर्टल) पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

विकास खंड मछरेहटा के ग्राम पंचायत कंदुवापुर में विकास कार्यों में वित्तीय अनियमितता के आरोप

❒ ग्रामीणों ने अधिकारियों से की उच्चस्तरीय जांच की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मछरेहटा, सीतापुर। विकास खंड मछरेहटा अंतर्गत ग्राम पंचायत कंदुवापुर में लोकधन के दुरुपयोग एवं विकास कार्यों में गंभीर अनियमितताओं के आरोप प्रकाश में आए हैं। स्थानीय नागरिकों द्वारा प्रस्तुत तथ्यों के अनुसार पंचायत स्तर पर स्वीकृत धनराशि का भुगतान ऐसे कार्यों हेतु किया गया है जिनका भौतिक सत्यापन मौके पर नहीं पाया गया।

मुख्य बिंदु

1. भौतिक सत्यापन का अभाव*: आरोप है कि सक्षम अधिकारी द्वारा बिना कार्यस्थल के निरीक्षण, तकनीकी मूल्यांकन एवं नियमानुसार सत्यापन के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गई, जो वित्तीय नियमों एवं पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है।

2. पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व : संविधान के अनुच्छेद 243कक के अंतर्गत पंचायतों को आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय की योजनाएं तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है। उक्त प्रकरण में लोक सेवकों द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही के गंभीर संकेत मिले हैं।

3. प्रशासनिक जवाबदेही : ग्रामीणों ने प्रश्न उठाया है कि भुगतान प्रक्रिया में संलिप्त सक्षम अधिकारी एवं कर्मचारी किस आधार पर बिलों का अनुमोदन कर रहे थे। यह आचरण लोक सेवक आचरण नियमावली के विपरीत प्रतीत होता है।

नागरिकों की मांग

ग्रामवासियों द्वारा जिलाधिकारी से इस संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने तथा दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की मांग की गई है।

सामुदायिक शौचालय की रंगाई पुताई करवाकर मरम्मत के नाम पर लाखों की रकम डकार गए प्रधान

परसेंडी, सीतापुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खण्ड परसेंडी हमेशा भ्रष्टाचार की सुर्खियों में रहता है,इसी क्रम में खदनिया ग्राम पंचायत में सचिव व ग्राम प्रधान ने शौचालय मरम्मत के नाम पर लाखों का भ्रष्टाचार किया है।ग्राम पंचायत खदनियां में बने सामुदायिक शौचालय को प्रधान ने रंगाई पुताई करवाकर 91442(इक्यानब्बे हजार चार सौ बयालिस)रुपए निकाल कर बड़े पैमाने पर शासकीय धनराशि का भुगतान कर भ्रष्टाचार किया है।ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया शौचालय पहले से बना था जिसकी रंगाई पुताई करवाकर ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव ने मिलकर लाखों रुपए निकाल लिए हैं जो एक बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत में और भी बहुत सारे कार्य हुए है जो सिर्फ कागजो तक ही सीमित हैं जो जमीनी स्तर पर नहीं कराए गए हैं।

फसल अवशेष प्रबंधन एवं ग्रामीण उद्यमिता विकास पर कार्यशाला सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिया, सीतापुर में ''फसल अवशेष प्रबंधन पर किसान जागरूकता एवं ग्रामीण स्तर उद्यमिता विकास कार्यशाला'' का आयोजन ग्रांट थॉर्नटन, जीआईजेड एवं जीपीएस के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य किसानों एवं ग्रामीण महिलाओं को फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा कृषि अपशिष्ट आधारित उद्यमिता के अवसरों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अनूप कुमार दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर- सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ ने कहा कि फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उपयोग मृदा स्वास्थ्य सुधार, जैविक कार्बन संवर्धन, मल्चिंग, पशु चारा एवं अन्य उत्पादक गतिविधियों में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों का वैज्ञानिक प्रबंधन ही टिकाऊ कृषि का आधार है, जिससे मृदा की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण तथा किसानों की आय–तीनों को लाभ मिलता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि व्यवस्था के लिए फसल अवशेषों का वैज्ञानिक प्रबंधन समय की आवश्यकता है और किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए निरंतर जागरूक किया जाना चाहिए। ग्रांट थॉर्नटन के सलाहकार अंकित कुमार,प्रसून सादुखा एवं रविकांत ने फसल अवशेषों से , बायोचार तथा अन्य मूल्यवर्धित उद्यमों (पराली की गांठ बनाकर बेचना)की संभावनाओं पर प्रकाश डाला एवं पंचायत स्तर पर सीआरएम संबंधित सरकारी योजनाओं का सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया।

तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आनंद सिंह, डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. रीमा, डॉ. शुभम सिंह राठौर तथा कृषि तपोभूमि फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रोहित सिंह ने फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन एक्स सीटू , पशु चारा, मृदा स्वास्थ्य, जैविक संसाधनों के समुचित उपयोग एवं ग्रामीण उद्यमिता की संभावनाओं पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में 105 प्रगति शील किसानों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से संवाद कर फसल अवशेष प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा कृषि आधारित उद्यमिता से संबंधित उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

शोपीस बने शराब ठेकों के सीसीटीवी कैमरे, क्या प्रशासन को नहीं परवाह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। नगर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सरकार द्वारा सभी देशी शराब ठेकों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए थे। सरकार की मंशा थी कि इन कैमरों के जरिए दुकानों पर होने वाली हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। लेकिन, स्थानीय स्तर पर अधिकारियों की घोर लापरवाही के चलते आज यह कैमरे सिर्फ 'शोपीस' बनकर रह गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से ये कैमरे लगाए गए हैं, तब से आज तक किसी भी प्रशासनिक या आबकारी अधिकारी ने इनकी फुटेज को चेक करने की जहमत नहीं उठाई। कैमरों की रिकॉर्डिंग चालू है या नहीं, या फिर इनमें क्या रिकॉर्ड हो रहा है, इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। निगरानी के अभाव में लाखों रुपये का यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से बेअसर साबित हो रहा है।

इस लापरवाही का सबसे गंभीर और चिंताजनक पहलू यह है कि क्षेत्र के कुछ शराब ठेकों पर 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिग बच्चे भी बेखौफ होकर शराब खरीदते देखे जा चुके हैं। कानूनन नाबालिगों को शराब बेचना एक गंभीर अपराध है। यदि प्रशासन इन ठेकों की सीसीटीवी फुटेज की निष्पक्षता से जांच करे, तो इस बात की सौ फीसदी पुष्टि हो सकती है और दोषी दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

जागरूक नागरिकों का मानना है कि मामला सिर्फ नाबालिगों को शराब परोसने तक ही सीमित नहीं है। यदि आबकारी और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से इन सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की नियमित चेकिंग शुरू कर दे, तो ठेकों के आसपास होने वाली अन्य अनैतिक और संदिग्ध गतिविधियों का भी पर्दाफाश हो सकता है। देर रात तक ठेकों के बाहर लगने वाला जमघट, ओवररेटिंग (तय दाम से अधिक वसूली) और मिलावटी शराब की बिक्री जैसे मामलों पर भी आसानी से लगाम लगाई जा सकती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार ने जिस उद्देश्य से कैमरे लगवाए थे, क्या अधिकारी उसे पूरा करना ही नहीं चाहते? क्या किसी बड़ी घटना या हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद टूटेगी? स्थानीय जनता ने जिला प्रशासन और आबकारी कमिश्नर से मांग की है कि महमूदाबाद के सभी शराब ठेकों के कैमरों का औचक निरीक्षण किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों के लाइसेंस तुरंत निरस्त किए जाएं।

किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना तिलहर पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने, उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। 11 जून को थाना तिलहर पुलिस को तहरीर देकर एक महिला ने गांव घुसवारी निवासी अंकित पुत्र महेश के खिलाफ 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला फुसला भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी क्रम में पुलिस ने अपहृत किशोरी को बरामद किया और उसकी मेडिकल रिपोर्ट तथा बयानों के आधार पर दर्ज मुकदमें में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट आदि की धाराओं में वृद्धि की। पुलिस को नामजद अभियुक्त की तलाश में थी। इसी दौरान आज पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि उक्त मुकदमें का वांछित अभियुक्त बंथरा रेलवे ओवरब्रिज के पास खड़ा है। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और वांछित अभियुक्त अंकित पुत्र महेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना तिलहर के प्रभारी निरीक्षक प्रिंस शर्मा के साथ उपनिरीक्षक सौरभ शुक्ला आदि मौजूद रहे।

रेवान में अधूरा बना नाला ग्रामीणों के लिये परेशानी का सबब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जहंगीराबाद, सीतापुर । सकरन विकास खण्ड के रेवान ग्राम पंचायत में गांव की नालियों के पानी की सही निकास न होने से नालियों का पानी घरों के सामने रास्तों पर भर रहा है जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने इस सम्बन्ध में खंड विकास अधिकारी को लिखित प्रार्थना पत्र देकर जल्द ही इस समस्या का समाधान कराये जाने की मांग की है।

ग्रामीण वेंकटेश, विनय, सहजराम, विपिन, शिवसरन व अजय आदि ने बताया कि बहुत समय पहले से गांव की नालियों का पानी रेवान प्राथमिक विद्यालय के पूरब स्थित तालाब में जाता था लेकिन इसी पंचवर्षीय काल में ग्राम प्रधान द्वारा नालियों का पानी उस तालाब में न गिराकर गांव से पूरब स्थित एक गड्ढे (गड़ही) में ले जाने के लिए सड़क किनारे नाले का निर्माण कराया गया लेकिन वह नाला गड्ढे तक न ले जाकर बीच में ही छोड़ दिया गया जिससे नाले से निकलने वाला पानी रास्तों पर भरने लगा।

नाला व नालियों की सफाई न होने से कूड़ा करकट भरा हुआ है जिससे नालियों का पानी गांव के अंदर ग्रामीणों के घरों के सामने रास्तों पर भर रहा है जिससे आवागमन में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। गांव के तमाम बाशिंदों ने नालियां ऊंची कराये जाने तथा नालियों की सफाई कराकर पानी की निकासी सुनिश्चित कराये जाने की मांग की है जिससे घरों के सामने तथा रास्तों पर जल भराव से मुक्ति मिल सके।

इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान अवधराम निर्मल ने बताया कि ग्राम पंचायत विकास अधिकारी मेरी कोई बात न सुनकर मनमानी करते हैं। कभी कभार ही जब कोई विशेष काम होता है तभी ग्राम पंचायत में आते हैं। वैसे उनका काम मुंशी करते हैं। ग्राम विकास अधिकारी शशिकांत तिवारी ने बताया कि नाला सड़क के दूसरी ओर बना है जबकि गड़ही जहां नाले का पानी जाना है वह दूसरी ओर है जिससे यह समस्या है। जल्द ही पीडब्ल्यूडी वालों से बात कर रोड क्रॉस कराकर आगे नाले का निर्माण कराया जायेगा। नालियों की सफाई न होने से रास्तों पर भर रहे गंदे पानी के बारे में उन्होंने बताया कि यह सब एडीओ पंचायत देखते हैं।

एसपी खीरी ने इंस्पेक्टर शिवाजी दुबे पर फिर जताया भरोसा, पलिया कोतवाली की सौंपी जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद में पुलिस विभाग के हालिया तबादलों के बीच एक बार फिर इंस्पेक्टर शिवाजी दुबे चर्चा का केंद्र बन गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खीरी द्वारा उन्हें पलिया कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किए जाने के बाद जिले में इस फैसले को लेकर व्यापक चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस महकमे से लेकर आम लोगों तक इस नियुक्ति को अलग-अलग नजरिए से देखा जा रहा है।

इंस्पेक्टर शिवाजी दुबे इससे पहले भी जिले के कई महत्वपूर्ण थानों और कोतवालियों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। हैदराबाद, मितौली, धौरहरा सहित विभिन्न स्थानों पर तैनाती के दौरान उन्होंने कई चर्चित मामलों में कार्रवाई की और अपराध नियंत्रण को लेकर सक्रिय भूमिका निभाई। उनके समर्थकों का कहना है कि उन्होंने अपराधियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रभावी कार्य किया, जिससे अपराधियों में पुलिस का भय बना रहा। हालांकि उनके कार्यकाल के दौरान विवाद भी सामने आए। धौरहरा में तैनाती के समय क्षेत्र के कुछ लोगों द्वारा उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए थे, जिसके बाद उन्हें निलंबन का सामना भी करना पड़ा। यही वजह है कि उनकी नई नियुक्ति के बाद जिले में दो तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। एक पक्ष इसे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का उन पर दोबारा जताया गया विश्वास मान रहा है, जबकि दूसरा पक्ष पुराने विवादों और आरोपों का हवाला देकर इस फैसले पर सवाल भी उठा रहा है। पुलिस विभाग से जुड़े जानकारों का मानना है कि किसी अधिकारी को महत्वपूर्ण थाने की जिम्मेदारी सौंपना उसके अनुभव और प्रशासनिक क्षमता पर विश्वास का संकेत माना जाता है। पलिया कोतवाली सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण संवेदनशील मानी जाती है, जहां कानून-व्यवस्था बनाए रखना और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखना बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में अनुभवी अधिकारी की तैनाती को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

गोला में अतिक्रमण और जाम बना नासूर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ छोटी काशी की सड़कों पर हर दिन जाम का जंजाल, राहगीर, व्यापारी और श्रद्धालु बेहाल; प्रशासन से प्रभावी अभियान चलाने की मांग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध गोला गोकर्णनाथ नगर में अतिक्रमण और लगातार बढ़ती जाम की समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। नगर के प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों और व्यस्त चौराहों पर अवैध अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। रोजाना लगने वाले जाम से आम नागरिकों, व्यापारियों, स्कूली बच्चों, मरीजों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर की मुख्य सड़कों पर दुकानों के बाहर तक फैला सामान, अव्यवस्थित ठेले-खोमचे, सड़क किनारे खड़े वाहन और बढ़ते अतिक्रमण के कारण सड़कें लगातार संकरी होती जा रही हैं। इसका सीधा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है। सुबह से लेकर देर शाम तक कई प्रमुख स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे लोगों का समय और ईंधन दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

नगरवासियों का आरोप है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि वर्षों से बनी हुई है। समय-समय पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू तो होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। लोगों का कहना है कि स्थायी समाधान के अभाव में प्रशासनिक कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

स्थानीय नागरिकों ने यह भी सवाल उठाया है कि नगर के जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर खुलकर आवाज क्यों नहीं उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जनता ने विकास और बेहतर सुविधाओं की उम्मीद के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुना था, लेकिन अतिक्रमण और जाम जैसी मूलभूत समस्या पर उनकी सक्रियता दिखाई नहीं दे रही है। लोगों का मानना है कि यदि जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर ठोस रणनीति बनाएं तो इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

व्यापारियों का कहना है कि लगातार जाम लगने से ग्राहक बाजार आने से कतराने लगे हैं, जिससे व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। वहीं राहगीरों और वाहन चालकों का कहना है कि कई बार एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को भी जाम में फंसना पड़ता है, जिससे गंभीर परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

नगरवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गोला नगर में व्यापक स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए, सड़क किनारे अवैध कब्जों को हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए तथा अवैध पार्किंग और सड़क पर वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ भी प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही, भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए नियमित निगरानी और सख्त प्रवर्तन सुनिश्चित किया जाए।

चोरी की स्कूटी समेत बाल अपचारी को दबोचा

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना तिलहर पुलिस ने चोरी की इलेक्ट्रिक स्कूटी के साथ एक बाल अपचारी को पकड़ा है। सोमवार को एक महिला ने तिलहर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 25 जून को किसी अज्ञात चोर ने उसकी नीले रंग की इलैक्ट्रानिक स्कूटी चोरी कर ली है। थाना तिलहर पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और अज्ञात चोर व स्कूली की तलाश शुरू की। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस ने प्रकाश में आए बाल अपचारी को खैरपुर रोड पर सुल्तानपुर नहर पुलिया के पास से पकड़ा और उसके कब्जे से उक्त चोरी की गई इलेक्ट्रिक स्कूटी बिना नम्बर प्लेट की बरामद की। फिलहाल, पुलिस ने पकड़े गए बाल अपचारी के खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बाल अपचारी को निगरानी में लेने वाली पुलिस टीम में थाना तिलहर के प्रभारी निरीक्षक प्रिंस शर्मा के साथ उपनिरीक्षक रमेश कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल संजीव कुमार, कांस्टेबल वीरेन्द्र और जितेन्द्र मौजूद रहे।

नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के वांछित बाल अपचारी को पकड़ा

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना जैतीपुर पुलिस टीम ने नाबालिग किशोरी से शादी करने के उद्देश्य से उसे बहला–फुसलाकर भगा ले जाने, उसके साथ दुष्कर्म करने के वांछित एक बाल अपचारी को पकड़ लिया है। 23 जून को एक व्यक्ति ने थाना जैतीपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री से शादी करने के उद्देश्य से एक युवक बहला फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर उक्त नामज युवक के खिलाफ अपहरण आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की और अपहृता किशोरी को बरामद किया। पुलिस ने अपहृता की मेडिकल रिपोर्ट और उसके बयानों के आधार पर दर्ज रिपोर्ट में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में वृद्धि की। आज थाना जैतीपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सिउरा मोड़ तिराहे से उक्त अभियोग में वांछित युवक को पकड़ा। अभियुक्त के शैक्षिक अभिलेखों, प्रमाण–पत्रों से उसके बाल अपचारी होने की पुष्टि हुई। फिलहाल, पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी बाल अपचारी को निगरानी में लेने वाली पुलिस टीम में थाना जैतीपुर के उपनिरीक्षक रोहिताश कुमार के साथ रिक्रूट कांस्टेबल अरविन्द कुमार मौजूद रहे।

शव रख हाईवे किया जाम, फिर बरसे पत्थर; उपद्रवियों ने पुलिस को दो सौ मीटर दौड़ाया, चार घंटे थमा राष्ट्रीय राजमार्ग

रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सड़क दुर्घटना में घायल युवक की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत के बाद मंगलवार को सलोन क्षेत्र में हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब परिजनों और ग्रामीणों ने शव को रायबरेली–जौनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वन विभाग कार्यालय के सामने रखकर जाम लगा दिया। पहले मुआवजे और आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन कुछ ही देर में हिंसक हो गया। भीड़ में शामिल उपद्रवी तत्वों ने पुलिस और राहगीरों पर पथराव कर दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए और पुलिस वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। करीब चार घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग ठप रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और स्कूली बच्चों, मरीजों व यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कोतवाली क्षेत्र के खम्हरिया पूरे कुशल गांव निवासी मेवालाल सरोज (35) की पत्नी राजरानी की शिकायत पत्र के अनुसार, 28 जून की सुबह करीब 10 बजे मेवालाल साइकिल से घर लौट रहे थे। आरोप है कि राजापुर स्थित वन विभाग कार्यालय के सामने पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही शुभम सिंह उर्फ रघुराज प्रताप सिंह, लव सिंह और गुड्डू सिंह ने जानबूझकर अपनी मोटरसाइकिल से उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मेवालाल को पहले सीएचसी सलोन, फिर जिला अस्पताल, उसके बाद एम्स और अंत में लखनऊ मेडिकल ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत के बाद सोमवार देर रात सैकड़ों ग्रामीण थाने पहुंच गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया, लेकिन गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजन मंगलवार सुबह शव लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंच गए और सड़क जाम कर दी। सूचना मिलते ही सलोन, डीह, नसीराबाद, भदोखर और जगतपुर समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। उपजिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने परिजनों से वार्ता कर आर्थिक सहायता, आवासीय व कृषि पट्टा, पारिवारिक लाभ योजना सहित अन्य मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसी दौरान भीड़ में मौजूद कुछ अराजक तत्वों ने माहौल बिगाड़ दिया और पुलिस व राहगीरों पर अचानक पथराव शुरू कर दिया।पथराव इतना उग्र था कि पुलिसकर्मियों को पीछे हटना पड़ा। उपद्रवियों ने पुलिस को फायर स्टेशन तक खदेड़ा और लगातार पत्थर बरसाते रहे। घटना में सलोन कोतवाल समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि एक पुलिस वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। हालात बिगड़ने की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी महाराजगंज और सदर कोतवाल अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मध्यस्थों के जरिए मृतक की पत्नी और बेटी से वार्ता कर प्रशासन ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, आवासीय पट्टा, कृषि पट्टा, पारिवारिक लाभ योजना तथा परिवार की मांग के अनुसार एक बीघा जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन जाम समाप्त करने पर राजी हुए और करीब चार घंटे बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल हो सका।

शिक्षा से बदल रही बंदियों की जिंदगी, जेल में साक्षर बंदियों को बांटे प्रमाण–पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जिला कारागार में शिक्षा के माध्यम से बंदियों के पुनर्वास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश की प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्था शिव नादर फाउंडेशन के सहयोग से संचालित शिक्षा प्लस कार्यक्रम के तहत आज साक्षर हुए बंदियों को प्रमाण-पत्र एवं नवपंजीकृत बंदियों को अध्ययन सामग्री वितरित की गई। इस दौरान जेल अधीक्षक जेपी तिवारी ने बताया क 17 जनवरी 2026 से 06 मई 2026 तक आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य निरक्षर बंदियों को साक्षर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना तथा आत्मनिर्भर जीवन के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम के प्रथम बैच में 35 बंदियों ने पंजीकरण कराया था। उन्होंने आज प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले बंदियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। वहीं, द्वितीय बैच में पंजीकृत 30 नवीन बंदियों को पठन-पाठन किट वितरित कर उनकी शिक्षा यात्रा का शुभारंभ कराया गया। जेल अधीक्षक ने कहा कि कारागार केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और सकारात्मक परिवर्तन का केंद्र भी है। कहा कि शिक्षा वह सशक्त माध्यम है जो व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास आत्मसम्मान और नई सोच का संचार करती है। यदि कोई बंदी शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन की नई शुरुआत करना चाहता है, तो उससे बड़ा पुनर्वास कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जिला कारागार प्रशासन प्रत्येक इच्छुक बंदी तक शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बंदियों में शिक्षा के प्रति विशेष उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली। जिला कारागार प्रशासन ने शिव नादर फाउंडेशन द्वारा संचालित इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रयास बंदियों के पुनर्वास व्यक्तित्व विकास तथा समाज में सम्मानजनक पुनर्स्थापन की दिशा में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होंगे। इस दौरान जेल अधीक्षक जेपी तिवारी, शिवनादर फाउंडेशन के डिप्टी मैनेजर सीतापुर क्षेत्र से मनोज शुक्ला, सुभाष चंद्र यादव प्रभारी कारापाल, बांकेलाल उप-कारापाल, मयंक चतुर्वेदी शिक्षाध्यापक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

ट्रक से टकराई एम्बुलेंस, सिपाही की मौत पशु चिकित्सक और चालक घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना कटरा क्षेत्र में सोमवार रात पशु विभाग की एक एंबुलेंस सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में एम्बुलेंस में सवार कटरा थाने के सिपाही विकास सांगवान की मौत हो गई। जबकि पशु चिकित्सक लक्ष्य सिंह और चालक अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

तिलहर सीओ इशिका सिंह ने बताया कि सोमवार रात थाना कटरा क्षेत्र में पशु विभाग की एक एंबुलेंस सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। एंबुलेंस को अनिल चला रहा था, जबकि सिपाही और चिकित्सक बैठे हुए थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पीआरवी मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने घायल कांस्टेबल विकास सांगवान की गंभीर हालत देखकर बरेली रेफर कर दिया। जहां डाक्टरों ने कांस्टेबल विकास सांगवान को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल पशु चिकित्सक लक्ष्य सिंह और चालक अनिल कुमार का इलाज चल रहा है।

28 वर्षीय सिपाही विकास सांगवान हरियाणा के भिवानी जिले के तोशाम थाना क्षेत्र के गांव संडवा के रहने वाले थे। 23 अक्तूबर 2020 में वह यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे। थाना सदर बाजार में रहने के बाद वह 30 जून 2024 को मीरानपुर कटरा थाने में तैनात किए गए थे। करीब चार वर्ष पहले ही उनका विवाह बूनीता से हुआ था। जिनसे उनकी ढाई साल की मासूम बेटी है। उनकी मौत पर परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी से मिले भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता,बदायूँ के विकास कार्यो पर हुई चर्चा

❒ स्वास्थ्य सेवाओं एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियों पर भी हुई वार्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। बरेली सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने शिष्टाचार भेंट कर बदायूँ जनपद के विकास, स्वास्थ्य सेवाओं, आगामी सावन माह में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा की प्रशासनिक तैयारियों सहित विभिन्न जनहित के विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बदायूँ आगमन का सादर आमंत्रण भी दिया। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने जनपद में संचालित विकास कार्यों, आवश्यक परियोजनाओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विकास कार्यों को और अधिक गति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने बदायूँ मेडिकल कॉलेज एवं जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी चर्चा की तथा मरीजों को बेहतर उपचार, पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधाएं, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन पर विशेष ध्यान दिए जाने का विषय रखा। उन्होंने कहा आगामी सावन माह में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियों पर भी बात रखी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, निर्बाध यातायात, चिकित्सा सेवाएं, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था को लेकर सभी संबंधित विभाग पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा प्रत्येक मार्ग पर आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही प्रशासन ऐसी प्रभावी यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करे, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और आमजन का दैनिक आवागमन भी अनावश्यक रूप से बाधित न हो। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित निगरानी तथा सभी व्यवस्थाओं की सतत समीक्षा किए जाने पर भी चर्चा हुई।अंत में भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने बदायूँ के विकास एवं जनहित के विषयों पर मुख्यमंत्री के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में जनपद के विकास कार्यों, स्वास्थ्य सेवाओं एवं जनसुविधाओं को और अधिक गति मिलेगी।

कम लाभांश से नाराज कोटेदारों का सरकार के खिलाफ मोर्चा

❒ अगस्त से खाद्यान्न वितरण बहिष्कार की चेतावनी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) ने आर्थिक तंगहाली और कम लाभांश के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। अल इंडिया फेयर प्राइस शप डीलर एसोसिएशन के बैनर तले मंगलवार को बड़ी संख्या में कोटेदारों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोाित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा।

ज्ञापन के मायम से कोटेदारों ने अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते कोई निर्णय नहीं लिया तो अगस्त 2026 से प्रदेश के लगभग 80 हजार उचित दर विक्रेता खाद्यान्न वितरण का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। एसोसिएशन का कहना है कि उत्तर प्रदेश में राशन वितरण के एवज में कोटेदारों को प्रति क्विंटल केवल 90 रुपये लाभांश दिया जाता है जो वर्तमान महंगाई के दौर में परिवार के भरण-पोषण और दुकान संचालन के लिए पर्याप्त नहीं है। संगठन ने दावा किया कि अन्य राज्यों में कोटेदारों को इससे अाकि आर्थिक सहायता मिल रही है। उदाहरण के तौर पर हरियाणा और दिल्ली में 200 रुपये प्रति क्विंटल, गोवा में 230 रुपये प्रति क्विंटल तथा गुजरात में न्यूनतम 20 हजार रुपये मासिक आय की व्यवस्था बताई गई। प्रदर्शन के दौरान कोटेदारों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई और कम आय के कारण राशन विक्रेताओं में भारी नाराजगी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो अगस्त माह के खाद्यान्न वितरण सहित विभागीय कार्यों से भी खुद को अलग कर लिया जाएगा। साथ ही कहा कि हड़ताल की स्थिति में आम जनता को होने वाली किसी भी परेशानी की जिम्मेदारी शासन और राशन विभाग की होगी। इस आंदोलन को सफल बनाने और मांग पत्र सौंपने में सुल्तानपुर इकाई के पदाकिारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में जिलायक्ष प्रेम प्रकाश यादव, जिला महासचिव रबीन्द्र प्रताप सिंह, ब्लक अयक्ष (कुड़वार) अन्सार अहमद सहित ापतगंज, कुड़वार, दूबेपुर, जयसिंहपुर और पालिया क्षेत्र के दर्जनों राशन विक्रेता मौजूद रहे। कोटेदारों ने शासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं का समााान नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सीएचसी में प्रशिक्षण के दौरान युवती लापता

❒ पिता ने दो युवकों पर अपहरण का आरोप लगाकर एफआईआर की मांग की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। महराजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रशिक्षण कर रही एक युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने थाना महराजगंज में तहरीर देकर दो युवकों पर अपहरण का आरोप लगाया है और एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना महराजगंज क्षेत्र के ग्राम जरैला निवासी हरिकेश यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री अर्चना देवी 23 जून 2026 को महराजगंज सीएचसी में प्रशिक्षण के लिए गई थी। आरोप है कि उसी दिन सुबह करीब 11 बजे वह संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। तहरीर में हरिकेश यादव ने नारेंदी का पुरवा, मजरे रुस्तमपुर (थाना मिल एरिया) निवासी मुकेश यादव और बृजेन्द्र यादव पर पुत्री के अपहरण का आरोप लगाते हुए दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज किए जाने की प्रक्रिया जारी थी। मामले में थाना प्रभारी जगदीश यादव ने बताया है कि मुकदमा दर्ज किया गया है जांच के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में सीएम मत्स्य संपदा योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ बैठक में 08 जून से 28 जून 2026 तक विभागीय पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन कुल 60 आवेदनों के सापेक्ष कुल 39 (31.484 हेक्टेयर) आवेदकों का चयन किया गया

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की नवीन योजना मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में 08 जून से 28 जून 2026 तक विभागीय पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन कुल 60 आवेदनों के सापेक्ष कुल 39 (31.484 हेक्टेयर) आवेदकों का चयन किया गया। जिसके अंतर्गत चयनित आवेदकों को ग्राम सभा व अन्य से पट्टे पर प्राप्त तालाबों में प्रथम वर्ष निवेश तथा मत्स्य बीज बैंक में मत्स्य बीज एवं मत्स्य आहार आदि क्रय किए जाने पर नियमानुसार अनुदान की धनराशि उनके बैंक खातों में डी0बी0टी0 के माध्यम से प्रेषित की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा ग्राम सभा व अन्य प्राप्त पट्टे के तालाब के समस्त लाभार्थियों की मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड से आच्छादित किए जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की योजना सघन मत्स्य पालन हेतु ऐयरेशन की स्थापना एवं निषाद राज बोट सब्सिडी योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक भी की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि ग्राम सभा के जो भी तालाब समतल है, उन सभी की सूची उपलब्ध कराए, जिससे कि तालाबों का जीणोद्धार कराया जा सके तथा जनपद में (विशेष कर तहसील लालगंज व अन्य तहसील में जहां खारा पानी मौजूद है) झींगा पालन हेतु प्रचार-प्रसार कर मत्स्य पालकों को जागरूक करते हुए झींगा पालन को बढ़ावा दें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, उप कृषि निदेशक हिमाशु पाण्डेय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण इरफानुल्लाह खान, वरिष्ठ कोषाधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने शहजादी सराय स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाऊस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

सम्भल, बहजोई, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा सम्भल के शहजादी सराय स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाऊस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाऊस की साफ़ सफाई एवं अग्निशामक यंत्रों, सुरक्षा व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरे एवं लॉग बुक आदि सभी व्यवस्थाओं को चेक किय। जिलाधिकारी ने ईवीएम स्टोर कक्ष को चेक किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल आदित्य प्रकाश एवं भाजपा एवं सपा तथा कांग्रेस एवं बीएसपी पार्टी के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रा से अश्लील हरकत करने का आरोपी शिक्षक होगा निलंबित

बदायूं, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुंवरगांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के आरोपी शिक्षक के खिलाफ टीम अपनी जांच रिपोर्ट सोमवार को बीएसए को सौंप सकती है। रिपोर्ट मिलते ही आरोपी शिक्षक निलंबित कर दिया जाएगा। बता दें कि आरोपी शिक्षक रविवार को जेल भेजा जा चुका है। उच्च प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाली 13 वर्षीय छात्रा को साफ-सफाई के बहाने रोककर शिक्षक ने अश्लील हरकत की थी। स्कूल से घर पहुंची छात्रा ने परिजनों को आपबीती सुनाई। सूचना पर परिजनों और ग्रामीणों ने आरोपी को घर में पकड़ लिया था। बाद में पहुंची पुलिस आरोपी मेनपाल को हिरासत में लेकर कोर्ट ले गई। वहां पर न्यायिक हिरासत में आरोपी शिक्षक जेल भेज दिया गया। इस मामले में बीएसए के निर्देश पर टीम ने जांच की है। इसकी रिपोर्ट टीम सोमवार शाम तक दे सकती है। इसमें आरोपी शिक्षक को निलंबित किया जा सकता है। बीएसए नवीन कुमार ने बताया कि जांच चल रही है। रिपोर्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

रिटायरमेंट पर विभाग ने दी विदाई

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मंगलवार को मोहर सिंह यादव औषधि अनुसेवक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग जिला अपनी नौकरी के 42 वर्ष पूर्ण कर सकुशल सेवानिवृत (रिटायरमेंट) हो गए। विभाग की तरफ से बड़े हर्ष उल्लास के साथ विदाई समारोह माल्यार्पण करके विदाई की गई । जिसमें छोटे लाल यादव (क्र फूड), लवकुश प्रसाद (औषधि निरीक्षक), आरपी सिंह (मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी), खुशीराम एफएसओ, भगवत सिंह एफएसओ आदि उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत आज होगा भाजपा का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन 1 जुलाई 2026 (बुधवार) को अपराह्न 4:00 बजे आर.के. रिजॉर्ट, कृष्णा लॉन, बदायूँ में किया जाएगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद प्रभारी मंत्री, बदायूँ डॉ. अरुण कुमार सक्सेना होंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठनात्मक विषयों, चल रहे अभियानों एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में पार्टी के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे।

उत्तर प्रदेश पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने हवन पूजन के साथ किया पुल का शिलान्यास

बिसवां, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सकरन क्षेत्र के किवानी नदी के बाढ़ प्रभावित गांव बेलवा बसैहा के निवासियों के लिए आज का दिन उनके लिए एक बहुत बड़ी खुशी लाया था। नदी पर पुल बनाए जाने की उनकी बहु प्रतीक्षित मांग आज धरातल पर उतर रही थी। निवर्तमान सांसद और उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा और क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा आज उनके लिए पुल की सौगात को लेकर उनके बीच मौजूद थे। हजारों की संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी के बीच किवानी नदी के तट पर हवन पूजन के साथ निवर्तमान सांसद और पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा और क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा ने नींव पूजन करते हुए पुल निर्माण का काम शुरू कराया। ग्रामीणों ने करतल ध्वनि और हर्षोल्लास के साथ से पुल के निर्माण कार्य का स्वागत किया। राजेश वर्मा ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार जिसका लक्ष्य ही आम जनता तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य के साथ ग्रामीणों को पुल की सौगात मिल रही है।सेतु निगम के द्वारा दो साल में बनने वाला यह पुल उनकेविशेष प्रयास से एक साल में बनकर तैयार हो जायेगा। क्षेत्र के तमाम रास्तों पर डामरीकृत सड़कों का निर्माण कराया गया है। पुरानी सड़कों की मरम्मत और चौड़ीकरण का काम भी तेजी के साथ हो रहा है। गरीब परिवारों को मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री योजना से पक्के मकान दिए जा रहे हैं। वहीं सरकार की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से आम जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह करते हुए कहा कि लखनऊ से सीतापुर होते हुए सहारनपुर तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की एक बार जरूर यात्रा करें। यह सीतापुर वासियों के लिए उनके प्रयास से चलवाई गई है। विधायक निर्मल वर्मा ने कहा कि बेलवा बसैहा में बहु प्रतीक्षित किवानी नदी के घाट पर पुल निर्माण से आधा सैकड़ा गांवों के ग्रामीणों का आवागमन सुगम होगा। प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी की डबल इंजन की सरकार में पूरे क्षेत्र में आमजन के हित से जुड़े तमाम विकास कार्य कराये जा रहे हैं। बिसवां में फ्लाई ओवर का निर्माण तेजी से पूरा कराया जा रहा है। जिससे बिसवां की सड़कों पर लगने वाली जाम की समस्या से जल्दी ही राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र की सड़कों की गुणवत्ता पूर्ण तरीके से मरम्मत व चौड़ीकरण का काम भी प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। जिससे क्षेत्र वासियों को आवागमन में सुगमता होगी। इस अवसर पर भाजपा नेता कृपा शंकर वर्मा डायरेक्टर भूमि विकास बैंक लखनऊ मंडल,,राहुल सिंह,प्रधान संघ अध्यक्ष सुंदरलाल तिवारी,भाजपा मंडल अध्यक्ष पंकज सिंह,चंद्रभाल चौरसिया,माधवराव बाजपेई,अशोक कुमार, रामकिशोर,रामप्रसाद शर्मा,रवि कुमार,पूर्व ब्लाक प्रमुख रामचंद्र गौड़,सुशील बाजपेई, बृजेश सिंह,मुन्ना रस्तोगी शिवकुमार गुप्ता,गिरजेश गुप्ता आदि के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों का अवकाश रहेगा : बीएसए

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सेवारत शिक्षक अभ्यर्थियों हेतु दो तीन एवं चार जुलाई को उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 प्रस्तावित होने के कारण उक्त दिनांक का विशेष अवकाश स्वीकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है।बीएसए संजय तिवारी ने बताया कि उक्त आदेश के अनुपालन में जनपद में कार्यरत शिक्षक,शिक्षिका जो उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा में सम्मिलित हो रहे है उन शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का परीक्षा तिथि को विशेष अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

❒ सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था हेतु दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा यातायात को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाए जाने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राजमार्गों पर अवैध रूप से बनाए गए कटों को बंद कराने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित एवं प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने, पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रवर्तन कार्यवाहियों को और अधिक सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस (ऋइक) में विभिन्न विभागों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों को समयबद्ध रूप से अद्यतन किए जाने पर विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के प्रमुख चौराहों को यातायात की दृष्टि से अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाया जाए, इसके साथ ही सर्वे कर यह सुनिश्चित करा लिया जाए कि जहां पर स्टॉप लाइन, जेब्रा क्रासिंग आदि की रिमार्किंग कराने की आवश्यकता है तो उसको प्राथमिकता से करा लिया जाए,तथा सड़कों पर किए गए अतिक्रमणों को प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए। साथ ही, चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार एवं निवारण कार्यों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्गों व गंगा एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत यह सुनिश्चित कराया जाए कि बिना फिटनेस के कोई भी स्कूल वाहन संचालित न हो, यदि कोई वाहन बिना फिटनेस के संचालित पाया जाए तो उसके विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने गुड सेमेरिटन योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों की सहायता करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सहदेव मिश्र, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी महिपाल सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन उमेश चंद कटियार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्र रहमान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीड़ित लव सोनकर ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लगाई न्याय की गुहार

❒ लव सोनकर द्वारा बताया गया कि मंडी समिति में बबलू सोनकर द्वारा उसकी दुकान पर अवैध रूप से दबंगई के बल पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। मिल एरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवानंदपुर निवासी लव सोनकर पुत्र स्वर्गीय कृष्ण सोनकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह कृषि उत्पादन मंडी समिति में लगभग 15 वर्षों से सब्जी का व्यवसाय कर रहा है।जिसका बाकायदा मंडी समिति से लाइसेंस भी पंजीकृत है। सब्जी बेचकर वह अपने परिवार का आजीविका चला रहा है। लव सोनकर द्वारा बताया गया कि मंडी समिति में बबलू सोनकर द्वारा उसकी दुकान पर अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। विरोध करने पर बबलू सोनकर द्वारा जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है पीड़ित ने आरोप लगाते हुए बताया कि 28 6.26 को सुबह 7:30 के लगभग प्रार्थी की दुकान पर बबलू सोनकर आया और उसने कहा कि दुकान अपनी छोड़कर चले जाओ नहीं तो तुम्हें जान से मार डालेंगे। इस दौरान मंडी समिति में अन्य व्यापारी भी मौके पर मौजूद थे। जिसमें हरिओम सोनकर,राजदीप व अन्य लोगों द्वारा बीच बचाव कर कर उसकी जान बचाई गई पीड़ित ने बताया कि बबलू सोनकर द्वारा दूसरे बाहरी दुकानदारों से अवैध रूप से वसूली करता है जबकि मंडी समिति द्वारा किसी भी दुकानदार से कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता है पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुए उपरोक्त मामले में उसकी मदद करने की गुहार लगाई है।

अमेठी में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एक से इकतीस जुलाई तक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक से इकतीस जुलाई तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान को लेकर अंतर्विभागीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान सीडीओ ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुड़े मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाय। सीडीओ ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में एक से इकतीस जुलाई तक संचालित किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी एक जुलाई से पहले संचारी रोग नियंत्रण के सम्बन्ध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। अभियान के दौरान स्वच्छता, सैनिटाइजेशन तथा फॉगिंग का विशेष कार्यक्रम संचालित किया जाय। तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण ठीक ढंग से किया जाय।विद्यालयों में संचारी रोगों से बचाव को लेकर बच्चों को जागरूक किया जाय। उन्होंने कहा कि निगरानी समितियां डोर-टू-डोर सर्वे करें और यदि कोई भी संचारी रोगों से ग्रसित है, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएं। साथ ही, महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबों/नालों व नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सम्बन्धित विभागों से संचारी रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के सम्बन्ध में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगर विकास, पंचायतीराज, आईसीडीएस, ग्राम्य विकास, चिकित्सा शिक्षा, शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, कृषि, पशुपालन तथा सूचना विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर संचारी रोगों की रोकथाम व नियंत्रण के संबंध में कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर राजेश द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा एमओआईसी उपस्थित रहे।

ट्राईसाइकिल दिलाकर दिव्यांगो और वरिष्ठजनों के चेहरे पर मुस्कान लाने का सुखद प्रयास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। विाायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह लगातार क्षेत्रवासियों की सेवा में तत्पर हैं और उनका प्रयास है कि वे हर किसी की मदद कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाएं। इसी कड़ी में आज वे ापतगंज ब्लाक क्षेत्र के कोरों तिराहा बाजार पहुंचे और सतरसुमा कुष्ठ विद्यालय में दिव्यांगों और वरिष्ठजनों को ट्राई सायकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दरअसल एलिम्को द्वारा केंद्र सरकार की राष्ट्रीय वायोश्री योजना के अंतर्गत इस निःशुल्क ट्राई सायकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को संबोाित करते हुए उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलबियों को जनता जनार्दन के समक्ष रखा, उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ साथ बीजेपी सरकार गरीबों को राशन, आवास, शौचालय के साथ साथ उनकी चिकित्सा, परिवार के वैवाहिक कार्यक्रम सहित तमाम निःशुल्क कल्याणकारी योजनाओं के जरिए सरकार लोगों की मदद कर रही है। हमारा उद्देश्य भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ साथ लोगों की हर तरीके से मदद करना है, लेकिन ये तब संभव हुआ जब आप सब ने मुझे मौका दिया। मैं अपने कर्तव्य का निर्वहन शत प्रतिशत करने में लगा हुआ हूँ। आप सब साथ दीजिए तो जो अन्य जनसमस्याओं से जुड़े कार्य हैं, उसे भी पूरा करके ही दम लूंगा। संबोान के बाद उन्होंने वहां मौजूद वरिष्ठ पात्रों और दिव्यांग जनों को ट्राई सायकिल का वितरण किया। वहीं ट्राईसाइकिल पाने के बाद लोगों को चेहरे खिल उठे और उन्होंने बीजेपी सरकार के साथ साथ विाायक विनोद सिंह का भी आभार व्यक्त किया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य ार्मेश मिश्रा, कोरो प्राान शशिबल सिंह, आसरा संचालक सूरज कुमार, आदर्श आसरा टीम के सदस्य कुलदीप पाण्डेय, एलिम्को डक्टर की टीम सहित तमाम लोग मौजूद रहे। वहीं लाभ पाने वालों में अंबिका, अनुराा, आश्मा बानो, अयोया प्रसाद, बब्बन कुमारी,रेखा, पप्पू, घनश्याम, श्रीनाथ, पवन कुमार , मो वकील, मोहम्मद शबाब इत्यादि लोगों ने आभार व्यक्त किया है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एनआरएलएम की नई पहल

❒ अवधिका चिकनकारी से स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के मार्गदर्शन में जनपद की महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएल एम द्वारा विकासखण्ड नवाबगंज की ग्राम पंचायत बहादुरा स्थित कम्पोजिट विद्यालय में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जनपद की तीन सौ स्वयं सहायता समूह की महि लाओं को अवधिका चिकनकारी कारीगर के रूप में प्रशिक्षित एवं स्थापित कर उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। कार्य क्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह की म हिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

तीन सौ महिलाओं को अवधिका चिकनकारी से जोड़कर मिलेगा स्वरोजगार का अवसर

ग्राम चौपाल के दौरान महिलाओं को अवधिका चिकनकारी परियोजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रशिक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता, विपणन, बैंकिंग सहायता तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ने की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल के माध्यम से महिलाओं को पारंपरिक हस्तशिल्प से जोड़कर उन्हें स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी।साथ ही महिलाओं को समूह आधारित उद्यम,वित्तीय प्रबंधन, बचत, ऋण सुविधा तथा स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से जागरूक किया गया।कार्यक्रम में उपायुक्त स्वरोजगार जे.एन. राव, उपायुक्त उद्योग बाबूराम, लीड बैंक मैनेजर विनोद तिवारी, ग्राम प्रधान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।सभी अधिकारियों ने महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार एवं उद्यमिता विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। अधिका रियों ने बताया कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है, जिससे वे अपने उत्पादों को स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचा सकें।

महिला,समृद्ध गांव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने अपने संदेश में कहा कि जनपद की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से ग्राम स्तर पर चौपालों के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से संचालित यह पहल ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी तथा उन्हें सम्मानजनक आजीवि का उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा एगी। ग्राम चौपाल में उपस्थित महिलाओं ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त कर चिकनकारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने का संकल्प लिया।यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध होगा।

बीएड की परीक्षा देने आई छात्रा करंट की चपेट में आने से झुलसी, बचाने में भाई की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई।यहां नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के सामने बीएड की परीक्षा देने आई एक छात्रा करंट की च पेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई,जबकि अप नी बहन को बचाने की कोशिश में उसके भाई की जान चली गई।बहराइच जिले के हजूरपुर थाना क्षेत्र निवासी बीस वर्षीय प्राची अपने 25 वर्षीय भाई विमल के साथ बीएड की परीक्षा देने गोंडा आई थी।मंगलवार सुबह दोनों लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज पहुंचे।

परीक्षा केंद्र में प्रवेश से ठीक पहले कॉलेज के सामने सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइट के खम्भे में बारिश के कारण करंट उतर आया था।अचानक प्राची का संपर्क उस खम्भे से हो गया और वह जोरदार करंट लगने से खम्भे से चिपक गई।बहन को तड़पता देख विमल ने बिना एक पल गंवाए उसे बचाने की कोशिश की।उसने प्राची को खम्भे से धक्का देकर दूर तो कर दिया, लेकिन इस दौरान खुद करंट की चपेट में आकर खम्भे से चिपक गया।घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना दी और लकड़ी की मदद से दोनों को खम्भे से अलग किया।स्था नीय लोगों की मदद से दोनों भाई-बहन को तत्का ल गोंडा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान विमल ने दम तोड़ दिया।वहीं प्राची की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे लखनऊ रेफर कर दिया है।

उसकी हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।सूचना मिलते ही मृतक विमल के परिजन रोते-बिलखते मेडिकल कॉलेज पहुंचे।विमल घर का बड़ा बेटा था और बहन को परीक्षा दिलाने के लिए आया था।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।शुरुआती जांच में सामने आया है कि लगातार बारिश के कारण स्ट्री ट लाइट के खम्भे में करंट आ गया था।नगर पालि का और बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।इस हादसे ने बरसात के मौसम में बिजली के खम्भों और खुले तारों से होने वाले खतरे को फिर उजागर कर दिया है।प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान बिजली के खम्भों ट्रांसफॉर्मर और पानी में गिरे तारों से दूरी बनाकर रखें।नगर कोतवाल विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।परिजनों की तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

योगी सरकार में पर्यटन विकास से बदल रही अमेठी की तस्वीर

❒ गोरखनाथ तपोस्थली से काटूनाला तक धार्मिक आध्यात्मिक और इको टूरिज्म का नया केंद्र बन रही अमेठी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

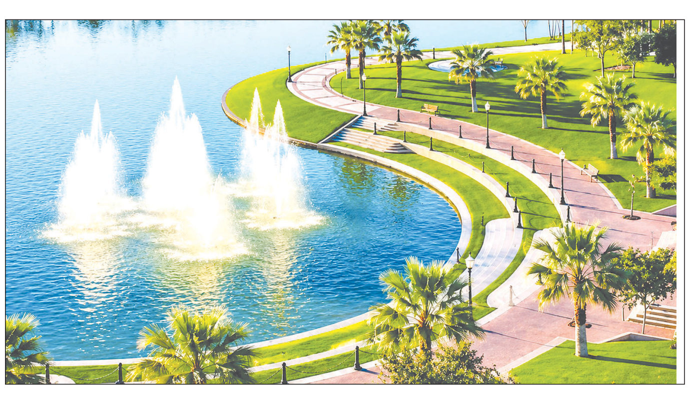

अमेठी। जनपद अमेठी बुधवार को अपनी स्थापना की सोलहवीं वर्षगांठ मना रहा है। एक जुलाई 2010 को जिला बनने के बाद यहां पर्यटन विकास की रफ्तार लम्बे समय तक सीमित रही। वर्ष 2017 के बाद तस्वीर बदलनी शुरू हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पर्यटन परियोजनाओं को गति मिली।धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के विकास पर विशेष फोकस किया गया। वर्ष 2017 से वित्तीय वर्ष 2026-27 तक करीब 30.39 करोड़ रुपए की पर्यटन परियोजनाएं स्वीकृत हुईं। इससे पर्यटन सुविधाओं का विस्तार हुआ। प्रमुख धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण कराया गया। ईको-टूरिज्म को भी बढ़ावा मिला। लगातार हो रहे विकास कार्यों से अमेठी अब प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बना रहा है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'अमेठी को धार्मिक, आध्यात्मिक और प्रकृति पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए जिले के कई महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्यटन विकास परियोजनाएं संचालित हैं। जायस स्थित बाबा गोरखनाथ की तपोस्थली का विकास कराया जा रहा है। यहां गुरु गोरखनाथ की बैठी हुई योग मुद्रा में पच्चीस फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा निर्माण और गौरीगंज की हनुमानगढ़ी गौरा का पर्यटन विकास व सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसी प्रकार, बहादुरपुर विकास क्षेत्र के ग्राम पीढ़ी स्थित तपेश्वर नाथ धाम मंदिर और परम संत कबीर साहेब की बैठका का भी कायाकल्प किया जा रहा है। मुसाफिरखाना के ग्राम नारा अढ़हनपुर स्थित बाबा महावीर दास मंदिर को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है वहीं काटूनाला वन्यजीव क्षेत्र को इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है।मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से अमेठी का पर्यटन परिदृश्य बदलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।'

रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे : मंत्री

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने आगे बताया कि, 'उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को पर्यटन के माध्यम से नई पहचान दिलाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। अमेठी में स्वीकृत पर्यटन परियोजनाएं न केवल यहां के प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों को विकसित करेंगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा करेंगी। हमारा लक्ष्य पर्यटन सुविधाओं का विस्तार कर अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।'

चरणबद्ध तरीके से हो रहे विकास कार्य : अपर मुख्य सचिव

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि 'अमेठी में पर्यटन विकास की विभिन्न परियोजनाओं पर चरणबद्ध तरीके से कार्य कराया जा रहा है। इन परियोजनाओं के माध्यम से धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के साथ-साथ ईको-टूरिज्म स्थलों का भी समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि पर्यटकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और अमेठी को प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सके।'

इंडियन बैंक में चार करोड़ नब्बे लाख रूपये के घोटाले की जांच तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले इंडियन बैंक एम्पलाइज क्रेडिट कोऑ परेटिव सोसाइटी लिमिटेड शाखा में हुए चार करो ड़ नब्बे लाख रुपये के घोटाले की जांच तेज हो गई है।विवेचक सोनू कुमार ने सोसाइटी के सचिव रविं द्र कुमार श्रीवास्तव से कर्ज लेने वाले,कर्ज न चुका ने वाले और नियमित रूप से किस्त जमा करने वा ले सभी लोगों की विस्तृत सूची मांगी है।जांच अधि कारी सोनू कुमार ने बताया कि कई बार पत्र भेजने के बाद सोसाइटी सचिव ने लेनदेन का विवरण स हित घोटाले से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। इन कागजातों की प्रारंभिक जांच के बाद ही आगे की जानकारी मांगी गई है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि घोटाले और गबन के आरोपी कुछ लोगों ने कर्ज चुका दिया है, जबकि कुछ ने गबन किया है और कुछ नियमित रूप से किस्तें जमा कर रहे हैं।इन सभी पहलुओं की नगर कोतवाली पुलिस द्वारा गहनता से जांच की जा रही है।इस मामले में 1997 से 2020 के बीच तैनात रहे 69 बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों को आरोपी बनाया गया है।जांच अधिकारी ने इन सभी से पूछताछ की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। प्रत्येक आरोपी के विवरण और पते की गहनता से जांच की जा रही है।जल्द ही सभी संबंधित व्यक्ति यों को नोटिस भेजकर उनसे पूछताछ की जाएगी।

जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा।विवेचक सोनू कुमार ने पुष्टि की कि उन्होंने सचिव से कर्ज लेने वाले,कर्ज वाप स करने वाले,कर्ज न चुकाने वाले और नियमित किस्त जमा करने वाले सभी लोगों की विस्तृत सू चियां और अन्य संबंधित दस्तावेज मांगे हैं।सभी बिंदुओं पर हम लोग विस्तार से जांच कर रहे हैं जां च में जो भी निकाल कर आएगा उसके आधार पर न्यायालय को आरोप पत्र भेजा जाएगा अभी तमा म डिटेल मांगी गई है तमाम कागजात मिले हैं उस का अवलोकन किया जा रहा है।

बिना मानक पूरे किए नहीं खुलेंगे कोचिंग संस्थान

रायबरेली। जनपद के कोचिंग संस्थानों के संचालन को लेकर जारी प्रक्रिया के बीच जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित मानकों की पूर्ति किए बिना किसी भी कोचिंग संस्थान को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। कोचिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया, रायबरेली के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी निर्धारित मानकों की पूर्ति एक साथ कर पाना अधिकांश कोचिंग संस्थानों के लिए आसान नहीं है। उन्होंने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद ही प्रशासन कोचिंग संस्थानों की वास्तविक समस्याओं का आकलन करेगा और उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी से भी फोन पर विस्तृत वार्ता हुई। उन्होंने आश्वस्त किया कि वह शीघ्र ही रायबरेली आकर जिलाधिकारी से इस विषय पर चर्चा करेंगे, ताकि कोचिंग संस्थानों की व्यावहारिक समस्याओं का समाधान निकालते हुए सकारात्मक निष्कर्ष तक पहुँचा जा सके। कोचिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया, रायबरेली के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह ने मीडिया को बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी निर्धारित मानकों की पूर्ति एक साथ कर पाना अधिकांश कोचिंग संस्थानों के लिए आसान नहीं है।

उपनिदेशक कृषि से मिले एफपीओ सीईओ, किसानों की समस्याओं के समाधान पर हुई चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। बेलसर ब्लॉक क्षेत्र के लौव्वा टेपरा स्थित अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ कुलदीप मिश्रा ने मंगलवार को उपनिदेशक कृषि संतोष कुमार द्विवेदी से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया।मुलाकात के दौरान क्षेत्र के किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं,फसल उत्पादन, उर्वरकों की उपलब्धता,मृदा परीक्षण, कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कुलदीप मिश्रा ने किसानों को आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों से भी उपनिदेशक को अवगत कराया। इस पर उपनिदेशक कृषि ने कहा कि किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा और शासन की सभी कृषि योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के लिए विभाग पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक खेती अपनाने और विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की।

जनपद न्यायाधीश, डीएम व एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

❒ इस दौरान उन्होंने पुरुष बैरक, महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ास्थल तथा अस्पताल वार्ड का निरीक्षण किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जनपद न्यायाधीश राजेष कुमार सिंह ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक विष्वजीत श्रीवास्तव व सीजेएम सुश्री नीलम सरोज द्वारा जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का गहन मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

निरीक्षण के दौरान पुरुष बैरक, महिला बैरक, बंदी पाकशाला, क्रीड़ास्थल तथा अस्पताल वार्ड का निरीक्षण शामिल रहा। इस दौरान बंदियों की मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था का विशेष रूप से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि कारागार का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा शातिर एवं संवेदनशील बंदियों पर सतत निगरानी रखी जाए। साथ ही बंदियों की गतिविधियों की समय-समय पर अद्यतन जानकारी उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से समस्त सीसीटीवी कैमरों को निरंतर क्रियाशील रखने तथा जेल मैनुअल के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए।

आम उत्पादकों के लिए सुनहरा मौका: 3 से 5 जुलाई तक लखनऊ में होगा 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिला उद्यान अधिकारी ने जनपद के समस्त कृषकों, आम उत्पादकों, प्रसंस्करणकर्ताओं एवं संबंधित उद्यमियों को सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026 का आयोजन आगामी 03 से 05 जुलाई 2026 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर-लखनऊ में प्रतिदिन प्रातः 10:00बजे से किया जायेगा।

इस आम महोत्सव में आम उत्पादक कृषक अपनी विभिन्न प्रजातियों के आमों का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रत्येक प्रदर्श के लिए 01 किलोग्राम आम अथवा 5आम निर्धारित किए गये हैं। ऐसे कृषक जो स्वयं महोत्सव में उपस्थित नहीं हो सकेंगे, वे अपने प्रदर्श 01 जुलाई 2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय निकट फायर सर्विस स्टेशन, सीतापुर में उपलब्ध करा सकते हैं, जिन्हे महोत्सव स्थल तक पहुंचानें की व्यवस्था की जायेगी। उक्त महोत्सव में बागवानों एवं संबंधित उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु स्टॉल लगाने की भी सुविधा प्रदान की जायेगी।

उपरोक्त महोत्सव में आम की विभिन्न उन्नत प्रजातियों, आम उत्पादन में हो रहे नवाचारों, विपणन तकनीकों, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन से संबंधित जानकारियां उद्यान विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान की जाएगी, जिससे किसानों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर आम उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने जनपद के कृषकों, बागवानों एवं संबंधित उद्यमियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में ल्रउत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026ङ्क में सहभागिता करते हुए नवीन तकनीकों, बाजार संभावनाओं तथा उद्यानिकी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठायें।

पुलिस ने अभियान चलाकर 85 अभियुक्त पकड़े

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहा अभियान

गोंडा। जनपद पुलिस ने अभियान चलाकर 85 अ भियुक्तों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने सभी को जेल भेजा है,पुलिस कार्यवाही से हड़कंप मचा रहा पुलिस अभियान के तहत रात भर अभियुक्तों को पकड़ने को दबिश देती रही।पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश से कई क्षेत्रों में हड़कंप मचा रहा।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में वांछित व गैर-जमानती वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दो दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान को सफल बनाने हेतु पुलिस अधीक्ष क द्वारा जनपद के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी व प्रभारी निरीक्षक,थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लंबित गैर-जमानती वारंटियों एवं वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करें।उक्त अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक व अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीमों का गठन कर कार्यवाही की गई।इस विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस टीमों द्वारा कुल 85 गैर-जमानती वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। थाना-वार गिरफ्तारी का विवरण निम्नानुसार है-थाना कोतवाली नगर पुलिस ने 15, थाना को0 देहात पुलिस ने 05, थाना इटियाथोक पुलिस ने 06, थाना खरगूपुर पुलिस ने 05, थाना को0 मनकापुर पुलिस ने 01, थाना धानेपुर पुलिस ने 05, थाना मोतीगंज पुलिस ने 03, थाना तरबगंज पुलिस ने 05, थाना नवाबगंज पुलिस ने 01, थाना वजीरगंज पुलिस ने 01, थाना उमरीबेगमगंज पुलिस ने 01, थाना को0 कर्नलगंज पुलिस ने 11, थाना परसपुर पुलिस ने 19, थाना कटराबाजार पुलिस ने 04 व थाना कौड़िया पुलिस ने 03 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

बाल संप्रेक्षण गृह हरदोई का निरीक्षण, सीतापुर के किशोर अपचारियों से की गई बातचीत

सीतापुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर आशीष जैन के मार्गदर्शन में मंगलवार को बाल संप्रेक्षण गृह, हरदोई का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। निरीक्षण टीम में विशेष न्यायाधीश ई.सी. एक्ट/अपर जिला जज शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक यादव, अपर सिविल जज (सी.डि.) विजय भान, किशोर न्याय बोर्ड की पीठासीन अधिकारी नीतिका महाजन तथा सदस्य वन्दना वैश्य शामिल रहे। टीम ने बाल संप्रेक्षण गृह में निरुद्ध सीतापुर जनपद के 19 किशोर अपचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्हें भारतीय संविधान में वर्णित 11 मौलिक कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई।

अमेठी के बारह परीक्षा केन्द्रों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा होगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ प्रभारी डीएम ने परीक्षा को निष्पक्ष, नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराई जायेगी

अमेठी। जनपद में आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, नकलविहीन एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योति सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में केंद्र व्यवस्थापकों, जोनल मजिस्ट्रेटों, सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेटों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षक पात्रता परीक्षा की गरिमा एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं सतर्कता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर समय से पूर्व पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जाए तथा परीक्षा प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप कराई जाए तथा पहचान पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रहे तथा किसी भी प्रकार की नकल, अनुचित साधनों के प्रयोग अथवा बाहरी हस्तक्षेप की संभावना पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। प्रभारी जिलाधिकारी ने जोनल, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के परीक्षा केंद्रों का नियमित निरीक्षण करते रहें तथा किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। बताते चलें कि जनपद में शिक्षक पात्रता परीक्षा के सफल संचालन के लिए बारह परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक-एक केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।

मानसून की दस्तक के साथ थमी जंगल सफारी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने सीजन में कमाए 1.60 करोड़ रुपये

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। मानसून सत्र की शुरुआत के साथ ही मंगलवार शाम से पीलीभीत टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाएगा वन्यजीवों के प्रजनन काल और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष की तरह इस बार भी जंगल सफारी पर अस्थायी रोक लगाई जा रही है अब पर्यटक मानसून समाप्त होने के बाद शुरू होने वाले अगले पर्यटन सत्र में ही टाइगर रिजर्व की रोमांचक सफारी का आनंद ले सकेंगे इस बार पर्यटन सत्र कई मायनों में चुनौतीपूर्ण रहा।

अंतराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेष रूप से ईरान-इजरायल युद्ध के कारण विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी देखने को मिली इसके बावजूद पीलीभीत टाइगर रिजर्व की लोकप्रियता पर कोई खास असर नहीं पड़ा इस पूरे पर्यटन सत्र के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से हजारों प्रकृति प्रेमी और वन्यजीव प्रेमी यहां पहुंचे, जिससे टाइगर रिजर्व ने लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपये

❒ अंतराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेष रूप से ईरान-इजरायल युद्ध के कारण विदेशी पर्यटकों की इस बार संख्या में कमी देखने को मिली

का राजस्व अर्जित किया सफारी के दौरान पर्यटकों ने बाघ, तेंदुआ, बारहसिंगा, हिरन, जंगली सूअर, विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों सहित अनेक वन्यजीवों का प्राकृतिक वातावरण में दीदार किया यही वजह रही कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश के प्रमुख ईको-टूरिज्म स्थलों में लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है मानसून के दौरान रिजर्व को बंद रखने का उद्देश्य जंगलों में हरियाली का प्राकृतिक विकास, वन्यजीवों के प्रजनन चक्र को सुरक्षित रखना और उनके आवास में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम करना है इस अवधि में वन विभाग जंगलों के रखरखाव, मार्गों की मरम्मत और आगामी पर्यटन सत्र की तैयारियों पर भी काम करेगा वन विभाग को उम्मीद है कि मानसून के बाद जब नया पर्यटन सत्र शुरू होगा, तब बेहतर प्राकृतिक वातावरण और अनुकूल मौसम के बीच एक बार फिर देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचेंगे और जंगल सफारी की रौनक फिर लौटेगी।

मगरमच्छ के साये में गौवंश का रेस्क्यू: छोटी नहर से दो गायों को सुरक्षित निकाला, बजरंग दल टीम की बहादुरी

पूरनपुर। कलीनगर तहसील क्षेत्र की छोटी नहर में तेज बहाव के बीच बह रही दो गायों को बचाने के दौरान उस समय रोमांचक स्थिति बन गई, जब उनके पीछे एक मगरमच्छ भी दिखाई दिया सूचना मिलते ही राष्ट्रीय बजरंग दल गौ रक्षा दल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों गौवंशों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार कराया तथा गौशाला भिजवाया जानकारी के अनुसार, माधोटांडा क्षेत्र की छोटी नहर में पानी के तेज बहाव के साथ दो गायें बहती हुई आ रही थीं इसकी सूचना राष्ट्रीय बजरंग दल गौ रक्षा दल के कार्यकर्ताओं को दी गई सूचना मिलते ही ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे रेस्क्यू के दौरान देखा गया कि गायों के पीछे एक मगरमच्छ भी था, जिससे स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई टीम के सदस्यों ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए पहले मगरमच्छ को दूर भगाया और फिर काफी देर की मशक्कत के बाद दोनों गायों को सुरक्षित नहर से बाहर निकाला इसके बाद घायल गौवंशों का प्राथमिक उपचार कराया गया और उन्हें सुरक्षित गौशाला पहुंचा दिया गया इस पूरे अभियान में देवीपुर के प्रधान ने भी सहयोग किया रेस्क्यू अभियान में अरविंद राणा, ध्रुव यादव, शक्ति यादव, दीपक बॉथम और ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया सहित राष्ट्रीय बजरंग दल गौ रक्षा दल के कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही स्थानीय लोगों ने टीम के साहसिक प्रयास की सराहना की हैं ।

1 जुलाई से स्कूली वाहनों की होगी सघन जांच

सुल्तानपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में 1 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक मिशन सेफ फ्यूचर के तहत विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट वाले स्कूली वाहनों की सघन जांच की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन मिलने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अलका शुक्ला ने बताया कि परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि जिन वाहनों की फिटनेस अथवा परमिट की अवधि समाप्त हो चुकी है, वे तत्काल उनका नवीनीकरण करा लें। अन्यथा जांच के दौरान उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ ने जनपद के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों से भी कहा है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केवल वैध फिटनेस और परमिट वाले वाहनों का ही संचालन सुनिश्चित करें। जिन वाहनों के दस्तावेजों की वैधता समाप्त हो चुकी है, उन्हें स्कूल परिवहन व्यवस्था में शामिल न किया जाए तथा संबंधित वाहन स्वामियों को शीघ्र नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए जाएं।

कारगिल पेट्रोल पंप के पास हादसे के बाद बवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ दोनों पक्षों ने दी तहरीर,मारपीट और तोड़फोड़ मामले में अज्ञात हमलावरों पर मुकदमा दर्ज

पूरनपुर। कारगिल पेट्रोल पंप के पास सोमवार रात हुए सड़क हादसे के बाद हुए बवाल में नया मोड़ आ गया है भीखमपुर निवासी जगवीर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है अब पुलिस सड़क हादसे, मारपीट, वाहन में तोड़फोड़ और भीड़ की भूमिका के साथ-साथ इस बात की भी जांच कर रही है कि घटना के दौरान किसी तरह के आपसी गठजोड़ या सुनियोजित हमले की संभावना तो नहीं थी।

जगवीर सिंह ने अपनी तहरीर में बताया कि वह सोमवार रात करीब 9:30 बजे पत्नी, नाबालिग बेटी और एक रिश्तेदार के साथ कार से ग्राम सिमरिया जा रहे थे कारगिल पेट्रोल पंप के पास दो मोटरसाइकिलों की टक्कर देखकर उन्होंने मानवता के नाते कार रोककर घायलों की मदद करनी चाही आरोप है कि इसी दौरान आसपास के कई लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और बिना कुछ सुने उन पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया तहरीर के अनुसार, हमलावरों ने उनकी कार में जमकर तोड़फोड़ कर सभी शीशे तोड़ दिए पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ अभद्रता व मारपीट की गई तथा पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई सूचना पर पहुंची यूपी-112 पुलिस ने किसी तरह उन्हें भीड़ से बचाया प्रभारी निरीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस अब घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हमलावरों की पहचान में जुटी है।

वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से भी तहरीर देकर आरोप लगाया गया है कि तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ था इस पूरे मामले में पुलिस दोनों पक्षों के दावों की निष्पक्ष जांच कर रही है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक की जांच में कार में तोड़फोड़ और चालक के साथ मारपीट की बात सामने आई है महिलाओं से मारपीट और अन्य गंभीर आरोपों की भी जांच की जा रही है जांच पूरी होने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में गायों की दुर्दशा को लेकर छलका पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा का दर्द

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ बेटी सभी समान है पूर्व में घटना को लेकर चर्चा में आए लोगों के मुंह में जम गया है इस घटना को लेकर दही : पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा

पीलीभीत। गौ रक्षा के नाम पर किए जा रहे दावों पर पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने कड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ माता की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। बीजेपी सरकार बनने के समय ही मैंने कहा था कि यह सरकार गौवंश की हत्यारी बन जाएगी। आज सड़कों पर घायल और भूखे गौवंश तड़प रहे हैं।

गांवों में उनके खून से सने शव मिल रहे हैं। यह हिंदुओं के लिए शर्म की बात है।पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने कहा कि गौ रक्षा के लिए हमारे शंकराचार्य और संत समाज ने यात्रा निकालने का काम किया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मांग को लेकर पदयात्रा शुरू की है। अब यह यात्रा पीलीभीत जनपद पहुंच रही है, लेकिन प्रशासन द्वारा उनके प्रचार-प्रसार के होर्डिंग्स उतारे जा रहे हैं और यात्रा में बाधा डाली जा रही है।उन्होंने कहा कि जो लोग गौ रक्षा के कार्यक्रम कर रहे हैं, उन्हें परेशान किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश की सरकार बड़ी-बड़ी बातें करती है। लेकिन हकीकत यह है कि गौवंश आज भी सड़कों पर भटक रहे है। पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने मांग की कि सरकार गौशालाओं की व्यवस्था सुधारे और गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देकर उनकी रक्षा सुनिश्चित करे।

आजाद वर्मा को नम आंखों से दी विदाई

❒ परिजनों ने कहा आरोपियों पर चले बुलडोजर, हो एनकाउंटर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर । गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश में हुई गोलीकांड की घटना के बाद मंगलवार को मृतक आजाद वर्मा का गांव के बाहर बाग में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम विदाई के दौरान परिजनों और ग्रामीणों में गुस्सा और शोक दोनों दिखाई दिए।

बताया जा रहा है कि रविवार शाम आजाद वर्मा घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के एक निजी स्कूल के पास पहले से मौजूद लोगों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली पीठ में लगने के बाद उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने परिजन की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब तक सूरज, सत्यम और रूपम को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

घटना के बाद परिवार ने प्रशासन के सामने सख्त मांगें रखीं। एएसपी और एडीएम को सौंपे ज्ञापन में परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ एनकाउंटर और बुलडोजर कार्रवाई की मांग करते हुए परिवार की सुरक्षा, शस्त्र लाइसेंस और कथित रूप से जुड़े ईंट भट्ठे की जांच कर कार्रवाई की भी मांग उठाई। राजनीतिक हलचल के बीच लंभुआ से भाजपा विधायक सीताराम वर्मा ने स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना जताई। वहीं संजय यदुवंशी और आप प्रवक्ता वंशराज दुबे ने भी परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इससे पहले पूर्व विधायक अरुण वर्मा भी पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे थे। हालांकि सदर विधायक की गैरमौजूदगी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

नगर पालिका पीलीभीत की सफाई व्यवस्था की पहली बारिश ने ही खोल दी पोल, घरों में जल भराव का वीडियो वायरल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। मानसून की पहली हल्की बारिश में ही नगर पालिका परिषद की सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई है। स्टेडियम रोड स्थित कॉलोनी में नालों का गंदा पानी घरों के अंदर घुस गया, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। नागरिक अपने घरों में भरे पानी के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं और नगर पालिका पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब थोड़ी सी बारिश में ही यह हाल है, तो पूरी बरसात के दौरान क्या स्थिति होगी। नगर पालिका को पहले से पता था कि मानसून का मौसम आने वाला है, फिर भी नालों की तली झाड़ सफाई नहीं कराई गई। जो सफाई हुई भी, उसका निकाला हुआ कचरा कई दिनों से सड़क किनारे पड़ा है और अब वही कचरा बारिश के पानी के साथ वापस नालों में जा रहा है। इससे जलभराव की समस्या और बढ़ गई है।शहर वासियों ने बताया कि पिछली बरसात में भी इतनी दुर्दशा नहीं थी। इस बार तो जरा सी बारिश में ही घरों में पानी भरने लगा है। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वह जल्द संज्ञान ले और नगर पालिका को नालों की सफाई व कचरा निस्तारण के ठोस निर्देश दे, ताकि आम जनमानस सामान्य जीवन जी सके।

पेपर लीक, बेरोजगारी और चुप विधायकों पर एनएसयूआई का हमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर सरकार को घेरा

सुल्तानपुर। पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर एनएसयूआई ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता शिक्षा मंत्री के पोस्टर लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मानस तिवारी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में युवाओं की आवाज दबाई जा रही है और हालात ऐसे बनाए जा रहे हैं मानो बिना घोषणा के आपातकाल जैसे हालात पैदा कर दिए गए हों। उनका कहना था कि युवा बेरोजगारी, महंगाई और अवसरों की कमी से जूझ रहे हैं, जबकि सरकार उनकी मूलभूत जरूरतों और भविष्य को लेकर गंभीर नहीं दिख रही। मानस तिवारी ने सुल्तानपुर के भाजपा विधायकों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के जनप्रतिनिधि छात्रों के मुद्दों, भर्ती प्रक्रियाओं और पेपर लीक जैसे मामलों पर चुप्पी साधे हुए हैं। एनएसयूआई ने भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी पर भी सवाल उठाए। मानस तिवारी ने कहा कि छात्र हितों की बात करने वाला संगठन युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर मुखर नहीं दिख रहा और सत्ता के पक्ष में खड़ा नजर आता है। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई ने दावा किया कि 2027 के चुनाव में उत्तर प्रदेश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जवाब देगा। मानस तिवारी ने कहा कि युवाओं का भरोसा अब बदल रहा है और वे रोजगार व शिक्षा के सवाल पर राजनीतिक जवाब तय करेंगे। उन्होंने कांग्रेस की ओर से रोजगार को लेकर किए गए प्रयासों का भी जिक्र किया और दावा किया कि विपक्ष में रहते हुए भी युवाओं के लिए पहल की गई, जबकि सरकार रोजगार देने के मोर्चे पर अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी।

चोरी की छब्बीस बैट्री और पांच इन्वर्टर के साथ चार अंतर्जनपदीय शातिर बदमाश गिरफ्तार

अमेठी । थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा चोरी का खुलासा करते हुये अन्तर्जनपदीय चार लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिनके कब्जे से चोरी की छब्बीस बैट्रियां, पांच इन्वर्टर, चोरी के सामान की बिक्री के अड़तीस हजार चार सौ रुपये नकद, चोरी की घटना में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण एक ब्रेजा कार, एक तीन पहिया लोडर वाहन, चार मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर नेता रोड पर खड़ी संदिग्ध ब्रेजा कार संख्या पीबी एक्स 7888 पर सवार सुभाष चन्द्र पाठक पुत्र शिवपूजन पाठक निवासी कुनगाई बुजुर्ग पोस्ट इटवा थाना पैकोलिया जनपद बस्ती)राजकुमार तिवारी पुत्र भगवान दास तिवारी निवासी शिवदीन का पुरवा मजरे अमटाही थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी, मनीष कुमार गुप्ता पुत्र वंदन कुमार गुप्ता निवासी कस्बा व थाना हरइया जनपद बस्ती की तलाशी व वाहन की तलाशी ली गयी। तीनों व्यक्तियों के कब्जे से एक एक एण्ड्रॉयड फोन व ब्रेजा कार से अड़तीस हजार चार सौ रुपये बरामद हुये। ब्रेजा कार का नंबर जांचने पर ज्ञात हुआ कि उक्त नंबर थार कार का है। पुलिस टीम द्वारा पूंछताछ करने पर सुभाष चन्द्र पाठक ने बताया कि यह कार उसकी है। उन्होंने बताया कि वह लोग ब्रेजा कार की नंबर प्लेट बदल कर उसी कार से अयोध्या, सुलतानपुर, बस्ती, अमेठी, प्रतापगढ़, बनारस, प्रयागराज आदि जनपदों में उन्हीं जनपदों के लोकल साथियों के साथ सूनसान जगहों पर बनी इलेक्ट्रॉनिक दुकानों की रैकी करके दुकानों के बाहर रखे कीमती सामान व शटर तोड़कर अंदर रखे सामान को चोरी कर लेते है।

ब्लाक प्रमुख ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का दिलाया भरोसा

❒ ब्लाक प्रमुख ने पीड़ित परिवार को राज्यमंत्री द्वारा प्रदत्त आर्थिक सहायता सौंपी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। विकास क्षेत्र सिंहपुर की ग्राम पंचायत रतवलिया मंझार के गांव लंगोटीपुर में विद्युत करंट की चपेट में आने से नवयुवक की मौत पर ब्लाक प्रमुख समेत अन्य तमाम जनप्रतिनिधियों ने शोक संवेदना व्यक्त कर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया है और राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक द्वारा प्रदत्त आर्थिक सहायता परिजनों को प्रदान कर हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया है। बताते चलें कि गांव लंगोटीपुर निवासी शत्रोहन यादव के बाइस वर्षीय सुपुत्र संदीप यादव का बीते शनिवार को विजली करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। इस घटना की जानकारी मिलने पर मंगलवार को ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सिंहपुर के ब्लाक प्रमुख अंकित पासी समेत अन्य तमाम जनप्रतिनिधियों ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने राज्यमंत्री एवं तिलोई के विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह जी द्वारा प्रदत्त आर्थिक सहायता प्रदान कर हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। ब्लाक प्रमुख ने कहा कि संकट की इस घड़ी में हम सब लोग पीड़ित परिवार के साथ परछाई की तरह खड़े हैं और भविष्य में भी पीड़ित परिवार का ख्याल रखा जायेगा। इस मौके पर भाजपा नेता धर्मेश कुमार मिश्रा,कौशलेंद्र सिंह, सुशील सिंह, दिलीप यादव,पन्ना सिंह, दिग्विजय सिंह, राधेश्याम यादव, शिव कुमार साहू समेत अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन भानु गुट का आश्वासन के बाद धरना समाप्त

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन भानु के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन धरना और भूख हड़ताल आखिरकार सातवें दिन प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गया जमीन कब्जा विवाद के समाधान की मांग को लेकर 26 जून से आंदोलन कर रहे किसानों का संघर्ष उस समय निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, जब भूख हड़ताल पर बैठी करीब 65 वर्षीय महिला किसान की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई महिला किसान के बेहोश होने से धरनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई सूचना मिलते ही कोतवाल पूरनपुर मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल अस्पताल भेजा गया प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल पीलीभीत रेफर कर दिया इस घटना के बाद किसानों में प्रशासन के प्रति नाराजगी और बढ़ गई किसानों का आरोप था कि कई दिनों से शांतिपूर्ण आंदोलन के बावजूद उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया उनका कहना था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद दौरे के दौरान भी उन्हें अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया गया और कई किसानों को नजरबंद कर दिया गया था हालांकि महिला किसान की तबीयत बिगड़ने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ देर शाम एडीएम प्रसून द्विवेदी के हस्तक्षेप और तहसीलदार आशीष गुप्ता की पहल से किसानों और प्रशासन के बीच वार्ता का रास्ता निकला प्रशासन की ओर से किसानों को लिखित आश्वासन दिया गया कि 15 दिनों के भीतर विवादित भूमि का नक्शा तैयार कराया जाएगा तथा कानूनी प्रक्रिया के तहत दोनों पक्षों के बीच विवाद का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा लिखित आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी और नक्शा दुरुस्तीकरण की प्रक्रिया पर सहमति जता दी किसानों ने कहा कि यदि तय समयसीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुनः आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे इस पूरे घटनाक्रम में तहसीलदार आशीष गुप्ता की भूमिका महत्वपूर्ण रही लगातार संवाद और प्रयासों के बाद उन्होंने प्रशासन और किसानों के बीच सहमति बनवाई, जिससे सात दिन से चला आ रहा आंदोलन समाप्त हो सका अब सभी की निगाहें प्रशासन के उस वादे पर टिकी हैं, जिसे पूरा करने के लिए 15 दिन का समय निर्धारित किया गया है।

अवैध कच्ची शराब पर हजारा पुलिस का शिकंजा:10 लीटर शराब के साथ युवक गिरफ्तार

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हजारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक वरुण कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जंगल के रास्ते हाथ में जरीकेन लेकर आ रहा है, जिसमें कच्ची शराब है सूचना के आधार पर पुलिस ने टांगिया चौराहे के पास घेराबंदी की पुलिस को देखकर युवक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शमशेर सिंह उर्फ शेरी (26 वर्ष) पुत्र गुरदीप सिंह, निवासी ग्राम सिंघाड़ा उर्फ टाटरगंज, थाना हजारा बताया उसके कब्जे से एक जरीकेन में करीब 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई आरोपी शराब रखने का कोई वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका पुलिस ने बरामद शराब को नियमानुसार सील कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

शादी का झांसा देकर युवती को भगाने का आरोप, मां ने दर्ज कराई रिपोर्ट

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है मोहल्ला ढका निवासी नफीसा बेगम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 जून को उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी वह अपने पति और पुत्र के साथ इलाज कराने गई थीं इसी दौरान घर पर केवल छोटे बच्चे मौजूद थे आरोप है कि इस मौके का फायदा उठाकर रहीस पुत्र लियाकत, निवासी केसरपुर कला थाना सेहरामऊ उत्तरी, अपने सहयोगी अजमुद्दीन पुत्र हारून शाह निवासी ढका के साथ उनकी पुत्री रेशम को शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इस घटना में रहीस के परिजनों सहित अन्य लोगों का भी सहयोग रहा युवती को स्कूटी संख्या टख-32ट्ट-06818 से ले जाने की बात कही गई है परिजनों के अनुसार युवती अपने साथ सोने की बालियां, नाक की सोने की नथ तथा चांदी के पायल/तोड़े भी लेकर गई है पीड़िता की मां का कहना है कि परिवार ने काफी तलाश की, लेकिन बेटी का कोई सुराग नहीं मिला उन्होंने अनहोनी की आशंका जताते हुए बेटी की सकुशल बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है मामले की जांच जारी है।

घर के बाहर खड़ी महिला को बाइक से मारी टक्कर, विरोध करने पर मारपीट, चार नामजद

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के ग्राम चतीपुर में बाइक की टक्कर के बाद हुए विवाद में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ग्राम चतीपुर निवासी कीर्ति पत्नी बलराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 जून 2026 की शाम करीब सात बजे वह अपने घर के बाहर खड़ी थीं आरोप है कि इसी दौरान गांव निवासी गुड्डू ने लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी जब उन्होंने इसका विरोध किया तो गुड्डू ने अपने साथ सोम सिंह, अभिषेक और उषा को बुला लिया पीड़िता का आरोप है कि चारों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं इतना ही नहीं, आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से चले गए घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने श्रीराम मंदिर अयोध्या धाम दर्शन को जा रहे कांग्रेस नेताओं को किया हाउस अरेस्ट

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन के लिये अयोध्या पहुंचने से पहले ही कांग्रेस पार्टी के नेताओं को पुलिस द्वारा उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर रोक दिया गया जिससे कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने नाराजगी जताई है। तिलोई विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता राकेश मिश्रा उर्फ गुडडू मिश्रा ने बताया कि मंगलवार की सुबह वह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर पार्टी के पदाधिकारियों के साथ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करने जाना था कि थाना इन्हौना की पुलिस ने उनके आवास पर पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करने जाने पर रोक लगा दिया। थाना इन्हौना पुलिस द्वारा प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिये रोके जाने पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश मिश्रा ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा हमें आज रोका जायेगा तो हम कल जायेंगे और कल रोकेंगे तो परसों जायेंगे लेकिन प्रभु श्रीराम के दर्शन अवश्य करेंगे इससे हमें कोई नही रोक सकता है। बताते चलें कि श्रीराम मंदिर से चढ़ावा चोरी के बाद मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा दर्शन करने को लेकर पुलिस प्रशासन काफी सतर्क नजर आया जिस पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अगर यही सतर्कता पहले दिखाई जाती तो श्रीराम मंदिर से करोड़ों की धनराशि चोरी होने से बच जाती और चालीस दिन में सत्तर बार चढ़ावा चोरी होना सरकार की नाकामी को दर्शाता है। इसके अलावा जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता विजय पासी के साथ ही एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष सुमित तिवारी के घर पर भी पुलिस का पहरा रहा और श्रीराम मंदिर में दर्शन पर पुलिस द्वारा रोक लगा दी गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह घटना सत्ता के अहंकार और सरकार की संकीर्ण राजनीतिक सोच को उजागर करती है। प्रभु श्रीराम करोड़ों देशवासियों की आस्था के केंद्र हैं, किसी राजनीतिक दल या सरकार की निजी संपत्ति नही है।

एटीएम बदलकर ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना जायस पुलिस ने एटीएम बदलकर ठगी करने वाले गैर जनपद के एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिसके कब्जे से विभिन्न बैंको के विभिन्न धारकों के कुल छह एटीएम कार्ड बरामद हुये है। पुलिस ने अभियोग दर्जकर जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के मोहल्ला हटिया मजरे कस्बा जायस निवासी सैफ पुत्र आफताब द्वारा स्थानीय थाने पर लिखित सूचना दी गई कि सोमवार को बैंक ऑफ़ बड़ौदा जायस के एटीएम बूथ से रुपया निकाल रहा था तभी शुभम सोनकर पुत्र राकेश कुमार सोनकर निवासी नरसिंहगढ़ थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़ द्वारा आवेदक के एटीएम कार्ड को अपने पास रखे एटीएम कार्ड में मिला लिया गया। उक्त युवक को थाना जायस पुलिस द्वारा कब्जे में लेकर एवं प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही करते हुये थाना जायस पर अभियोग दर्जकर लिया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में उक्त युवक के कब्जे से विभिन्न बैंको के विभिन्न धारकों के कुल छह एटीएम कार्ड बरामद हुये। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त युवक के खिलाफ कौशाम्बी और फतेहपुर जनपद में तीन अपराधिक मुकदमे पहले से ही दर्ज है और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

सम्पादकीय

शहादत पर विवाद होना दुखद

मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरु किए गए ऑपरेशन सिंदूर में छह जवानों की शहादत हुई थी, जिनके नाम अब साल भर बाद जाकर मोदी सरकार ने सार्वजनिक किए हैं। शहीद छह जवानों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल में उकेरे गए हैं। देश की रक्षा और आत्मसम्मान के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाने और सर्वोच्च बलिदान देने के इस जज्बे की तारीफ शब्दों में नहीं की जा सकती न ही पर्याप्त कृतज्ञता जताई जा सकती है। कायदे से शहादत जैसे विषयों पर राजनैतिक बहस या विवाद भी नहीं होने चाहिए। लेकिन मोदी सरकार ने अब सेना को भी राजनैतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है। इसलिए शहादत पर विवादित बयानबाजी भी हो रही है। दरअसल 28 जुलाई 2025 को संसद सत्र के दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से कहा था, आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं। रक्षा मंत्री के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहा है, जिसमें सुनाई दे रहा है कि नहीं का उच्चारण उन्होंने पूरा जोर देकर किया था और तब सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी सांसदों ने मेजें थपथपाकर मुस्कुराते हुए इस बयान का स्वागत किया था। इस बयान को सुनकर यही समझ आता है कि राजनाथ सिंह साफ कह रहे हैं कि हमारे जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। राजनाथ सिंह ने उसी वक्तव्य में आगे कहा था, प्रतिपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, मुझे लगता है कि उनका यह सवाल राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने एक बार भी नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। उन्हें सवाल पूछना ही है तो उनका प्रश्न ये होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है हां। आपको प्रश्न पूछना है तो ये पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उत्तर है हां। जिस तरीके विपक्ष का नाम लेकर और उसके सवालों की नीयत पर सवाल उठाकर रक्षा मंत्री ने जवाब दिया, उसी से जाहिर था कि सेना के नाम पर मोदी सरकार राजनीति कर रही है। देश की सेना को वह मोदी सरकार की सेना की तरह बताकर उसके कामों का श्रेय अकेले लूटना चाहती है। जबकि कायदे से सेना जो भी करती है, उसकी तारीफ की हकदार केवल वही होती है, कोई राजनैतिक दल नहीं। बहरहाल, रक्षा मंत्री ने जब ये कह दिया था कि किसी जवान की क्षति नहीं हुई, तो यही माना गया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान का खूब नुकसान किया, लेकिन देश को कोई हानि नहीं हुई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से कभी लड़ाकू विमान गिराने के दावे किए गए, कभी 10 से ज्यादा जवानों को मारने के। लेकिन इन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। अब छह जवानों के नाम सामने आए हैं, तो विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई को लेकर संसद को गुमराह किया गया। एक्स पर श्री खेड़ा ने लिखा कि श्सिर्फ दो ही संभावनाएं हैं या तो रक्षा मंत्री को अपने ही मंत्रालय से जुड़े तथ्यों की जानकारी नहीं थी, जो उनकी क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है, या फिर उन्हें सच्चाई मालूम थी और इसके बावजूद उन्होंने संसद को गुमराह करने का फैसला किया। उन्होंने लिखा, जिस सरकार ने खुद को तिरंगे में लपेट रखा है और जो राष्ट्रवाद की बातें करते नहीं थकती, उसी सरकार ने इन वीरों को वह सम्मान और स्मरण नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। पवन खेड़ा ने कहा, इन वीरों के नाम देश की सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए दर्ज होने चाहिए थे। उनके परिवारों को यह महसूस होना चाहिए था कि पूरा देश उनके बलिदान को सम्मान के साथ याद कर रहा है। लेकिन इसके उलट, पूरे एक साल तक भाजपा सरकार ने उनकी शहादत को देश से छिपाए रखने का फैसला किया। इसी तरह के बयान अन्य दलों ने भी दिए, तो अब रक्षा मंत्रालय ने सफाई दी है कि श्कु छ सोशल मीडिया पोस्टों में 28 जुलाई 2025 को संसद में रक्षा मंत्री द्वारा दिए गए भाषण को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं। वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी? किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं।

आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है। एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है। **– ललित गर्ग**

काजल का साथ और कालिख से परहेज़

सुधाकर आशावादी

एक गीत का अंतरा था, अच्छों को बुरा साबित करना दुनिया की पुरानी आदत है। ये पंक्तियाँ जगह जगह अपनी उपयोगिता सिद्ध करती हैं। यदि कहीं किसी सज्जन पुरुष को दुर्जन बदनाम करने के लिए षड्यंत्रों का जाल बिछाते हैं और उस षड्यंत्र में सज्जन पुरुष को दोषी सिद्ध करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाते हैं, तब बरबस ही ये पंक्तियाँ स्मरण हो आती हैं। फिर भी सच्चाई को कोई नहीं नकार सकता, कि कोयले की दलाली में हाथ तो काले होते ही हैं। अब कोई दलाली करे या न करे, यदि कोयले के गोदाम की चौकीदारी करेगा, तो कोयले की कालिख उसके हिस्से में भी आएगी, वह भले ही कितना स्पष्टीकरण देता फिरे, कि गोदाम या गल्ले से उसका कोई संबंध नहीं है। वह तो गल्ले के पास तक जाता भी नहीं, गल्ले की कमाई से उसका कोई संबंध नहीं है, मगर जिन्हें दलाली में हिस्सा नहीं मिलेगा, वे तो उसे बदनाम करेंगे ही। अपने एक मित्र हैं। बिना जेब का कुर्ता पहनते हैं। उनके पाजामे में भी जेब नहीं रहती। बरसों से अनेक चैरिटेबल ट्रस्ट संचालित करते हैं। निराश्रित लोगों के रहने की व्यवस्था करते हैं। मानसिक रूप से विक्षिप्त बेसहारा लोगों को उपचार उपलब्ध कराते हैं। उनका मिशन मानवता के प्रति समर्पित है। पता नहीं समाज सेवा की बीमारी उन्हें कैसे लग गई। जिस दौर में हर कोई अपने परिवार के मोह से उबर नहीं पाता, येन केन प्रकारेण चारों धाम घरवाली मानकर श्रीमती जी के इशारों पर ही नृत्य करने हेतु विवश रहता है, उस दौर में वह सज्जन अपने घर का त्याग

सज्जन पुरुष को दुर्जन बदनाम करने के लिए षड्यंत्रों का जाल बिछाते हैं और उस षड्यंत्र में सज्जन पुरुष को दोषी सिद्ध करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाते हैं, तब बरबस ही ये पंक्तियाँ स्मरण हो आती हैं। फिर भी सच्चाई को कोई नहीं नकार सकता, कि कोयले की दलाली में हाथ तो काले होते ही हैं।

करके अपनी अच्छी खासी सरकारी नौकरी छोड़कर सेवा क्षेत्र में आ गए। हर व्यक्ति को अपना विश्वसनीय मानकर भरोसा करने में परहेज नहीं करते थे। उन्होंने ट्रस्ट की व्यवस्था अपने एक कर्मचारी को सौंप दी। ऐसा अक्सर होता है, कोई कोई अपना सा लगने लगता है, जिस पर आँख बंद करके भरोसा किया जाता है। जॉन डीवी की तरह प्रयोगधर्मी थे। पुरातन सत्य पर भरोसा नहीं था, सत्य को तब तक सत्य नहीं मानते थे, जब तक कि सत्य को परीक्षण की कसौटी पर खरा सिद्ध नहीं करते थे। अपने विश्वास पात्र के प्रति भी उन्होंने शायद यही दृष्टिकोण अपनाया। समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान प्राप्त करने के लिए ट्रस्ट क्षेत्र में लगी दान पेटियों और ट्रस्ट के गोदाम की चाबी अपने विश्वास पात्र के हाथ में दे दी। उन्हें क्या पता था, कि विश्वासपात्र उनकी आस्तीन का सांप सिद्ध होगा और उनकी निश्छल तपस्या को भंग करके उनके ट्रस्ट पर ग्रहण लगा देगा। दान पेटियों पर अपना अधिकार जमा कर ट्रस्ट की संपत्ति की चोरी करके अपने घर की तिजोरी भरेगा। उसके संरक्षण में आस्तीन में छिपे साँप इकट्ठा होकर ट्रस्ट को ही डसने लगेंगे। सारा जीवन ईश भक्ति में समर्पित करने वाले मित्र महोदय संदेह के घेरे में आ गए। उनकी निष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लग गया। इससे पहले कि वह अपना स्पष्टीकरण देते और अपने आपको बेगुनाह सिद्ध करने का प्रयास करते। उन्हें विधाता का स्मरण हो आया, कुछ पंक्तियाँ उनके मस्तिष्क में घुमड़ आई - हानि लाभ जीवन मरण यश अपयश विधि हाथ। और वह झोला उठाकर निकल लिए। कुछ पुरानी कहावतें उन्हें स्मरण हो आई कि काजल की कोठरी में रहकर कालिख तो सहनी ही पड़ती है।

सेहत मंत्र

अस्थमा अटैक का कारण बन सकते हैं घर में मौजूद कॉकरोच और पालतू जानवर

यदि आप अस्थमा के रोगी हैं, तो आप जानते हैं कि ठंड के मौसम या मानसून के दौरान सांस लेना आपके लिए कितना मुश्किल होता है। हालांकि, मौसम की स्थिति ही केवल ऐसी चीजें नहीं हैं बल्कि प्रदूषण और धूल भी है जो आपके अस्थमा को ट्रिगर कर सकती हैं। यदि आप अपने आप को अगले अस्थमा के दौरे से बचाना चाहते हैं, तो इन असामान्य कारकों से बचें। मोटापाः यदि आप मोटे हैं, तो आपको पहले ही अस्थमा का दौरा पड़ने का अधिक खतरा है। डॉक्टरों के अनुसार, जो लोग मोटे होते हैं उनके फ़ेफड़ों के नीचे विस्तार होता है जो उन्हें कम सांसें लेने के लिए मजबूर करता है जिससे उन्हें जलन होने का खतरा होता है और यह अस्थमा के हमलों को ट्रिगर करता है। कॉकरोचः एलर्जी के कारण अस्थमा हो सकता है और कॉकरोच के शरीर के अंगों, लार और कचरे में प्रोटीन होता है जो एलर्जी का कारण बन सकता है। यदि आप दमा के शिकार हैं, तो आपको अपने घर को जितना संभव हो सके कॉकरोच मुक्त रखना चाहिए। प्लास्टिकः पर्यावरण की बेहतरी की दिशा में अपने हिस्से को योगदान करने के लिए प्लास्टिक के उपयोग से बचें, बल्कि यह भी कि यदि आप इस बीमारी से पीड़ित हैं, तो यह आपके अगले अस्थमा के दौरे का कारण बन सकता है। लेडीबग्सः लेडीबग्स अपने बचाव तंत्र के रूप में एक नारंगी तरल पदार्थ छोड़ते हैं और जब वह द्रव हवा के साथ मिल जाता है तो यह अस्थमा को प्रेरित कर सकता है। विशेष रूप से, एशियाई लेडीबग्स आपके अस्थमा को ट्रिगर करने के लिए जानी जाती है यदि आप इन बगों के प्रति संवेदनशील हैं। पालतू जानवरः यदि आप दमा के शिकार हैं, तो आपको अपने पालतू जानवरों के प्रति अपने प्यार को छोड़ना होगा। कई अध्ययनों के अनुसार, आपके पालतू जानवरों की फर, मृत कोशिकाएं, लार सब कुछ एक प्रोटीन का वहन करती है जो आपके अस्थमा की समस्या को और अधिक बदतर बना सकती है।

धर्म मंत्र

शीतला माता साफ-सफाई स्वच्छता एवं आरोग्य की देवी

शीतला माता साफ-सफाई,स्वच्छता एवं आरोग्य की देवी हैं, आज कोरोना महामारी काल में इनकी पूजा करना और भी प्रासंगिक हो जाता है। शीतला माता अपने हाथों में सूप, झाड़ू, नीम के पत्ते और कलश धारण करती हैं, जो कि स्वच्छता और रोग प्रतिरोधकता के प्रतीक हैं। मान्यता है कि शीतला माता की पूजा करने से परिवार को रोग ऽ दोष और बीमारियों से मुक्ति मिलती है। शीतलाष्टमी, जिसे बसौड़ा के नाम से भी जाना जाता है, 02 जुलाई दिन शुक्रवार को है। शीतलाष्टमी, हिंदी पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल ये तिथि है 02 जुलाई दिन शुक्रवार को पड़ रही है। शीतलाष्टमी को बसौड़ा भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन शीतला माता को बासी भोजन का ही भोग लगाया जाता है। एक दिन पहले घर की साफ-सफाई करके मां के भोग के लिए दही, पुआ, पूड़ी, बाजरा और मीठे चावल बनाए जाते हैं। भोग लगाने के बाद घर के सभी सदस्य बासी भोजन ही करते हैं, मान्यता है कि इस दिन घर में चूल्हा नहीं जलाना चाहिए। शीतलाष्टमी के दिन सबेरे उठकर सबसे पहले स्नान आदि दैनिक कर्म से निवृत्त हो जाना चाहिए। शीतलाष्टमी के पूजन में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। इस दिन नारंगी रंग के कपड़े पहनाना शुभ माना जाता है। मां को भोग लगाने के लिए थाली में दही, पुआ, पूड़ी, बाजरा और मीठे चावल आदि रखने चाहिए। मां को सबसे पहले रोली,अक्षत, मेहंदी और वस्त्र चढ़ाते हैं और ठंडे पानी से भरा लोटा मां को समर्पित करते हैं।

पर्यटन

कर्नाटक के कश्मीर नाम से मशहूर कुर्ग की खूबसूरती देखनी है, तो मानसून है बेहतरीन सीज़न

हरे-भरे पेड़-पौधों की चादर में लिपटी कुर्ग की पहाडि़यों को चूमते गरजते काले बादलों को देखने इन दिनों सैलानियों की भीड़ लगी हुई है। प्रकृति यहां एक 'ओपन थियेटर' के रूप में नजर आती है, जिसे देखने का रोमांच आप यहां आकर ही महसूस कर सकते हैं। यूं तो कुर्ग हर मौसम में आकर्षक लगता है, लेकिन बारिश को खास पसंद करने वालों के लिए यह अभी धरती पर एक जन्नत बना हुआ है। सर्दियों में यह जिला मां प्रकृति की गोद में गहरी निद्रा में डूबने के लिए आतुर सूर्यदेव को अलविदा कहने का मंच बन जाता है। इसे कभी 'भारत का स्कॉटलैंड' तो कभी 'कर्नाटक का कश्मीर' कहा जाता है। कुर्ग, कर्नाटक के दक्षिण-पश्चिम भाग में पश्चिमी घाट के पास एक पहाड़ पर स्थित जिला है, जो समुद्र तल से लगभग 900 मीटर से 1715 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह दक्षिण भारत के लोगों का प्रसिद्ध वीकेंड गेटवे है। दक्षिण कन्नड़ के लोग यहां विशेष रूप से वीकएंड मनाने आते हैं। इस छोटे से जिले में 3 ताल्लुक आते हैं- मादीकेरी, सोमवारापेटे और वीराजापेटे। मादीकेरी कुर्ग का मुख्यालय है। कावेरी की जलधारा के भीषण बहाव से पैदा होती गर्जना आपको मीलों दूर से अपनी ओर आकर्षित करेगी, मानो यह जलधारा कह रही हो कि कुछ क्षण के लिए दुनिया का सारा कोलाहल भूलकर इस जलध्वनि के संगीत में खो जाएं। वन विभाग ने यात्रियों की सुविधा के लिए यहां एक 'व्यू पॉइंट' का निर्माण भी किया है, जहां से आप घंटों तक एब्बी जलप्रपात की तेज धारा में अपने को विलीन कर सकते हैं। कुर्ग से तकरीबन 20-25 किमी. दूर है मंगलपट्टी। पुष्पगिरि के घने जंगल से गुजरकर पहाड़ों की समतल चोटियों पर स्थित मंडलपट्टी की ढलान सहसा लुभा लेती है। बारिश के मौसम में ताजा नहाए घास एवं हवा के झोंकों के साथ झूमते जंगली फूलों से इस पट्टी की सुंदरता दोगुनी हो जाती है। बादलों में लिपटी इस घाटी में जीप की सफारी करना लगभग हर यात्री की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रहता है।

युवक की संदिग्ध मौत पर फूटा जनाक्रोश

लखनऊ-बहराइच हाईवे दो घंटे रहा जाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। रामनगर थाना क्षेत्र के कटियारा गांव में युवक जितेंद्र चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने मंगलवार को जनाक्रोश का रूप ले लिया। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब दोपहर करीब तीन बजे सैकड़ों की संख्या में लोग शव को लेकर लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंच गए और सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा।

ग्रामीणों का आरोप था कि युवक की मौत सामान्य नहीं है और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई, लेकिन कुछ ही देर में हालात बेकाबू हो गए। आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर ईंट-पत्थरों की बौछार शुरू कर दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पथराव के दौरान रामनगर थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में पत्थर लगने से गहरी चोट आई और वह कुछ समय के लिए अचेत हो गए। कोतवाल के घायल होने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि पुलिस बल को कुछ समय के लिए पीछे हटना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उग्र भीड़ ने पुलिसकर्मियों को लगभग 500 मीटर तक खदेड़ दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में अराजकता का माहौल पैदा हो गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और युवक शामिल रहे, जिनका आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा था। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहले से मौजूद करीब 50 से 60 पुलिसकर्मी, जिनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं, लगातार प्रयास करते रहे, लेकिन भीड़ का गुस्सा शांत नहीं हो सका। हालात की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी रामनगर आनंद कुमार तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत अतिरिक्त पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से वार्ता कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। काफी मशक्कत और समझाइश के बाद अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को जाम समाप्त करने के लिए राजी किया, जिसके बाद करीब दो घंटे बाद हाईवे पर यातायात बहाल हो सका। हालांकि घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बना हुआ है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक की मौत के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्रामीण निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। कटियारा गांव में हुई इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। युवक की मौत के बाद उपजा जनाक्रोश और उसके बाद हुआ हिंसक प्रदर्शन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

- ❑ पथराव में कोतवाल अरुण प्रताप सिंह घायल, ग्रामीणों और पुलिस में जमकर टकराव
- ❑ उग्र भीड़ ने पुलिस को 500 मीटर तक खदेड़ा, क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल

दर्शन से रोकने पर भड़के कांग्रेस नेता पुनिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

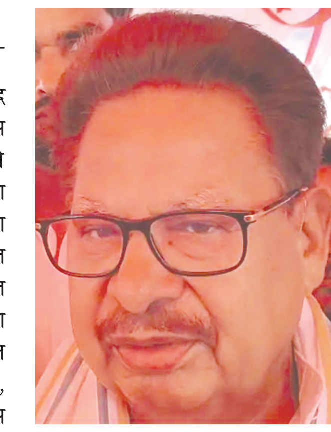

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने बदोसराय में कांग्रेस नेताओं को रामलला के दर्शन से रोके जाने पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या दर्शन के लिए भाजपा सरकार से अनुमति लेनी होगी। पुनिया पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति शेष बेनी प्रसाद वर्मा के पुत्र स्व.दिनेश वर्मा की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने रसूलपुर बदोसराय पहुंचे थे, जहां उन्होंने मीडिया से बात की।कांग्रेस चुनाव समिति के सदस्य पूर्व सांसद पुनिया ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पहले अकेले दर्शन कर चुके हैं, लेकिन जब अन्य नेताओं के साथ दर्शन करने जा रहे थे, तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने सवाल किया कि क्या कहीं ऐसा लिखा है कि समूह में दर्शन नहीं किया जा सकता, या यह भाजपा की रणनीति है।इस दौरान पीएल पुनिया ने दान चोरी के मामले पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में केवल छोटे लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है, जबकि मुख्य रूप से शामिल बड़े अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के नाम हटा दिए गए हैं।पुनिया ने मांग की कि मामले में मुख्य रूप से शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाए और पहले से गिरफ्तार किए गए लोगों को रिमांड पर लिया जाए। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की रिमांड की मांग क्यों नहीं की।

पूर्व सांसद रामसेवक यादव के पुत्र अमिताभ यादव का निधन, समाजवादी जगत में शोक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। पूर्व सांसद एवं प्रखर समाजवादी नेता स्वर्गीय रामसेवक यादव के पुत्र अमिताभ यादव का निधन हो गया। वह लगभग 74 वर्ष के थे। उनके निधन से परिवार के साथ-साथ समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। विडंबना यह रही कि उनका निधन ऐसे समय हुआ, जब 2 जुलाई को उनके पिता रामसेवक यादव की जन्मशती मनाने की तैयारियां चल रही थीं, जिनमें अमिताभ यादव स्वयं सक्रिय रूप से जुटे थे। अमिताभ यादव राजनीति से दूर रहे, लेकिन अपने पिता की समाजवादी विरासत और इतिहास को सहेजने में हमेशा अग्रणी रहे। उन्होंने केंद्रीय विद्यालय में हेड क्लर्क के पद से 12 जून 2012 को सेवानिवृत्ति के बाद सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत किया। उनकी माता स्वर्गीय पार्वती देवी वर्ष 1980-85 के दौरान बाराबंकी सदर (नवाबगंज) विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहीं। वयोवृद्ध समाजवादी चिंतक राजनाथ शर्मा ने अमिताभ यादव को विनम्र, शालीन और सादगी का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने बिना किसी राजनीतिक स्वार्थ के समाजवादी आंदोलन और उसके इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने परिवारवाद से दूर रहकर नैतिक राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया। अमिताभ यादव अपने पीछे पत्नी उषा यादव, तीन पुत्र-हिमांशु यादव, अमित यादव, शशांक यादव तथा पुत्री मुक्तिका यादव को छोड़ गए हैं। उनके बड़े पुत्र एवं समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव हिमांशु यादव ने बताया कि बुधवार सुबह 10 बजे कमरियाबाग स्थित पैतृक श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अमिताभ यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

सरस्वती शिक्षा मंदिर में सजा काव्य का मंच, व्यंग्य और साहित्यिक रचनाओं ने बांधा समां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। कस्बे के सरस्वती शिक्षा मंदिर में मंगलवार को आयोजित कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह साहित्य, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति का आकर्षक संगम बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक प्रमोद कुमार उपाध्याय ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि प्रमोद पंकज ने प्रभावशाली अंदाज में किया। उन्होंने समसामयिक विषयों पर व्यंग्य से भरपूर कविताओं का पाठ कर सामाजिक विसंगतियों पर तीखा कटाक्ष किया। उनकी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को खूब गुदगुदाया, वहीं सभागार तालियों की गूंज से देर तक गूंजता रहा।

इस अवसर पर शिक्षक राजेश त्रिपाठी ने अपनी संवेदनशील कविता के माध्यम से समाज में बदलते विचारों और मानवीय मूल्यों पर चिंतन प्रस्तुत किया। उनकी रचना को भी उपस्थित लोगों ने सराहना के साथ सुना।

समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रबंधक प्रमोद कुमार उपाध्याय ने कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे साहित्यिक आयोजनों से विद्यार्थियों में भाषा, संस्कृति और रचनात्मक सोच का विकास होता है तथा नई पीढ़ी भारतीय संस्कारों से जुड़ती है। उन्होंने भविष्य में भी विद्यालय में इसी प्रकार के साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों, कवियों और उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अमिता गुप्ता, राधेश्याम त्रिपाठी, चंद्रमौली त्रिपाठी, रवि सोनी, राजेश त्रिपाठी, पारुल त्रिपाठी, प्रागति सोनी, तान्या शुक्ला, संध्या शर्मा सहित विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

फर्जी बैनामे का आरोप, एसडीएम ने दिए जांच के आदेश

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। डेरउजा गांव के बंशी लाल ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर 13 बीघा कृषि भूमि का बैनामा कराने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से शिकायत की है। उनका आरोप है कि उनकी जगह किसी अन्य व्यक्ति की फोटो लगाकर कूटरचित विक्रय पत्र के जरिए जमीन का पंजीकरण कराया गया। एसडीएम अनिल कुमार सरोज ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं उपनिबंधक कार्यालय ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही रजिस्ट्री की गई थी। जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई होगी।

शमशान भूमि अतिक्रमण मुक्त, मजार पिलर ध्वस्त

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बदोसराय थाना क्षेत्र के मदारपुर गांव में हिंदू मरघट की भूमि पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को प्रशासन ने मंगलवार को हटा दिया। दोबारा पैमाइश में जमीन मरघट के नाम दर्ज मिलने पर एसडीएम अनिल कुमार सरोज की मौजूदगी में जेसीबी से मजार के लिए बनाए जा रहे पिलरों को ध्वस्त कराया गया। प्रशासन ने दोबारा कब्जे की कोशिश पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

ग्राम प्रधान के पति पर हमला, 11 नामजद समेत 3 अज्ञात पर मुकदमा

निंद्रा, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुर्सी थाना क्षेत्र में ग्राम प्रधान प्रीति यादव के पति एवं मेडिकल स्टोर संचालक प्रदुम्न यादव और उनके भाई प्रवीण यादव पर दुकान में बंधक बनाकर लाठी-डंडों से हमला करने के मामले में पुलिस ने 11 नामजद और 3 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बताया गया कि कार ओवरटेक को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी तीन गाड़ियों से दुकान पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया। दोनों घायलों का लखनऊ के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां प्रवीण की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपियों में एक गैर जनपद में तैनात सिपाही भी शामिल है।

शारदा नहर में मिला अज्ञात महिला का शव

निंद्रा, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बड्डूपुर क्षेत्र के भगौली स्थित शारदा सहायक नहर में मंगलवार को करीब 25 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक शव कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। मृतका की पहचान कराने के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों को सूचना भेजी गई है और मामले की जांच जारी है।

निजी विद्यालयों द्वारा शोषण भाकियू का विरोध, अल्टीमेटम

सिद्धौर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन (श्रमिक जनशक्ति) के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को अयोध्या युवा मंडल अध्यक्ष शिवकुमार के नेतृत्व में सिद्धौर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय (केसरगंज) पहुंचकर 9 सूत्रीय ज्ञापन एनएसआई सरवन कुमार को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र के कई निजी विद्यालय अभिभावकों पर महंगी एवं अनावश्यक पुस्तकें खरीदने का दबाव बना रहे हैं। साथ ही, उन्हें एक ही निर्धारित दुकान से किताबें खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है। इसके अलावा, क्षेत्र में संचालित बिना मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की जांच कराने की भी मांग की गई। भाकियू ने ज्ञापन में कुल नौ बिंदुओं पर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करना अत्यंत आवश्यक है। संगठन ने क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में तैनात शिक्षकों की सूची भी उपलब्ध कराए जाने की मांग उठाई। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर मांगों पर निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन को धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

एक महीने बाद मूक बधिर बच्चे को नहीं ढूंढ पाई गोसाईगंज पुलिस

गोसाईगंज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गोसाईगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महीना पहले मूक बधिर व्यक्ति घर से चला गया जिसका आज तक कहीं पता नहीं चल सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमालपुर कुर्मियान मजरा रतियामऊ निवासी अली हसन उम्र 34 वर्ष जो मूक बधिर है, 28 मई को उन्नाव के लिए घर से निकला था ना तो उन्नाव पहुंचा ना ही वापस घर आया। परिजनों ने काफी खोजबीन की। नाते रिश्ते दारों के यहां काफी खोजबीन की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। इस मामले में पिता इंतजार अली ने गोसाईगंज थाने में 7 जून 2026 को प्रार्थना पत्र देकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका, इस मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि गुमशुदा की तलाश जारी है मिलने पर तत्काल पारिवारी जनों को सूचना प्राप्त कराई जाएगी।

यूपीटीईटी-2026: 14 परीक्षा केंद्रों पर 4,488 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, तैयारियां पूरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। यूपीटीईटी-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक (सेवानिवृत्त आईएएस) प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव एवं जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों एवं सह केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आयोग की गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पर्यवेक्षक प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी व सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने बताया कि जनपद में परीक्षा 2 व 3 जुलाई को दो-दो पालियों तथा 4 जुलाई को प्रथम पाली में आयोजित होगी। इसके लिए 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 4,488 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रत्येक केंद्र पर केंद्र व्यवस्थापक, सह केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जबकि तीन से चार केंद्रों पर एक-एक जोनल मजिस्ट्रेट निगरानी करेंगे।

जिलाधिकारी ने सभी केंद्रों पर सीसीटीवी, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था तथा प्रश्नपत्रों की गोपनीयता सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। बैठक में एडीएम (एफ/आर) निरंकार सिंह, एसपी दक्षिणी रितेश कुमार सिंह, डीआईओएस अमिता सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

छठी पुण्यतिथि दिनेश को भावपूर्ण श्रद्धांजलि, भंडारा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय बेनी प्रसाद वर्मा के पुत्र स्वर्गीय दिनेश कुमार वर्मा की छठी पुण्यतिथि पर रवि किशन सेवा केंद्र में श्रद्धांजलि सभा और भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया, पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, विधायक गौरव रावत सहित विभिन्न दलों के नेताओं और क्षेत्रीय लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। परिवार की ओर से हवन-पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

'सरकार को छेदाम नहीं, कारोबारियों की तिजोरियां भर गईं'

ककरहिया-सुल्तानपुर में अवैध प्लाटिंग से बसा दिया 'शहर', ग्रीन बेल्ट पर होटल, बिना नक्शे अस्पताल

विकास तिवारी

बाराबंकी। नवाबगंज तहसील के ककरहिया बनवा गांव और सुल्तानपुर गांव अब शहर जैसे जगमग हो गए हैं। पर ये रौनक सरकारी प्लानिंग से नहीं, अवैध प्लाटिंग के धंधे से आई है। आरोप है कि जमीन कारोबारियों ने तिजोरियां भर लीं, लेकिन सरकार के खाते में एक छेदाम भी नहीं आया। यह खुलासा महंत बी.पी. दास ने 30 जून 2026 को डीएम बाराबंकी को दिए शिकायती पत्र में किया है। पत्र के साथ 95 अवैध प्लाटिंग और निर्माणों की पूरी लिस्ट भी संलग्न है।

डीएम से मांग सीबीआई जांच हो, 24 मार्च 2025 के नोटिस पर अब तक चुप्पी क्यों?

'महायोजना को किया चिन्दी-चिन्दी'

महंत का आरोप है कि विनियमित क्षेत्र बाराबंकी की प्रावधानित महायोजना को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया है।

पत्र के 5 बड़े खुलासे:

1. ग्रीन बेल्ट पर होटल-बारातघर: लखनऊ रोड, ग्राम ओबरी में 'मयूर विहार कॉलोनी' उद्योग क्षेत्र में बसा दी गई। यहीं मयूर होटल और बारात घर भी बन गया, जबकि अधिकांश हिस्सा महायोजना में 'ग्रीन बेल्ट' है।

2. सड़क निगल गया कॉम्प्लेक्स: लखनऊ रोड ओबरी गाटा संख्या 608 पर बहुमंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स सड़क का अतिक्रमण कर बन रहा है।

3. बिना नक्शे का शहर: ग्राम बदेल में बिना नक्शा पास कराए विशाल अस्पताल। बाराबंकी शहर और आसपास दर्जनों नर्सिंग होम, अस्पताल और मैरिज लान बिना मानचित्र पास कराए चल रहे हैं।

बाराबंकी शहर व आसपास विनियमित क्षेत्र सीमा में अनेक नर्सिंग होम अस्पताल व मैरिज लॉन बिना भवन मानचित्र पास कराए अवैध रूप से बनवाए गए हैं और बनवाई जा रहे हैं।

निबलेट मार्केट में हिमांशु टाइल्स कचहरी स्टेशन रोड पशु चिकित्सालय के सामने अवैध व्यावसायिक परिसर तथा राजकमल रोड पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का अवैध निर्माण प्राधिकारी विनिमय क्षेत्र के संरक्षण में किया गया है। शुगर मिल गवारी रोड पर साईं सिटी व साईं नगर तथा शिवा ग्रीन सिटी अवैध रूप से विकसित है। विकास भवन के निकट कोठी डी में हनुमत नगर, उज्जवल नगर बरेली में मयूर विहार कॉलोनी मेडिकल कॉलेज के सामने विनायक विहार कॉलोनी आदि ऐसी कॉलोनी बसा दी गई है जिनका ना तो मानचित्र स्वीकृत है और ना ही आवश्यक औपचारिकता ही पूर्ण है

4. नोटिस = रद्दी: रियल स्टेट कारोबारियों को 200 नोटिस भेजे गए। आरोप है कि फाइलें ऑफिस से गुम कर दी गईं। 24 मार्च 2025 को दिए गए नोटिस पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं।

5. सरकारी जमीन, प्राइवेट कमाई: नवाबगंज के ककरहिया बाबा व सुल्तानपुर में अवैध प्लाटिंग कर 'भव्य नगर' बसा दिया गया। महंत ने लिखा है, ''कारोबारियों व संबंधित कर्मचारियों ने तिजोरियां भरीं, पर शासन-प्रशासन के खाते में एक धेला नहीं आया।

'नोटिस का कारोबार चल रहा है'

पत्र की सबसे तीखी लाइन: ''विनियमित क्षेत्र प्राधिकारी कार्यालय नोटिस कारोबार कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए तो मुनाफ़े का जरिया है, लेकिन शासन प्रशासन को करोड़ों का नुकसान।''

अब क्या चाहते हैं महंत?

1. किसी स्वतंत्र/सीबीआई एजेंसी से निष्पक्ष जांच।
2. दोषी अधिकारियों और बिल्डरों पर कठोर कार्रवाई।
3. सभी अवैध निर्माणों पर तत्काल रोक।

प्रशासन का पक्ष: डीएम कार्यालय ने पत्र प्राप्ति की पुष्टि की है। सूत्रों का कहना है कि मामले की विधिक जांच कराई जा रही है।

अब सवाल सीधा है: जब सबूत कागज पर हैं, गांव शहर बन चुके हैं, तो कार्रवाई का इंतजार किस बात का ?

कागज vs जमीन

महायोजना में: ग्रीन बेल्ट, उद्योग क्षेत्र, कृषि भूमि
जमीन पर: होटल, कॉलोनी, अस्पताल, मैरिज हॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स
नोटिस: 200 भेजे गए, कार्रवाई: 0

इंग्लैंड के खिलाफ ठोस शुरुआत करने उतरेगा भारत, सूर्यवंशी के पदार्पण पर रहेंगी नजरें

एजेंसी

चेस्टर ली स्ट्रीट (ब्रिटेन)। वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित पदार्पण और मुश्किल विकेटों पर बल्लेबाजी की कमजोरियां इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत के लिए चर्चा का मुख्य विषय रहेंगे।

भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा है कि सूर्यवंशी को भी किसी अन्य क्रिकेटर की तरह एकादश में जगह पाने के लिए 'प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा'। साथ ही उन्होंने यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि 15 साल का यह आक्रामक खिलाड़ी कड़ी मेहनत के लिए तैयार दिखता है। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या प्रबंधन इस बात पर अडिग रहेगा कि सूर्यवंशी को प्रक्रिया का पालन करना चाहिए जबकि इस विस्फोटक बल्लेबाज को टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है। डोएशे

ने माना कि पिछले हफ्ते आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है और यह बड़े बदलावों का कारण बन सकता है। आयरलैंड के खिलाफ संजू सैमसन की दोहरी विफलता उन्हें बाहर बैठाने और सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका देने का कारण हो सकती है। अभिषेक को बेलफास्ट में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 20 गेंद में 49 रन की पारी के कारण फिर मौका मिल सकता है। इशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए और एक तथा 12 रन पर आउट हो गए। इसलिए प्रबंधन सूर्यवंशी को शामिल करने के लिए उन्हें भी बाहर कर सकता है लेकिन वे इस बात पर विचार करेंगे कि ऐसे कदम का बाहर किए गए बल्लेबाज़ के मनोबल पर क्या असर पड़ सकता है। अगर सैमसन को देखें तो उन्होंने इस साल टी20 विश्व कप के अंतिम चरण के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया था और आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए दो शतक भी लगाए थे। हालांकि चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की अगुवाई वाला टीम प्रबंधन कड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटता और जिन्हें शक है वे सूर्यकुमार यादव का उदाहरण देख सकते हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव को पदार्पण का मौका दिया जिससे सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के लिए इंतजार करना पड़ा। हालांकि सिर्फ सूर्यवंशी को टीम में शामिल करने से भारत की बल्लेबाजी की समस्याओं का तुरंत समाधान नहीं हो जाएगा क्योंकि इन समस्याओं के कई पहलू हैं। तेज गेंदबाजों की अनुकूल बेलफास्ट की पिच पर कोई भी भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिख रहा था। जब हालात और आयरलैंड के गेंदबाजों की सटीक गेंदबाजी ने आक्रामक बल्लेबाजी के रास्ते बंद कर दिए तो भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशानी हुई।

गुकेश, प्रज्ञानानंदा जागरेब रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे

एजेंसी

जागरेब (क्रोएशिया)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने भले ही क्लासिकल शतरंज से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया हो लेकिन बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए उनकी प्रतिबद्धता बरकरार है और वह बुधवार से यहां शुरू हो रहे जागरेब रेपिड एंव ब्लिट्ज टूर्नामेंट में दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करेंगे। यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है जो शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाने का सबसे बड़ा मंच है। ग्रैंड शतरंज टूर के तहत इस साल की यह तीसरी प्रतियोगिता होगी और इसके बाद तीन और प्रतियोगिताएं होनी हैं। इस प्रतियोगिता में भारतीय स्टार आर प्रज्ञानानंदा भी हिस्सा लेंगे जिन्होंने हाल ही में नॉर्वे शतरंज में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पछाड़कर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता में रेपिड शतरंज के नौ दौर जबकि ब्लिट्ज शतरंज के 18 दौर खेले जाएंगे। रेपिड में हर जीत के लिए

दो अंक और ड्रॉ के लिए एक अंक मिलेगा जबकि ब्लिट्ज में जीत के लिए एक अंक और ड्रॉ के लिए आधा अंक दिया जाएगा। गुकेश ने अपने हालिया प्रदर्शन का हवाला देते हुए ग्रैंड चेस टूर से हटने का फैसला किया था। मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश को इस साल के आखिर में जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ अपने विश्व खिताब का बचाव करना है और इस बात पर अलग-अलग राय है कि इसे कौन जीतेगा। मुख्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लेने के बावजूद गुकेश ने वाइल्ड कार्ड धारक के तौर पर रेपिड और ब्लिट्ज वर्ग में खेलने का फैसला किया है। प्रज्ञानानंदा के लिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वह तेज प्रारूप में कैसे खेलते हैं क्योंकि उन्होंने नॉर्वे शतरंज में अपनी जबरदस्त इच्छाशक्ति और बेहतरीन योजना से जीत हासिल की थी। वह यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय भी बने थे। जर्मनी के विन्सेंट कीमर, नीदरलैंड के अनीश गिरी और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा तीनों रेटिंग के हिसाब से जीत के दावेदार माने जा रहे हैं। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव एक और खतरनाक प्रतिद्वंद्वी हैं और उनके साथ जोर्डन वैन फॉरेस्ट भी हैं जिन्हें आखिरी समय में टूर में शामिल किया गया था। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, सर्बिया के इवान सारिक और रोमानिया के डिएक बोगदान डैनियल भी प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

स्टोक्स को संन्यास नहीं लेने के लिए मनाने की कोशिश की थी: मैकुलम

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने खुलासा किया कि उन्होंने बेन स्टोक्स से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया था लेकिन तब तक वह अपना मन बना चुके थे। इंग्लैंड सोमवार को ट्रेंटब्रिज में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा और अंतिम टेस्ट 160 रन से हार गया। स्टोक्स ने इस मैच के चौथे दिन ही संन्यास की घोषणा कर सभी को चौंका दिया। मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, ''जब उन्होंने मुझे बताया कि वह संन्यास लेने जा रहे हैं तो मैंने उन्हें मनाने की कोशिश की थी। लेकिन तब तक वह अपना मन बना चुके थे और अपने फैसले पर अडिग थे। उन्होंने कहा, ''उनके फैसले से निश्चित तौर पर मैं थोड़ा उदास हो गया था क्योंकि हम चार साल से इस सफर में साथ रहे हैं और यह एक रोमांचक अनुभव रहा है। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस दौरान स्टोक्स के साथ इतने करीब से काम करने का मौका मिला। मैं उन्हें अपना दोस्त, एक सच्चा दोस्त मानता हूं। मैकुलम ने कप्तान और खिलाड़ी के रूप में स्टोक्स के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें बहुत अच्छा नेतृत्वकर्ता बताया। उन्होंने कहा,''वह शानदार नेतृत्वकर्ता हैं। लोग उनका अनुसरण करते हैं। चाहे वह मैदान पर हों, ड्रेसिंग रूम में हों, टीम होटल में हों, लोग उनका अनुसरण करते हैं क्योंकि वह अपनी छाप छोड़ते हैं। वह अपने विचारों और तरीकों पर पूरा भरोसा रखते हैं। मैकुलम ने कहा, ''क्रिकेट अनिश्चितता का खेल है लेकिन वह अपनी उपस्थिति से इसमें स्थिरता लाते थे। वह बेमिसाल व्यक्तित्व के धनी हैं। परिस्थिति कैसी भी हो वह पीछे नहीं हटते और अपने पर पूरा विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा, ''इसलिए हमें बेन की बहुत कमी खलेगी। उनके जैसे खिलाड़ी की जगह भरना बहुत मुश्किल है। लेकिन यही तो दुनिया का नियम है। कोई भी खिलाड़ी हमेशा नहीं खेल सकता, कोई भी हमेशा कप्तान नहीं रह सकता। अभी हम स्टोक्स की उपलब्धियों का जश्न मनाना चाहते हैं। इसके बाद ही आगे के बारे में सोचेंगे।''

वसीम जाफर को 2026-27 घरेलू सीजन से पहले हैदराबाद का मेंटर किया गया नियुक्त

हैदराबाद। हैदराबाद ने 2026-27 के घरेलू सीजन से पहले पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर को मेंटर नियुक्त किया है। जाफर की नियुक्ति दो साल के लिए होगी, इस दौरान वह सीनियर और एज-ग्रुप, दोनों तरह की टीमों के साथ काम करेंगे। माना जा रहा है कि जाफर को टीम में शामिल करने का फैसला अंबाती रायडू के जोर देने पर लिया गया है, जो घरेलू स्तर के किसी अनुभवी भारतीय कोच को टीम से जोड़ना चाहते थे। रायडू, जिन्हें हाल ही में हैदराबाद का 'हेड ऑफ क्रिकेट ऑपरेशन्स' बनाया गया है, का मानना है कि जाफर S जो 10 बार रणजी ट्रॉफ़ी जीत चुके हैं और इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह टीम में जीतने वाली सोच लेकर आएंगे। 2020 में संन्यास होने के बाद से, जाफर ने कई घरेलू टीमों के साथ काम किया है, जिनमें विदर्भ, उत्तराखंड, ओडिशा और पंजाब प्रमुख हैं। उन्होंने बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ सलाहकार बल्लेबाजी कोच के तौर पर भी काम किया है। 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद अपने ग्रुप में चौथे स्थान पर रही; वे सात मैचों में सिर्फ़ एक ही पूरी जीत हासिल कर पाए। वे 50-ओवर वाली विजय हजारे ट्रॉफी में भी ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाए, लेकिन सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन बेहतर रहा। जाफर की नियुक्ति उन कई कदमों में से एक है जो मई में पदभार संभालने के बाद रायडू की अगुवाई वाली हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) टीम ने उठाए हैं। उन्होंने तेलंगाना टी-20 लीग को मंजूरी दी है S जो आठ टीमों वाला एक फ्रैंचाइज़ी टूर्नामेंट है और 12 जुलाई तक चलेगा S साथ ही एचसीए के अधिकार क्षेत्र में आने वाले ज़िलों में कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की योजना भी बनाई है।

इस हफ्ते पूर्वी अमेरिका में होने वाले विश्व कप मैच होंगे गर्मी से बुरी तरह प्रभावित

लॅस एह्ह्हजह्हलस। अमेरिका में गर्मियों में होने वाले फुटबॉल विश्व कप पर गर्मी का असर पड़ना तय था लेकिन इस हफ्ते होने वाले कुछ नॉकआउट दौर के मुकाबलों के दौरान तापमान खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए खतरनाक हो सकता है। इस हफ्ते अमेरिका के मध्य और पूर्वी हिस्सों में खतरनाक 'हीट डोम' (गर्मी का गुंबद) छा जाएगा। इससे कुछ इलाकों में हवा के तापमान और नमी को मिलाकर तय किया जानोन वाला 'हीट इंडेक्स' तापमान 100 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 38 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर जा सकता है। इन हालात में विश्व कप की मेजबानी करने वाले शहरों जैसे बोस्टन, फिलाडेल्फिया और कन्सास सिटी में तापमान औसत से अधिक रहेगा। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली कंपनी 'एक्यूवेदर' के सहायक मुख्य वीडियो मौसम विज्ञानी जेफ कॉर्निश ने कहा, ''यह हफ्ता बहुत अधिक गर्म रहने वाला है। यह गर्मी की एक बहुत तेज लहर (हीट वेव) होगी जैसी हर साल देखने को नहीं मिलती। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले मुकाबलों के दौरान भीषण गर्मी को लेकर कई महीनों से चिंताएं बनी हुई हैं। तेल, गैस और कोयले के इस्तेमाल से तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में खतरनाक गर्मी बढ़ रही है। राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन के अनुसार अमेरिका में हर साल तूफान, बाढ़ और बवंडर जैसी मौसम से जुड़ी अन्य सभी घटनाओं की तुलना में गर्मी से अधिक लोगों की मौत होती है। इस हफ्ते कितनी गर्मी होगी? राष्ट्रीय मौसम सेवा ने फिलाडेल्फिया और आसपास के इलाकों के लिए बुधवार दोपहर से शनिवार शाम तक भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की है। दिन के समय खतरनाक रूप से गर्म 'फील लाइक' तापमान (यानी गर्मी का एहसास कराने वाला तापमान) 110 डिग्री फारेनहाइट ल(लगभग 43.3 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच सकता है। इसके चलते फिलाडेल्फिया में फीफा का 'फैन फ़ेस्टिवल' इस हफ्ते अपने समय में बदलाव कर रहा है। कॉर्निश ने कहा, ''जो लोग गर्मी से निपटने की तैयारी किए बिना लंबे समय तक बाहर रहेंगे उनके लिए यह अत्यधिक गर्मी और खतरनाक स्थिति होगी। कन्सास सिटी और पश्चिमी-मध्य मिसौरी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार रात तक भीषण गर्मी की चेतावनी जारी है। यहां हीट इंडेक्स 105 से 110 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 40.6 से 43.3 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंचने की उम्मीद है। न्यूयॉर्क शहर के इलाके में तापमान रिकॉर्ड के करीब है। यहां तापमान 109 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 42.8 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच सकता है और रात में भी गर्मी से बहुत कम राहत मिलेगी। बुधवार दोपहर से शनिवार शाम तक भीषण गर्मी की चेतावनी लागू रहेगी। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा, ''इतनी अधिक गर्मी उन लोगों के लिए जानलेवा हो सकती है जिनके पास ठंडक और पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे परिवहन, बिजली और पानी की व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।

विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद एशियाड में भी कप्तानी करेंगी हरमनप्रीत

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंग्लैंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद हरमनप्रीत कौर को जापान में होने वाले इस साल के एशियाई खेलों के लिए मंगलवार को भारतीय महिला टीम के कप्तान के रूप में बरकरार रखा गया। महिला चयन समिति ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए 15 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा की है। ऑस्ट्रेलिया से रविवार को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में हार के बाद टीम का विश्व कप अभियान समाप्त हो गया था। इस तरह से भारतीय टीम लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई। भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में मौजूदा चैंपियन के रूप में प्रवेश करेगी।

उसने 2023 में चीन के हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। एशियाई खेलों में पुरुषों और महिलाओं दोनों की क्रिकेट प्रतियोगिता टी20 प्रारूप में खेली जाती है। स्मृति मंधाना टीम की उप कप्तान बनी रहेंगी। भारत ने पिछले साल हरमनप्रीत की कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था लेकिन टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वह आलोचकों के निशाने पर हैं। विश्व कप के लिए टीम में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया बाहर होने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी जगह जी कमलिनी को टीम में शामिल किया गया है। विश्व कप के बीच में टखने की चोट के कारण बाहर होने वाली श्रेयंका पाटिल को फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है। वह तय समय तक फिट होने पर ही अंतिम टीम में जगह बनाएंगी। बल्लेबाजी क्रम में हरमनप्रीत को मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष का साथ मिलेगा, जबकि गेंदबाजी की जिम्मेदारी मुख्य रूप से दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह, श्री चरणी, अरुंधति रेड्डी और नंदनी शर्मा संभालेंगी। विश्व कप के उतार-चढ़ाव भरे अभियान के दौरान, भारतीय टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। उसने पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड की अपेक्षाकृत कमजोर टीमों पर आसान जीत दर्ज की, लेकिन दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से मिली हार ने उसकी उम्मीदों पर पानी फ़ेर दिया।

नॉकआउट में फिर टूटा जापान का दिल

ह्यूस्टन। जापान को पहले भी विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में हार से दिल टूटने का अनुभव है और हर बार की तरह इस बार भी उसने अगली बार इससे बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। जापान को पहले हाफ में बढ़त बनाने के बावजूद पांच बार के चैंपियन ब्राजील से इंजरी टाइम के गोल के कारण 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। उसकी टीम एक बार फिर से आखिर तक डटी रही, लेकिन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यह लगातार तीसरी बार है जब जापान नॉकआउट राउंड में बढ़त बनाने के बावजूद हार गया। जापान इससे पहले चार अवसरों पर नॉकआउट में जीत हासिल नहीं कर पाया लेकिन उसके कोच हाजिमे मोरियासु ने अगले विश्व कप में इससे बेहतर प्रदर्शन करने को अपना लक्ष्य बनाया है। मोरियासु ने कहा, ''हम इस बार अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए, लेकिन हम अगले विश्व कप या शायद उसके बाद वाले विश्व कप के लिए लक्ष्य बना सकते हैं।

मानसून में देरी से खरीफ बुवाई 23 प्रतिशत घटी, प्रमुख जलाशयों में क्षमता का केवल 26 प्रतिशत जल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून के देर से आने और उसकी धीमी प्रगति के कारण देश में धान सहित खरीफ फसलों की बुवाई में काफी कमी आई है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जून के अंत तक खरीफ फसलों की कुल बुवाई 182.72 लाख हेक्टेयर रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 236.46 लाख हेक्टेयर की तुलना में 23 प्रतिशत कम है। केवल धान ही नहीं, बल्कि दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और कपास की बुवाई भी पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम रही है। आमतौर पर खरीफ फसलों की बुवाई जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के साथ शुरू होती है। आंकड़ों के अनुसार, खरीफ की प्रमुख फसल धान का रकबा 25 जून तक 25.17 प्रतिशत घटकर 25.75 लाख हेक्टेयर रह गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 34.41 लाख हेक्टेयर था। दलहनों की बुवाई 30.47 प्रतिशत घटकर 14.92 लाख हेक्टेयर रह गई, जो एक वर्ष पहले 21.46 लाख हेक्टेयर थी। वहीं, तिलहनों का रकबा 53.33 प्रतिशत घटकर 16.99 लाख हेक्टेयर रह गया, जबकि पिछले वर्ष यह 36.41 लाख हेक्टेयर था। दलहनों में तूर/अरहर की बुवाई 3.56 लाख हेक्टेयर रही, जबकि पिछले वर्ष यह 8.45 लाख हेक्टेयर थी। तिलहनों में मूंगफली का रकबा 15.29 लाख हेक्टेयर से घटकर 8.87 लाख हेक्टेयर और सोयाबीन का रकबा 19.97 लाख हेक्टेयर से घटकर 6.92 लाख हेक्टेयर रह गया। मोटे अनाज का रकबा भी 36.07 लाख हेक्टेयर से घटकर 31.84 लाख हेक्टेयर रह गया। उक्त अवधि में कपास की बुवाई 34.61 प्रतिशत घटकर 29.66 लाख हेक्टेयर रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 45.36 लाख हेक्टेयर थी। हालांकि, गन्ने का रकबा मामूली बढ़कर 57.31 लाख हेक्टेयर हो गया, जो पिछले वर्ष 56.64 लाख हेक्टेयर था। वहीं, पटसन और मेस्ता का रकबा भी बढ़कर 6.25 लाख हेक्टेयर हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 6.13 लाख हेक्टेयर था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, खरीफ बुवाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दक्षिण-पश्चिम मानसून 24 जून तक सामान्य से 42 प्रतिशत कम रहा। मध्य भारत में 59 प्रतिशत, पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत में 41 प्रतिशत, दक्षिण प्रायद्वीप में 28 प्रतिशत तथा उत्तर-पश्चिम भारत में 22 प्रतिशत कम बारिश हुई। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति बनी हुई है और जून से सितंबर के मानसून मौसम के दौरान इसके और मजबूत होने की संभावना है। जलाशयों का जलस्तर भी चिंता का विषय बना हुआ है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की निगरानी वाले 166 प्रमुख जलाशयों में 25 जून तक कुल 48.405 अरब घन मीटर (बीसीएम) जल उपलब्ध था, जो उनकी पूर्ण भंडारण क्षमता (एफआरएल) का 26.37 प्रतिशत है।

सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की समयसीमा 31 जुलाई तक बढ़ाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार को एक महीने बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी। जीएसटीएटी की शुरुआत पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी। इसके बाद सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2026 तय की थी। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, ''सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी है। मंत्रालय ने बताया कि विभिन्न हितधारकों के अनुरोधों के बाद यह निर्णय लिया गया। इन अनुरोधों में कहा गया था कि जीएसटीएटी मंच पर अत्यधिक दबाव के कारण अपील दाखिल करने में तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले 15 दिनों में ही 30,000 अपीलें दाखिल की गईं, जबकि एक दिन में सर्वाधिक 5,500 अपीलें दर्ज की गईं। मंत्रालय ने करदाताओं को सलाह दी कि वे अंतिम समय तक इंतजार न करें और समय रहते अपनी अपील दाखिल कर दें। सरकार अब तक जीएसटीएटी की 31 राज्य पीठों और दिल्ली स्थित एक प्रधान पीठ को अधिसूचित कर चुकी है। फिलहाल अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष 4.80 लाख से अधिक मामले लंबित हैं और इन सभी के जीएसटीएटी में आने की उम्मीद है। सरकार ने मई 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा को जीएसटीएटी की प्रधान पीठ का अध्यक्ष नियुक्त किया था। एक जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद करदाताओं और जीएसटी विभाग के बीच सभी विवादों का निपटारा उच्च न्यायालयों या उच्चतम न्यायालय में होता था, जिससे मामलों के समाधान में देरी होती थी। सितंबर 2025 में जीएसटीएटी का संचालन शुरू होने के बाद विवादों के निपटारे की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद बनी है।

पूर्व सीईसी राजीव कुमार बनेंगे एचडीएफसी बैंक के नये चेयरमैन

एजेंसी

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं केंद्र सरकार में वित्त सचिव रहे राजीव कुमार को एचडीएफसी बैंक ने अपना चेयरमैन नियुक्त किया है। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि निदेशकमंडल की सोमवार को हुई बैठक में अंशकालिक चेयरमैन के पद पर श्री कुमार की नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की गयी। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। उनकी नियुक्ति को रिजर्व बैंक से स्वीकृति मिलने के बाद उसी दिन से उनका कार्यकाल प्रारंभ हो जायेगा। एचडीएफसी बैंक के तत्कालीन चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफ़े में लिखा था कि पिछले दो साल उन्होंने कुछ ऐसी गतिविधियां देखीं जो उनके निजी नैतिक मूल्यों के अनुरूप नहीं थीं। उन्होंने कहा था कि यही उनके इस्तीफ़े का कारण है। इसके बाद बैंक ने केकी मिस्त्री को अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया था। वह 19 मार्च से यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। श्री कुमार सितंबर 2017 से फरवरी 2020 तक वित्त सचिव रह चुके हैं। वह 15 मई 2022 से 18 फरवरी 2025 तक देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त भी रह चुके हैं। श्री कुमार को बैंक के एचडीएफसी बैंक के निदेशकमंडल में अतिरिक्त निदेशक (स्वतंत्र निदेशक) के रूप में मंगलवार 30 जून 2026 से शामिल किया गया है। इस पद पर उनकी नियुक्ति चार साल के लिए की गयी है। निदेशकमंडल के इस फैसले को शेयरधारकों की मंजूरी मिलनी शेष है। बैंक के शेयरधारकों की वार्षिक आम बैठक 05 अगस्त को होनी है। उसी बैठक में श्री कुमार की नियुक्ति का प्रस्ताव भी मंजूरी के लिए रखा जायेगा।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 1,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम

से लेकर 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

उच्च शिक्षण संस्थानों में आत्महत्या रोकथाम पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स ने 10 राज्यों का किया दौरा

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और छात्र आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स (एनटीएफ़) ने मई 2025 से अब तक 10 राज्यों के 30 उच्च शिक्षण संस्थानों का दौरा किया है।

शिक्षा मंत्रालय ने आज बताया कि एनटीएफ़ ने इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों और संस्थानों की परिस्थितियों को समझने के लिए व्यापक स्तर पर अध्ययन किया गया। टास्क फोर्स ने अब तक 25 दौर की हितधारक परामर्श बैठकों का आयोजन भी किया है ताकि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर बहुआयामी और समानता आधारित दृष्टिकोण विकसित किया जा सके। मंत्रालय ने कहा कि जनवरी 2026 के बाद राष्ट्रीय टास्क फोर्स ने दिव्यांग छात्र और शिक्षक, उच्च शिक्षा में जातिगत भेदभाव, लैंगिक समानता, मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र, मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या के अपराधमुक्तिकरण का मुद्दा, छात्र आत्महत्या में लैंगिक पहलू, मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों से चर्चा और विधि (लॉ) के छात्रों के साथ परामर्श विषयों पर विशेष परामर्श आयोजित किये। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन 24 मार्च 2025 को शीर्ष न्यायालय ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ती छात्र आत्महत्या की घटनाओं तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के समाधान के लिए किया था और 27 मई 2026 के आदेश में टास्क फोर्स को अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 31 अक्टूबर 2026 तक का समय दिया है। राष्ट्रीय टास्क फोर्स का मुख्य कार्य छात्र आत्महत्या के प्रमुख कारणों की पहचान करना, संबंधित कानूनों, नीतियों और संस्थागत व्यवस्थाओं की समीक्षा करना और कानूनी और संस्थागत सुधारों के सुझाव देना, ताकि जवाबदेही बढ़े, रोकथाम के प्रभावी उपाय लागू हों और विशेष रूप से वंचित वर्गों के छात्रों के लिए अधिक समावेशी एवं सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया।

शाह ने एफसीआरए 2.0 पोर्टल तथा ई- ओसीआई कार्ड का शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआई (इलेक्ट्रॉनिक ओवरसीज़ सिटिजन ऑफ इंडिया) कार्ड का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों डिजिटल पहलों से नागरिकों की सुविधाएं बढ़ेंगी, कागजी कार्यवाही कम होगी और विदेशी अंशदान (एफसीआरए) की रियल टा-इम निगरानी सुनिश्चित हो सकेगी।

यहां आयोजित कार्यक्रम में गृह सचिव गोविंद मोहन, विदेश सचिव विक्रम मिसरी, आसूचना ब्यूरो के विशेष निदेशक महेश दीक्षित तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के विजन के अनुरूप तकनीक के माध्यम से शासन को अधिक पारदर्शी, सरल और सुरक्षित बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए व्यवस्था पहले फाइलों और जटिल प्रक्रियाओं में उलझी हुई थी, लेकिन अब इसका आधुनिकीकरण कर इसे अधिक

प्रभावी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए 2.0 पोर्टल के जरिए अब आवेदन, नवीनीकरण, वार्षिक विवरणी सहित सभी प्रमुख प्रक्रियाएं पूरी तरह डिजिटल होंगी। इससे भौतिक रूप से दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी तथा ई-साइन आधारित प्रमाणीकरण, ओसीआर (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) आधारित दस्तावेज विश्लेषण और एनजीओ दर्पण सहित विभिन्न सरकारी डाटाबेस से एकीकृत सत्यापन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उपयोग पर प्रभावी रियल टाइम निगरानी संभव होगी, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और सुशासन दोनों मजबूत होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि आने वाले महीनों में एफसीआरए मोबाइल एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चैटबॉट और बैंकों के लिए समर्पित ऑनलाइन डैशबोर्ड भी शुरू किया जाएगा।

शाह ने ई-ओसीआई कार्ड को भारतीय मूल के विदेशों में रहने वाले लोगों के लिए बड़ी सुविधा बताते हुए कहा कि इससे 50 लाख से अधिक ओसीआई कार्डधारकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब 20 वर्ष की आयु के बाद नया पासपोर्ट जारी होने पर ओसीआई बुकलेट दोबारा बनवाने की आवश्यकता नहीं होगी। कार्डधारकों को केवल अपना नया पासपोर्ट विवरण ऑनलाइन अपडेट करना होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल ओसीआई कार्ड के कारण दस्तावेज खोने या क्षतिग्रस्त होने की समस्या समाप्त होगी और वास्तविक समय में सत्यापन की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत देश में वर्तमान में करीब 14,500 सक्रिय संगठन पंजीकृत हैं। हर वर्ष लगभग 15,000 से 20,000 नए या नवीनीकरण संबंधी आवेदन तथा करीब 17,000 वार्षिक विवरणियां प्राप्त होती हैं। एफसीआरए 2.0 पोर्टल को 'मेघराज' (नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड) पर विकसित किया गया है और इसे पैन, आधार, ओसीआई, एनजीओ दर्पण, आईसीएआई की यूडीआईएन प्रणाली तथा बैंकों सहित विभिन्न सरकारी प्रणालियों से जोड़ा गया है। इससे आवेदनों के निपटारे में तेजी आएगी, अनुपालन की निगरानी मजबूत होगी और विदेशी अंशदान के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

वहीं, ई-ओसीआई कार्ड व्यवस्था के तहत आवेदन से लेकर कार्ड जारी होने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इससे भौतिक दस्तावेजों की आवश्यकता समाप्त होगी, प्रोसेसिंग समय कम होगा, प्रशासनिक लागत में कमी आएगी और हवाई अड्डों पर डिजिटल सत्यापन के माध्यम से यात्रा अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनेगी।

स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार : नड्डा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि स्वस्थ भारत के माध्यम से ही विकसित भारत का सपना साकार हो सकता है।

श्री नड्डा ने आज इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ भारत के माध्यम से ही विकसित भारत का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने चिकित्सा शिक्षा के 'हार्डवेयर' और 'सॉफ्टवेयर' दोनों को समान महत्व देते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आईएलबीएस विश्वस्तरीय संस्थान है, जिसने रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनायी है। उन्होंने कहा कि सुपर-

स्पेशियलिटी शिक्षा केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आईएलबीएस देशभर में फैटी लिवर रोग के प्रति जागरूकता फैलाने, अनुसंधान और उन्नत उपचार सेवाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। संस्थान ने इस बीमारी के जोखिम, रोकथाम और दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभायी है। श्री नड्डा ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और नीतिगत सुधारों पर समान रूप से ध्यान दिया है। उन्होंने बताया कि पहले देश में केवल एक एम्स था, जबकि अब 23 एम्स कार्यरत हैं, जिनमें से 16 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए हैं। उन्होंने बताया कि देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 818 हो गई है। एमबीबीएस सीटें लगभग 50 हजार से बढ़कर 1.20 लाख से अधिक हो चुकी हैं, जबकि स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटें 30 हजार से बढ़कर 80 हजार के पार पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में 75 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटें जोड़ने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है, जिनमें से लगभग 25 हजार सीटें पहले ही जोड़ी जा चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देशभर में स्थापित 1.85 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत नींव बन चुके हैं। इन केंद्रों के माध्यम से निवारक, उपचारात्मक, संवर्धक और पुनर्वास सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों के जरिए अब तक 42 करोड़ से अधिक लोगों की उच्च रक्तचाप और मधुमेह की जांच, 35 करोड़ से अधिक लोगों की मुख कैंसर की स्क्रीनिंग, 16 करोड़ से अधिक महिलाओं की स्तन कैंसर जांच तथा 9 करोड़ से अधिक महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच की जा चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान मिशन ने पाकिस्तानी हवाई हमलों की निंदा की, तत्काल रोक लगाने की मांग

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान के स्थायी मिशन ने पाकिस्तान द्वारा पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में किये गये हवाई हमलों की निंदा करते हुए कहा है कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिक मारे गए और घायल हुए हैं। मिशन ने सीमा पार सैन्य कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की है।

मिशन ने कहा कि पाकिस्तान को अफगान क्षेत्र में सभी सैन्य हमले तत्काल बंद करने चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिये। मिशन के अनुसार ये हमले अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन हैं और संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भावना के अनुरूप नहीं हैं। यह बयान तालिबान के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 28 जून की रात पाकिस्तान द्वारा किये गये हवाई हमलों में 36 नागरिक मारे गए, 163 अन्य घायल हुए तथा तीन रिहायशी मकान भी नष्ट हो गये। मिशन ने कहा, ''कोई भी सुरक्षा संबंधी चिंता ऐसी सैन्य कार्रवाई को उचित नहीं ठहरा सकती, जिससे नागरिक हताहत हों या किसी दूसरे देश की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन हो।'' उसने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मिशन ने कहा कि दशकों के संघर्ष से प्रभावित अफगानिस्तान की जनता को तालिबान प्रशासन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की कीमत नहीं चुकानी चाहिये। मिशन ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से घटनाक्रम पर करीबी नजर रखने, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित करने तथा अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान कराने के लिए प्रयास तेज करने का आग्रह किया। साथ ही उसने स्थिति को और अधिक गंभीर होने से रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। इस बीच 'डिस्प्लेस्ड इंटरनेशनल' नामक संगठन ने भी पाकिस्तान से अफगानिस्तान में हवाई हमले और अन्य सैन्य कार्रवाई बंद करने की अपील की है। संगठन ने कहा कि इससे नागरिकों की और अधिक जानें जा सकती हैं तथा क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ सकती है। उसने अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के सिद्धांतों, विशेषकर भेदभाव, अनुपातिकता और जवाबदेही का पालन करने की मांग की। उधर, नार्वे शरणार्थी परिषद (एनआरसी) के महासचिव जान एगेलैंड ने पूर्वी अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान और तालिबान से मतभेदों का समाधान बातचीत के माध्यम से करने का आग्रह किया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक करे सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में बड़े और जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और मंदिर ट्रस्ट से इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है।

कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी 'महापाप' है लेकिन प्राण प्रतिष्ठा और शिलान्यास में प्रमुख भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे इस मुद्दे पर मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट जमा होने के बावजूद उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ दान दिया था लेकिन उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ।

दो देशों के पांच शहरों से होकर गुजरेगा खामेनेई का जनाजा, छठे दिन पैतृक शहर में होंगे सुपर्द-ए-खाक

तेहरान। ईरान इतिहास के सबसे बड़े राजकीय जनाजे की तैयारी कर रहा है। शनिवार से शुरू होने वाले छह दिवसीय अंतिम संस्कार कार्यक्रम ईरान और इराक के पाँच शहरों में आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के दौरान 28 फ़रवरी को युद्ध की शुरुआत में अमेरिका-इजरायल के हमलों में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई को उनकी मृत्यु के लगभग चार महीने बाद सुपुर्द-ए-ख़ाक किया जाएगा। इस्लामिक गणराज्य के प्रशासन ने यह जानकारी दी है।

श्री खामेनेई ने 37 वर्षों तक ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता (अयातुल्ला) के रूप में सेवा दी। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इस्लामी गणराज्य की स्थापना के पश्चात इस पद पर सबसे लंबे समय तक रहने वाले नेताओं में वह दूसरे स्थान पर रहे। वर्ष 1939 में मशहद में जन्मे श्री खामेनेई 1981-1989 के बीच ईरान के राष्ट्रपति रहे। उनके पूर्ववर्ती आयतुल्ला रूहुल्ला खोमेनेई के निधन के बाद उन्हें ईरान का सर्वोच्च नेता चुना गया।

श्री खामेनेई का शव 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद से आखिरी सफर के इंतजार में है। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण उनका जनाज़ा नहीं उठाया जा सका था। ईरान के अनुसार, अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम के तहत उनके जनाजे के लिए यह समय चुना गया है ताकि बिना किसी बाधा के उनके पार्थिव शरीर को सपुर्द-ए-खाक किया जा सके। तेहरान इस बात को लेकर सतर्क है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मौजूदगी और निगाहों के बीच यह राजकीय समारोह बिना किसी व्यवधान के संपन्न हो। अंतिम संस्कार से जुड़े समारोह शनिवार और रविवार को तेहरान स्थित मोसल्ला नमाज़ परिसर में शुरू होंगे, जो बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले राजकीय धार्मिक आयोजनों का प्रमुख स्थल है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पहले ही इराक जाकर दोनों शहरों के गवर्नरों से मिलकर तैयारियों का जायज़ा ले चुके हैं। अंततः, श्री खामेनेई के पार्थिव शव को छठे दिन नौ जुलाई को उनके पैतृक शहर मशहद में दफनाया जायेगा।

सड़क सुरक्षा सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल : गडकरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने मंगलवार को कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं और सुरक्षित यात्रा के लिए अनेक कदम उठाये जा रहे हैं।

श्री गडकरी ने यहां उबर के 'सुरक्षितः सेफ्टी नेवर स्टॉप्स'कार्यक्रम में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में विश्व में सबसे अधिक लोगों की मौत भारत में होती है, जो बड़ी चिंता का विषय है। इसके मद्देनजर सरकार ने इस मसले को गंभीरता से लेते हुए अनेक उपाय किये हैं। अब सड़क दुर्घटना में घायल हुए किसी व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले को पुलिस या किसी अन्य कानूनी पचड़ों में उलझना नहीं पड़ेगा। घायल की मदद करने वाले व्यक्ति को आर्थिक मदद भी दी जायेगी। सड़क दुर्घटना में घायल किसी व्यक्ति को किसी भी अस्पताल में लाये जाने पर डेढ़ लाख रुपये तक के उपचार का खर्च सरकार वहन करेगी।

उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहनों की बिक्री के समय ही संबंधित डीलर को दो हेलमेट ग्राहक को देना अनिवार्य किया गया है। इसी तरह कारों में सीट बेल्ट लगाना जरूरी हो गया है। वाहन चालक मोबाइल फोन पर बात न करें, इसको लेकर यातायात नियम सख्त किये गये हैं। सड़कों के गड्ढे दूर करने की दिशा में भी कदम उठाये जा रहे हैं। सड़क पार करते समय लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में सड़क पार नहीं करनी चाहिए। इस दौरान मोबाइल फोन पर बात न करें। उन्होंने कहा कि परिजनों के साथ सड़क पार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के मामले में नियम सख्त किये गये हैं। सभी औपचारिकताएं पूरी करने और नियमों के अनुरूप ही लाइसेंस दिये जा रहे हैं। इस दिशा में महती कदम उठाते हुए 2500 ड्राइविंग स्कूल संचालित किये जा रहे हैं।

श्री गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए नियमों का पालन सभी लोग स्वतः करें, इसके लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है1 इसमें जनप्रतिनिधियों, अभिनेताओं, स्वयंसेवी संगठनों, स्कूलों-कालेजों और अन्य संगठनों का सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'जान है तो शान है', 'जल्दी मत मचाओ, आराम से आओ' जैसे स्लोगन जनता को जागरुक करने में बड़े मददगार साबित हो रहे हैं। उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए सभी से खासकर मीडिया से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि इस मामले में जागरुकता लाये जाने से दुर्घटनाओं को काफी कम किया जा सकता है।

पेज एक का शेष

'रामभक्तों पर...

यह हाल था कि कोई सरकारी विज्ञापन निकलता था तो 'चाचा-भतीजा की जोड़ी' वसूली के लिए निकल पड़ती थी और कोर्ट को भर्तियों पर रोक लगानी पड़ती थी। सपा व कांग्रेस के इन्हीं पापों से यूपी बीमारू बना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामपुर की पावन धरा भगवान बामेश्वर महादेव, श्री पातलेश्वर महादेव, ओम नागेश्वर महादेव, कोसी मंदिर व मां बाला सुंदरी के दिव्य आशीर्वाद से निरंतर लाभान्वित है। सरकार इन पौराणिक व आध्यात्मिक विरासत स्थलों के पुनरुद्धार के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। 2017 से पहले जहां त्योहारों पर रोक लगाई जाती थी। उपद्रव व दंगे होते थे, वहीं आज कांवड़ यात्रा, दुर्गा पूजा, दीपावली, रामनवमी व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे सभी पर्व पूरी भव्यता व सुरक्षा के साथ मनाए जा रहे हैं। अयोध्या नगरी ब्रॉडगेज डबल रेलवे लाइन, फोर-लेन सड़क मार्ग और महर्षि बाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़कर त्रेतायुग का स्मरण करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू राज्य' नहीं रहा, बल्कि यह भारत की टॉप-3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर सबसे तेज गति से बढ़ने वाली इकोनॉमी बन चुका है। प्रदेश आज युवाओं को रोजगार और अन्नदाताओं को अनुदान देने में अग्रणी है। हम खाद्यान्न, दुग्ध, चीनी व एथेनॉल उत्पादन में देश में पहले या दूसरे नंबर पर गिने जाते हैं। 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' योजना के माध्यम से रामपुर के पैच वर्क, जरी वर्क, वायलिन निर्माण व मेंथा उत्पादन जैसे पारंपरिक उद्योगों को वैश्विक पहचान और युवाओं को नए रोजगार मिले हैं। रामपुर के प्रसिद्ध चाकू का दुरुपयोग समाजवादी पार्टी जनता की जमीनों पर कब्जा करने और उन्हें प्रताड़ित करने में करती थी, लेकिन डबल इंजन सरकार में यही चाकू जनता की सुरक्षा में काम आ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर-शामली नया इकोनॉमिक कॉरिडोर रामपुर से होकर गुजरेगा, जो गोरखपुर को सिलीगुड़ी और शामली को पानीपत से जोड़कर क्षेत्र में विकास को और मजबूत करेगा। रामपुर में ढांचागत विकास को गति देते हुए 3 मीटर चौड़ी सड़कों को 7 व 10 मीटर और फोर-लेन में परिवर्तित किया जा रहा है। बिलासपुर की रुद्रविलास चीनी मिल के पुनरुद्धार व विस्तारीकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सर्वे रिपोर्ट आते ही सरकार वित्तीय राशि जारी करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र के साथ डबल इंजन की सरकार तुष्टिकरण के बजाय आमजन के संतुष्टिकरण पर विश्वास करती है। प्रदेश की 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स को राज्य सरकार द्वारा ?5 लाख का सुरक्षा बीमा कवर प्रदान किया गया है। हर महीने ई-पॉस मशीनों के माध्यम से लखनऊ से सीधे मॉनिटरिंग कर गरीबों को शत-प्रतिशत राशन मिल रहा है। रसोई गैस का सिलेंडर 2017 से पहले सपना था, आज हर गरीब के पास सिलेंडर अपना है। गरीबों को आयुष्मान भारत योजना के तहत ?5 लाख का स्वास्थ्य कार्ड मिला है। कार्ड न होने पर मुख्यमंत्री राहत कोष से उपचार के लिए संपूर्ण राशि दी जा रही है। प्रत्येक तहसील में फायर स्टेशन की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत बेसिक शिक्षा परिषद् के स्कूलों और 'प्रोजेक्ट अलंकार' के माध्यम से इंटर कॉलेजों को भव्य स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत का सम्मान हो या नौजवानों को नौकरी देने का संकल्प, सरकार हर मोर्चे पर प्रतिबद्ध है। सरकारी भर्तियों के नियुक्ति पत्र वितरण में रामपुर के युवाओं का नाम देखकर संतोष मिलता है। पहले जो युवा वंचित थे, आज प्रदेश की सेवाओं में चयनित होकर विकास में भागीदार बन रहे हैं। रामपुर, मिलक, बिलासपुर, स्वार व चमरौआ विधानसभा क्षेत्रों के युवा आज सरकारी नौकरियों और उद्योगों में अवसर पा रहे हैं। निवेश प्रस्तावों से उद्योगों को गति मिली है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, कृषि राज्य मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, विधायक श्रीमती राजबाला सिंह, आकाश सक्सेना, शफीक अहमद अंसारी, एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त, हरी सिंह ढिल्लो, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी, सूर्य प्रकाश पाल, पूर्व सांसद घनश्याम लोधी, पूर्व विधायक शिव बहादुर सक्सेना, भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार आदि उपस्थित रहे।

आर्थिक विकास में ...

के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्लेटफॉर्म की सफलता, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी, और नवोन्मेषकों तथा स्टार्ट-अप के जोश ने मिलकर देश में एक मज़बूत रक्षा इकोसिस्टम बनाने में योगदान दिया है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता का मतलब अलग-थलग होना नहीं है, इसका मतलब है एक ऐसा देश जो अपने पैरों पर मज़बूती से खड़ा हो और दुनिया के साथ एक बराबर के साझीदार के तौर पर जुड़े। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को पाने में गुजरात की अहम भूमिका है क्योंकि राज्य के पास एक मजबूत औद्योगिक आधार, कुशल कार्यबल और उद्यमिता की भावना है।

विधायक कमाल...

सम्मान सम्मेलन हुआ। इसमें सांसद रुचि वीरा को न तो बुलाया गया और न ही कार्यक्रम में फोटो लगाई गई। इस पर रुचि वीरा नाराज हो गईं। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। इसमें सांसद रुचि वीरा, राज्यसभा सांसद जावेद अली, पूर्व मंत्री कमाल अख्तर और पूर्व विधायक यूसुफ अंसारी मौजूद थे। कमाल अख्तर और रुचिवीरा के बीच अनबन की मूल वजह मुरादाबाद लोकसभा सीट है। कमाल अख्तर की गिनती अखिलेश यादव के करीबी और भरोसेमंद नेताओं में होती है। अखिलेश सरकार में मंत्री रह चुके कमाल अख्तर इसके पहले सपा के राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में कमाल अख्तर मुरादाबाद सीट से लड़ना चाहते थे। अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी सिंबल भी दे दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर सपा नेता आजम खां के वीटो लगाने पर अखिलेश यादव को कमाल अख्तर से सिंबल वापस लेकर रुचिवीरा को देना पड़ा था।

उत्तर प्रदेश में मानसून...

ने जुलाई माह के लिए जारी मासिक पूर्वानुमान में कहा है कि देश में जुलाई के दौरान औसत वर्षा सामान्य से कम (दीर्घकालिक औसत के 94 प्रतिशत से कम) रहने की संभावना है। हालांकि उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों, पूर्व-मध्य भारत तथा पूर्वी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में सामान्य से सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है। आईएमडी के अनुसार जुलाई में देश के अधिकांश भागों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। वहीं भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में कमजोर एल-नीनो की स्थिति बनी हुई है, जिसके मानसून के दौरान और मजबूत होने की संभावना है, जबकि हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) तटस्थ स्थिति में बना रहने का अनुमान है।

जनरल धीरज सेठ...

जिम्मेदारी संभाली। उन्हें दो संचालन सेना कमान और ढाई साल से ज़्यादा समय तक अहम थिएटरों में रणनीतिक देखरेख करने का दुर्लभ सम्मान हासिल है। उन्होंने कई अहम स्टाफ़ और रणनीतिक पदों पर काम किया है, जिनका संचालन योजना, बल प्रबंधन और क्षमता विकास पर काफ़ी असर पड़ा है।

सेना के आधुनिकीकरण में योगदान के लिए पहचाने जाने वाले जनरल ऑफिसर ने सेना मुख्यालय के रणनीतिक योजन और क्षमता विकास विभागों में अहम पदों पर काम किया है। उन्होंने इसके आधुनिकीकरण की दिशा, क्षमता रोडमैप और लंबे समय के 'फोर्स स्ट्रक्चरिंग ' पहलों को आकार दिया है। संचालन ज़रूरतों को नई तकनीकों और भविष्य की युद्धक्षेत्र की ज़रूरतों के साथ जोड़ने में उनका योगदान अहम रहा है। एक कुशल मिलिट्री पेशेवर के तौर पर, जनरल धीरज सेठ ने पेशेवर सैन्य शिक्षा में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और प्रशिक्षण कोर्स में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। वह उच्च कमान कोर्स और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के स्नातक हैं और उन्होंने पेरिस में प्रतिष्ठित 'कमांड एंड स्टाफ़ कोर्स' भी किया है, जो उनके व्यापक रणनीतिक नज़रिए और समकालीन सैन्य मामलों की समझ को दिखाता है।

ग्राम सचिवालय...

निश्चित व्यवस्था नहीं होने के कारण आम जनता को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों को कई बार लेखपाल से मिलने के लिए तहसील या अन्य स्थानों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है। इस समस्या को समाप्त करने के उद्देश्य से अब प्रत्येक जनपद में रोस्टर बनाकर लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि वे अपने-अपने जनपदों में लेखपालों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें और उनकी उपस्थिति का रोस्टर निर्धारित करें। यह व्यवस्था 1 जुलाई से प्रभावी रूप से लागू की जाएगी। इस नई व्यवस्था से ग्राम सचिवालय ग्रामीणों के लिए 'वन स्टॉप सर्विस सेंटर' के रूप में विकसित होंगे। इससे न केवल आमजन को राहत मिलेगी, बल्कि राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली भी अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और प्रभावी बनेगी।

सड़क अवसंरचना के लिए उत्तराखंड को सात हजार करोड़ रूपये देगी केंद्र सरकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ एक बैठक कर उत्तराखण्ड से संबंधित सड़क एवं अवसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया। इस बैठक में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को सड़क अवसंरचना के लिए सात हजार करोड़ रूपये देने पर सहमति जताई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, सीमांत क्षेत्रों की सामरिक व रणनीतिक महत्ता, तीर्थाटन, पर्यटन व आपदा प्रबंधन की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए राज्य में सुदृढ़ और आधुनिक सड़क नेटवर्क के विकास की

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ मुख्यमंत्री धामी ने की बैठक

आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्य के लंबित प्रस्तावों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय का अनुरोध किया। सोशल मीडिया मंच फ़ेसबुक पर एक पोस्ट कर मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सरकार को लगभग 750 करोड़ लागत की परियोजनाओं की स्वीकृति पर सहमति दे दी है। इसके साथ ही एनओएच के अंतर्गत पांच प्रमुख परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई, जिनकी कुल अनुमानित लागत लगभग रूपये 2966 करोड़ है।

इनमें श्रीनगर बाईपास का पीएमसी, पुरकाजी-लक्सर-हरिद्वार मार्ग की चार-लेनिंग, लोहाघाट व पिथौरागढ़ बाईपास एलाइनमेंट, मझोला से खटीमा के आबादी भाग में चार-लेन विस्तार व रामनगर-रानीखेत (मोहन) मार्ग का सुदृढ़ीकरण प्रमुख रूप से शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025-26 तक की रूपये 530.11 करोड़ की लंबित प्रतिपूर्ति राशि शीघ्र अवमुक्त किए जाने तथा का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने आगामी अर्धकुंभ मेला 2027 के दृष्टिगत हरिद्वार बाईपास परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे यातायात दबाव में कमी आएगी तथा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कोटद्वार बाईपास परियोजना के कार्यों में भी तेजी लाने का अनुरोध किया, जिससे क्षेत्रीय यातायात व्यवस्था सुगम हो सके तथा स्थानीय जनता को जाम की समस्या से राहत मिले। दोनों ही प्रस्तावों को सहमति दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि नेशनल हाईवे के माध्यम से अन्य मार्गों के संयोजन के लिए कुछ परियोजनाओं के लिए लगभग 3 हजार करोड़ की सैद्धांतिक सहमति देने का अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक सहमति व्यक्त की। इसके अतिरिक्त अल्मोड़ा सिकुड़ा बैंड से एनएच-309 तक टनल सहित मोटर मार्ग निर्माण के लिए लगभग रूपये 300 करोड़ की परियोजना पर चर्चा और सैद्धान्तिक सहमति बन गई।

पंजाब में एक हजार पदों पर होगी लेक्चरर भर्तियां, सरकार ने जारी की अधिसूचना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य में लेक्चरर कैडर के अंतर्गत 1013 पदों पर भर्तियां करने का फैसला लिया है। इस संबंध में सरकार की तरफ से मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। इन भर्तियों के लिए एक जुलाई से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। अधिसूचना के अनुसार इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 31 जुलाई तक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के लिए संबंधित विषय में मास्टर डिग्री के साथ कम से कम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। इस भर्ती में सबसे अधिक पद हिस्ट्री विषय के लिए निर्धारित किए गए हैं। कुल 1,013 पदों में 829 नियमित और 184 बैकलॉग वैकेंसी शामिल हैं। भर्ती से संबंधित विषयवार पदों का विवरण, पात्रता, चयन प्रक्रिया और अन्य जरूरी जानकारी भी नोटिफिकेशन में जारी कर दी गई है। नोटिफिकेशन के अनुसार इस भर्ती के तहत 12 अलग-अलग विषयों में लेक्चररों की नियुक्ति की जाएगी। सबसे अधिक 210 पद हिस्ट्री विषय के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा इंग्लिश के 141, पॉलिटिकल साइंस के 131, मैथ्स के 105, पंजाबी के 99, कॉमर्स के 98, फिजिक्स के 58, इकोनॉमिक्स के 50, केमिस्ट्री के 41, बायोलॉजी के 37, हिंदी के 29 और जियोग्राफी के 14 पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदकों के लिए शैक्षणिक योग्यता के तहत संबंधित विषय में मास्टर डिग्री के साथ न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक और किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बीएड डिग्री अनिवार्य है। इसके अलावा यह शर्त भी रखी गई है कि उम्मीदवार ने मैट्रिक (10वीं) स्तर पर पंजाबी भाषा को अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में उत्तीर्ण किया हो। आवेदन करने वाले उम्मीदवार का भारत का नागरिक होना भी आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

उपराज्यपाल ने की इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और सेंट जॉन एंबुलेंस एसोसिएशन के कामकाज की समीक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने आज इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (दिल्ली शाखा) और सेंट जॉन एंबुलेंस एसोसिएशन के कामकाज की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं मानवीय सेवा की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ा रही हैं और दशकों से जरूरतमंदों को जरूरी स्वास्थ्य सेवा, आपातकालीन सहायता और राहत पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज इनके कामकाज के रोडमैप की समीक्षा की और कार्यक्षमता बढ़ाने, संस्थागत क्षमता को मजबूत करने और सेवा वितरण में सुधार के लिए व्यापक बदलाव की जरूरत पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने सेंट जॉन एंबुलेंस सेवाओं को और अधिक प्रभावी और तेजी से काम करने वाला बनाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया, जिसमें खास तौर पर अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। उपराज्यपाल ने कहा कि इनकी बहुमूल्य मानवीय पहलों (प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान, प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम, सर्दियों में राहत कार्य और दिव्यांगजनों की सहायता) को और मजबूत और विस्तारित करने जोर दिया। उन्होंने कहा कि सोसाइटी को कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पार्टनरशिप सहित सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया गया है।

कोचिंग संस्थान में झड़प और फायरिंग मामले में खान सर को अंतरिम राहत बरकरार

पटना। पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित शिक्षक खान सर को उनके 'ग्लोबल स्टडीज़' कोचिंग संस्थान में हुई झड़प और गोलीबारी के मामले में दर्ज प्राथमिकी से जुड़े प्रकरण में अंतरिम राहत जारी रखते हुए उनकी गिरफ्तारी पर 3 जुलाई तक रोक बरकरार रखी है। अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर अगली सुनवाई भी 3 जुलाई को निर्धारित की है। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने अदालत को बताया कि 2 जून 2026 की रात हुई घटना के समय खान सर के दोनों सुरक्षा गार्ड अवैध हथियारों के साथ मौजूद थे और लोगों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग की गई थी। वहीं, खान सर की ओर से पेश अधिवक्ता ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि दोनों सुरक्षा गार्डों के पास मौजूद हथियार वैध लाइसेंसधारी हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि हथियारों के लाइसेंस सहित सभी आवश्यक दस्तावेज पुलिस जांच के दौरान पहले ही जब्त कर चुकी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मामले के अनुसंधानकर्ता (आईओ) को निर्देश दिया कि हथियारों के लाइसेंस तथा उनसे संबंधित जब्त दस्तावेज 3 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं। तब तक खान सर को मिली अंतरिम राहत प्रभावी रहेगी।

मटौर में मां पर तीन बच्चों को नहर में फेंकने का आरोप

मोहाली। पंजाब के मोहाली के मटौर गांव से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। ससुराल पक्ष ने आरोप लगाया है कि शकुंतला देवी नामक महिला अपने तीन बच्चों को मेला दिखाने के बहाने घर से ले गई और उन्हें रोपड़ नहर में फेंक दिया। घटना के बाद इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नहर से अब तक दो बच्चों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि तीसरे बच्चे की तलाश के लिए पुलिस और बचाव दल द्वारा लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पंजाब यूनिवर्सिटी में हर बुधवार 'वाहन-मुक्त दिवस' मुफ्त शटल बस और रियायती ई-रिक्शा की सुविधा

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी परिसर को प्रदूषण-मुक्त बनाने और ईंधन की बचत के उद्देश्य से प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। 'सेव पीयू कैंपेन' के तहत अब हर बुधवार को यूनिवर्सिटी परिसर में 'वाहन-मुक्त दिवस' मनाया जाएगा। प्रशासन ने इस दिन छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों से निजी वाहनों का उपयोग न करने की अपील की गई है। व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पूरे दिन मुफ्त शटल बस सेवा उपलब्ध रहेगी, जबकि ई-रिक्शा रियायती दरों पर परिसर में संचालित किए जाएंगे।

पंजाब की लीची ने पहली बार ओमान में दी दस्तक 500 किलो की पहली खेप निर्यात

चंडीगढ़। पंजाब के होशियारपुर जिले से पहली बार 500 किलोग्राम ताजा लीची की खेप ओमान निर्यात की गयी है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से हुआ यह निर्यात राज्य की किसी सहकारी समिति द्वारा विदेश भेजी गयी पहली ताजा कृषि उपज की खेप भी है। एपीडा के अनुसार यह निर्यात उन्नति एग्री एलाइड सहकारी समिति के माध्यम से किया गया। प्राधिकरण ने समिति को विदेशी खरीदार से जोड़ने के साथ-साथ खेत से ओमान तक निर्यात प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया।

राज्यपाल के समक्ष उठाए शिक्षा के मुद्दे, ग्रामीण कार्य मंत्री से सड़क-पुल निर्माण की मांग

किशनगंज। किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आज़ाद ने मंगलवार को पटना में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन तथा ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार से अलग-अलग मुलाकात कर क्षेत्र के शिक्षा एवं आधारभूत संरचना से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। बिहार लोक भवन में राज्यपाल से हुई मुलाकात के दौरान सांसद ने किशनगंज में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की शाखा स्थापित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सीमांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए एएमयू की शाखा की स्थापना आवश्यक है। इसके अलावा उन्होंने किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के सभी राजकीय महाविद्यालयों एवं नव-प्रस्तावित डिग्री कॉलेजों में भवन, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास, रिक्त शिक्षकों एवं प्रोफ़ेसरों के पदों पर शीघ्र नियुक्ति तथा क्षेत्र में कम-से-कम दो बीएड कॉलेज और दो लॉ कॉलेज स्थापित करने की मांग रखी। सांसद ने पोठिया प्रखंड में पूर्व से प्रस्तावित राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना का मामला भी राज्यपाल के समक्ष रखा।

नंदा की चौकी पुल पर 10 दिन में शुरू होगा यातायात: सतपाल महाराज

देहरादून। लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को प्रेमनगर स्थित नंदा की चौकी (टौंस नदी) पुल के पुनर्निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुल का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसे अगले 10 दिन के भीतर आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। मंत्री महाराज ने बताया कि वर्षा एवं बाढ़ के बाद प्रभावित हुई इस परियोजना का पुनर्निर्माण लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और एनएचएआई के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण में अधिक सुरक्षित वेल फाउंडेशन तकनीक का उपयोग किया गया है, जबकि नदी के दोनों किनारों पर आरसीसी रिटेनिंग वॉल और पुल के अन्य तीन पिलरों के सुरक्षात्मक कार्य भी कराए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता राजेश शर्मा, मुख्य अभियंता रणजीत सिंह व ओमपाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दून में हरेला पर लगेंगे 15.50 लाख पौधे, एक माह चलेगा विशेष अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर इस बार हरेला पर्व के तहत देहरादून जिले में 16 जुलाई से एक माह तक विशेष पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान 15.50 लाख पौधे लगाए जाएंगे और थीमैटिक पौधरोपण के माध्यम से ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 'क्वालिटी फॉरेस्ट' विकसित किए जाएंगे। अभियान की निगरानी के लिए 'हरित कंट्रोल रूम' भी स्थापित किया जाएगा। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि हरेला पर्व केवल औपचारिक पौधरोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि धरती को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से इसे व्यापक जन अभियान के रूप

में संचालित किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को शीघ्र पौधरोपण स्थलों का चयन करने और प्रत्येक विभाग में एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर माइक्रो स्तर पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। अभियान में जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिला समूहों और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए),सर्वे ऑफ इंडिया,ओएनजीसी और आईटीबीपी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि जिले में इस वर्ष 15.50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें लगभग 50 प्रतिशत पौधे फलदार एवं चारा प्रजाति के होंगे। पौधरोपण के साथ-साथ अगले पांच वर्षों तक पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। अभियान की नियमित निगरानी के लिए 'हरित कंट्रोल रूम' स्थापित किया जाएगा,जो पूरे एक माह तक पौधरोपण की प्रगति पर नजर रखेगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को 10 जुलाई तक गड्ढों की खुदाई, जैविक खाद,ट्री-गार्ड तथा पौधों के परिवहन सहित सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। वन विभाग के मसूरी, कालसी, चकराता और देहरादून प्रभागों के माध्यम से विभिन्न विभागों को पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

संगरूर बनेगा एशियाई विश्व और ओलंपिक चैंपियनों की नर्सरी: मान

संगरूर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को संगरूर के वॉर हीरोज स्टेडियम में 9.50 करोड़ रुपये की लागत से बने ओलंपिक मानकों वाले आधुनिक स्विमिंग पूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक सुविधा संगरूर को भविष्य के एशियाई, विश्व और ओलंपिक चैंपियनों की नर्सरी बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार खेलों के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार इस स्विमिंग पूल की लंबाई 50 मीटर और चौड़ाई 21 मीटर है, जबकि इसकी गहराई 4.6 फुट से 7.6 फुट तक है। इसमें लगभग 25 लाख लीटर पानी की क्षमता है और इसे विश्व स्तरीय तकनीक के साथ विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों की सुविधा के लिए आधुनिक चेंजिंग रूम, शॉवर सुविधाएं, प्रशिक्षकों के लिए अलग कमरे, स्टोर रूम और अत्याधुनिक जिम भी बनाया गया है।

सुपौल में प्रार्थना सभा को लेकर हंगामा, धर्म परिवर्तन के आरोपों की जांच में जुटी पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल। बिहार में सुपौल जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बनेलीपट्टी पंचायत के गीदरमारी वार्ड संख्या-5 में सोमवार को एक प्रार्थना सभा को लेकर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने नेपाल से आए चार लोगों पर धार्मिक प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी संबंधित लोगों को पूछताछ के लिए थाना ले गई। फिलहाल, मामले की जांच जारी है। ग्रामीणों के अनुसार, गीदरमारी निवासी किशुनदेव राम के घर पर प्रार्थना सभा आयोजित की जा रही थी, जिसमें करीब 30 से 40 लोग मौजूद थे। सभा की जानकारी मिलने

के बाद आसपास के लोग वहां पहुंच गए और इसका विरोध शुरू कर दिया। बाद में पुलिस को सूचना दी गई और वीरपुर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में इस प्रकार की सभाएं लंबे समय से आयोजित की जाती रही हैं। उनका दावा है कि धार्मिक प्रवचन के साथ बेहतर जीवन, बीमारी से राहत और आर्थिक सुधार जैसे आश्वासन देकर लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों के मुताबिक, सोमवार को नेपाल के सप्तरी जिले से चार सदस्यीय टीम भंटाबारी होते हुए भीमनगर पहुंची और वहां से बनेलीपट्टी आई थी। आरोप है कि टीम पहले से संपर्क में रहे परिवारों के यहां प्रार्थना सभा आयोजित कर रही थी। वहीं, आरोपित पक्ष ने सभी दावों को खारिज करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य केवल समाज सेवा और आध्यात्मिक संदेश देना है। उनका कहना है कि लोग अपनी इच्छा से प्रार्थना सभा में शामिल होते हैं और किसी पर धर्म परिवर्तन के लिए कोई दबाव नहीं बनाया जाता। वीरपुर थानाध्यक्ष संजय दास ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा को दिल्ली के मंत्रियों व विधायकों ने दी श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को स्वाभिमान स्थल घेवरा मोड़ पर बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में दिल्ली सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी शामिल हुए। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और उनके पुत्र ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय साहिब सिंह वर्मा का संपूर्ण जीवन सादगी, ईमानदारी और निःस्वार्थ जनसेवा का अनुपम उदाहरण रहा। उन्होंने सदैव समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के सम्मान, अधिकार और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके विचार, सिद्धांत और जनकल्याण के प्रति उनका अटूट समर्पण आज भी हम सभी को ईमानदारी और समर्पण के साथ जनता की सेवा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि साहिब सिंह वर्मा का मानना था कि राजनीति कभी सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि ईमानदारी, विनम्रता और संवेदनशीलता के साथ समाज की सेवा करने का पवित्र दायित्व है। उनके हर निर्णय के केंद्र में आम नागरिकों का हित होता था। उनके आदर्श आज भी हमें प्रेरित करते हैं और हम समावेशी, पारदर्शी तथा जन-केंद्रित सुशासन के उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं।

नेपाल में बारिश से कोसी बराज पर जलप्रवाह में तेजी, दो घंटे में करीब 7 हजार क्यूसेक पानी बढ़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर कोसी नदी पर दिखने लगा है। मंगलवार को कोसी बराज पर जलप्रवाह में तेजी दर्ज की गई। दो घंटे के भीतर नदी के डिस्चार्ज में करीब सात हजार क्यूसेक की वृद्धि हुई, जिससे प्रशासन और जल संसाधन विभाग की सतर्कता बढ़ गई है। कोसी बराज कंट्रोल रूम से जारी आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार सुबह 10 बजे बराज से कुल 91,945 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। वहीं, दोपहर 12 बजे यह बढ़कर 98,900 क्यूसेक पहुंच गया। यानी महज दो घंटे में जलप्रवाह में 6,955 क्यूसेक की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, पूर्वी कोसी मुख्य नहर (ईकेएमसी) और पश्चिमी कोसी मुख्य नहर (डब्ल्यूकेएमसी) में फिलहाल पानी का प्रवाह शून्य है। पूरा पानी सीधे डाउन स्ट्रीम की ओर छोड़ा जा रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष भी कोसी नदी का जलस्तर अधिक बना हुआ है। 30 जून 2025 को सुबह 10 बजे कोसी बराज पर 80 हजार क्यूसेक और दोपहर 12 बजे 83,125 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया था। इसके मुकाबले इस वर्ष समान समय पर जलप्रवाह क्रमशः करीब 12 हजार और 16 हजार क्यूसेक अधिक रहा।हालांकि वर्तमान डिस्चार्ज खतरे के स्तर से नीचे है, लेकिन नेपाल में भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए जल संसाधन विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है। कोसी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी को लेकर सीमांचल और कोसी क्षेत्र के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता भी बढ़ने लगी है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और आधिकारिक सूचनाओं पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

दिल्ली के आजादपुर इलाके से दो बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की फॉरेनर सेल ने दो बांग्लादेशी घुसपैठियों को यहां के आजादपुर इलाके से गिरफ्तार किया। इनमें एक आरोपित ऐसा है जिसे पिछले वर्ष गिरफ्तार कर बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था, लेकिन वह दोबारा भारत में घुस आया। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से प्रतिबंधित आईएमओ ऐप वाले दो स्मार्टफोन, बांग्लादेशी पहचान पत्र और एक मिर्ची स्प्रे बरामद किया है। उत्तर पश्चिमी जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद रुहुल अमीन उर्फ तुली दास और एमडी जीबोन मियां उर्फ लिली के रूप में हुई है। दोनों बांग्लादेश के रहने वाले हैं और भारत में रहने के लिए उनके पास कोई

वैध यात्रा दस्तावेज नहीं मिले। उन्होंने बताया कि 25 जून की सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि महेंद्र पार्क थाना क्षेत्र के एनएस मंडी, आजादपुर इलाके में दो बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। इस आधार पर इंस्पेक्टर विपिन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया। जांच में सामने आया कि रुहुल अमीन को जून 2025 में भी उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की फॉरेनर सेल ने गिरफ्तार किया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया था, लेकिन वह दोबारा अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर महेंद्र पार्क इलाके में रहने लगा। पुलिस ने उसे फिर से ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि रात के समय वे दिल्ली के आजादपुर मंडी इलाके में ट्रांसजेंडर का भेष बनाकर ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करते थे। वे कथित तौर पर ग्राहकों पर मिर्ची स्प्रे का इस्तेमाल भी करते थे। रुहुल अमीन के बैग से एक मिर्ची स्प्रे बरामद किया गया है। दूसरा आरोपित जीबोन मियां इलाके में रसोइए का काम करता था और दोनों साथ रह रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपितों के कब्जे से प्रतिबंधित आईएमओ एप इंस्टॉल दो स्मार्टफोन और बांग्लादेशी पहचान पत्र भी बरामद किए हैं।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063